THE CASCADES
NEOPOLIS

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 86 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.12 2082 रविवार, 22 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

THE CASCADES
NEOPOLIS

A PROJECT BY
GHR INFRA
LAKSHMI INFRA
urban blocks Realty

Building Permission No.: 003505/BP/HMDA/0728/SKP/2024
TG RERA Registration No.: P02400009538
Website: https://rera.telangana.gov.in

THERE CAN BE NO ASSET,
MORE PRECIOUS THAN YOUR LIFE.

THE
CASCADES
NEOPOLIS

life appreciates here

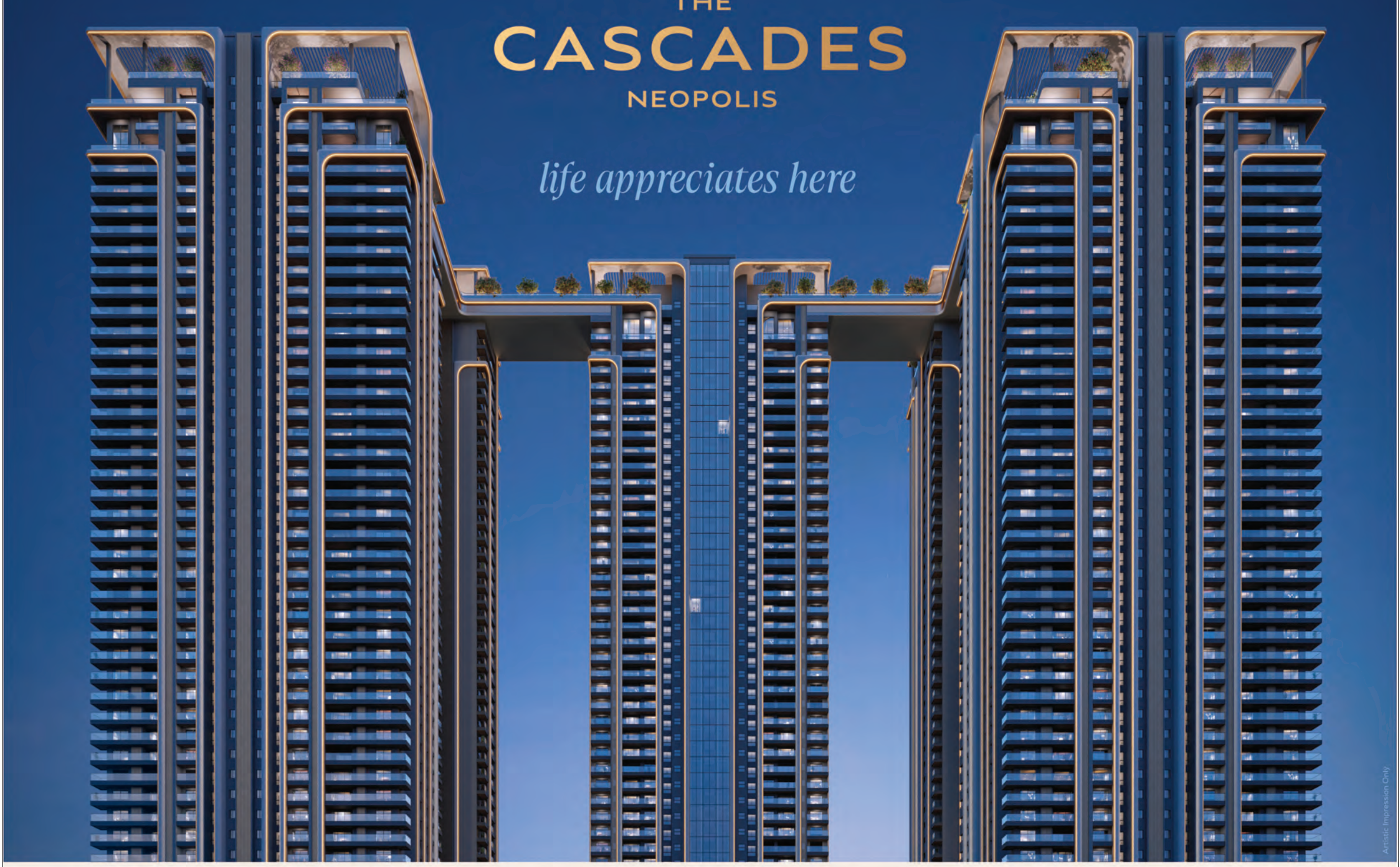

7.34 ACRES | 63 FLOORS | 2,560-3,390 sq ft 3 BHK UNIT AREA | 3,895-4,825 sq ft 4 BHK UNIT AREA | 11 ft FLOOR-TO-FLOOR HEIGHT | 2,00,000+ sq ft CLUBHOUSE & AMENITIES | 02 HELIPADS

SBI
PROJECT FUNDED BY STATE BANK OF INDIA
OVERSEAS BRANCH, HYD

+91 9481 14 14 14
www.thecascades.in
SCAN TO KNOW MORE

PRICE STARTING
₹3 cr onwards
T&C Apply
NEOPOLIS, HYDERABAD

THE CASCADES NEOPOLIS

A PROJECT BY GHR INFRA | LAKSHMI INFRA | urban blocks Realty

GRAND TOWER LOBBY

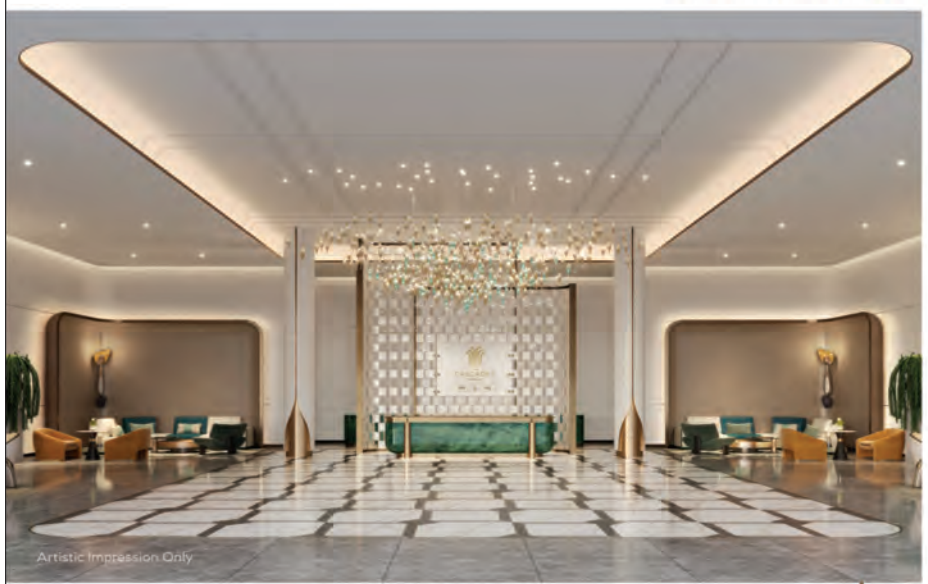

CLUBHOUSE

LIFE APPRECIATES HERE.

Access a world that carefully balances home, work and luxury hospitality.

LAGOON-STYLE SWIMMING POOL

EXCLUSIVE GLASS ELEVATORS

INTERNATIONAL CONSULTANTS
UHA London, Coopers Hill, and Studio HBA, Singapore

INTERNATIONAL CONCIERGE
Quintessentially

WELLNESS
Targeting WELL Pre-Certification

SUSTAINABILITY
Targeting IGBC Pre-Certification

SMART LIVING
Smart Home Automation

We believe where you live impacts how you live. That's why we designed The Cascades Neopolis. A space which promises fine living along with the finer things your life needs to flourish. Here your physical, mental, social, environmental, spiritual and emotional well-being, co-exist harmoniously in the arms of luxurious living.

The apartments are spacious and inviting, and you can look forward to intelligently planned 3 & 4 BHKs and exclusive triplex penthouses with private pools, alongside an 8-storey Clubhouse, under tower amenities, podium landscape, tower lounges, sky garden and 2 helipads. There's even a sky lounge accessible via 2 exclusive glass elevators that promise unmatched views of the city.

With such a detailed approach to your wellness coupled with sustainability and smart living, you can be assured of an incomparable lifestyle and the comfort in knowing that life appreciates here.

NEOPOLIS, HYDERABAD

+91 9481 14 14 14 | www.thecascades.in

SCAN TO KNOW MORE

Disclaimer: The images, appearances, colours, etc. given herein are mere artistic impressions for representation purposes only. Readers are therefore requested to verify all details, including payment schedule and other relevant terms independently with the promoter prior to arriving at any decision of buying any unit in the said project. *T&C Apply.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 86 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.12 2082 रविवार, 22 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

फ्लाइट में फ्यूल कम था, पायलट ने मेडे कॉल की

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद प्लेन हादसे के करीब एक हफ्ते बाद एक और फ्लाइट के पायलट ने मेडे कॉल किया था। इंडिगो की गुवाहाटी-चेन्नई फ्लाइट के पायलट ने यह इमरजेंसी कॉल किया था। जानकारी शनिवार को सामने आई है। घटना 19 जून की है। पायलट ने विमान में फ्यूल की काफी कमी देखी थी, इसके बाद उसने एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) को मेडे यानी इमरजेंसी कॉल की थी। हालांकि, इस फ्लाइट की तुरंत बेंगलुरू एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। अहमदाबाद में 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे में यात्रियों समेत कुल 270 लोग मारे गए थे। लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी।

योग ने दुनिया को जोड़ा : मोदी

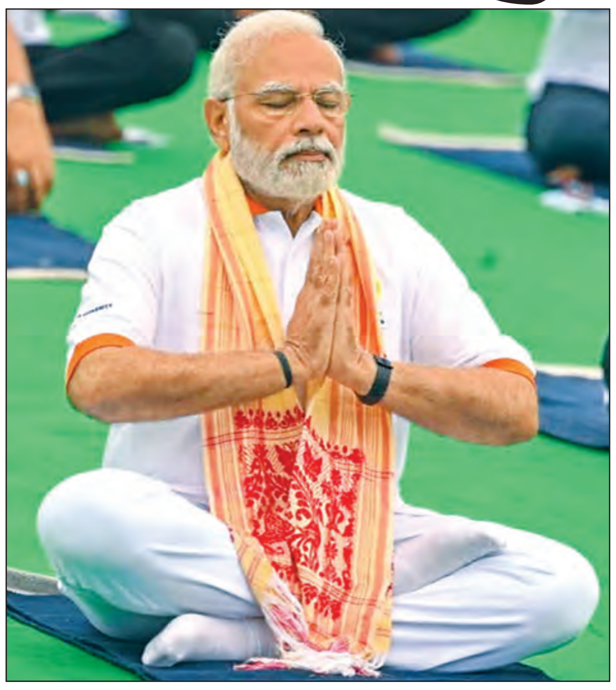

✻ पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में योग किया

✻ 191 देशों में 1,300 जगह कार्यक्रम

नई दिल्ली/विशाखापट्टनम, 21 जून (एजेंसियां)। दुनियाभर में शनिवार को 11वां योग दिवस मनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिक के साथ योग किया।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि योग का मतलब होता है- जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया में अशांति, तनाव और अस्थिरता बढ़ रही है, तो योग शांति की दिशा दिखाता है। यह पॉज बटन जैसा। पीएम के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने भी योग किया। इस बार की योग की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1,300 जगहों पर 2,000 से ज्यादा योग कार्यक्रम हुए। पीएम मोदी ने कहा- आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं।

पीएम ने कहा कि अभी नेवी के जहाज में भी योगा कार्यक्रम चल रहा है। चाहे ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, या एवरेस्ट की चोटियां, या समुंदर का विस्तार हो एक ही संदेश आता है कि योग सभी का है और सभी के लिए है। पीएम ने कहा कि साथियों दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में योग हमें शांति का रास्ता दिखाता है। योग उस 'पॉज बटन' की तरह है जिसकी इंसानियत को जरूरत है- ताकि हम रुक सकें, सांस ले सकें, संतुलन बना सकें और फिर से खुद को पूर्ण महसूस कर सकें। पीएम ने कहा कि योग को सिर्फ पर्सनल प्रैक्टिस न बनाएं, बल्कि ग्लोबल पार्टनरशिप का माध्यम बनाएं। योग को लोकनीति का हिस्सा बनाएं। जब जनता लक्ष्य को थाम लेती है तो उस लक्ष्य की प्राप्ति से हमें कोई रोक नहीं पाता। आपके प्रयास यहां इस आयोजन में नजर आ रहे हैं। 'मी टु वी' का भाव भारत की आत्मा का साथ है।

आंध्र प्रदेश ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

इसी के साथ आंध्र प्रदेश सरकार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। प्रोग्राम में 50 लाख से ज्यादा योग प्रमाणपत्र भी बांटे गए। आंध्र प्रदेश सरकार ने भी योग आंध्र अभियान शुरू किया है। इसका मकसद है राज्य में 10 लाख लोगों की रोजाना योग करने वाली कम्युनिटी बनाना है।

एअर इंडिया के तीन अफसरों पर गिरी गाज

> डीजीसीए ने सभी भूमिकाओं से हटाने के लिए कहा

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद हादसे के बाद डीजीसीए ने विमानन सुरक्षा को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। डीजीसीए ने एअर इंडिया को डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट समेत अपने तीन अधिकारियों को चालक दल (क्रू) की समय-सारणी और रोस्टरिंग से संबंधित सभी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से हटाने का आदेश दिया है।

नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 20 जून को अपने आदेश में एअर इंडिया को इन अधिकारियों के खिलाफ अविलंब अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने को भी कहा। डीजीसीए के आदेश के अनुसार तीन अधिकारियों में एयरलाइन का एक डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट भी शामिल है। डीजीसीए ने एअर इंडिया से 10 दिन में रिपोर्ट देने के लिए कहा है। डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा कि लाइसेंसिंग, आराम और नवीनता आवश्यकताओं में चूक के बावजूद उड़ान चालक दल (क्रू) के शेड्यूल और संचालन में एअर इंडिया ने बार-बार लापरवाही बरती। इस लापरवाही का पता एआरएमएस से सीएई उड़ान और चालक दल प्रबंधन प्रणाली में परिवर्तन के बाद की समीक्षा के दौरान चला। एआरएमएस (एयर रूट मैनेजमेंट सिस्टम) एक सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म है जिसका उपयोग एयरलाइन द्वारा विभिन्न परिचालन और प्रबंधन कार्यों के लिए किया जाता है। इसमें चालक दल की रोस्टरिंग और उड़ान योजना आदि शामिल हैं।

डीजीसीए के आदेश में कहा गया है कि समीक्षा के दौरान हुए खुलासे चालक दल की समय-सारणी, अनुपालन निगरानी और आंतरिक जवाबदेही में विफलता की ओर इशारा करते हैं। लापरवाही के बाद भी जिम्मेदार प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

ओडिशा में बाढ़ से 50 हजार लोग प्रभावित : उफान पर सुवर्णरिखा नदी

> 17 से ज्यादा गांवों में भरा पानी

बालासोर, 21 जून (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर के बाद अब ओडिशा में बाढ़ ने आफत मचाई है। बालासोर जिले में सुवर्णरिखा नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण 50,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। हालात यह हैं कि राज्य के 17 से ज्यादा गांवों में पानी भर गया है। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए कमर कस ली है। पड़ोसी राज्य झारखंड में भारी बारिश के बाद चांडिल बांध से अचानक पानी छोड़े जाने के कारण बालासोर जिले के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई।

अफसरों ने बताया कि भोगराई, बलियापाल, बस्ता और जलेश्वर अधिसूचित क्षेत्र परिषद (एनएसी) के तीन ब्लॉकों के 17 ग्राम पंचायत क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। निचले और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को सतर्क रहने और स्थिति बिगड़ने पर निकटवर्ती आश्रय स्थलों में जाने के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है।

तेलंगाना के फोन टैपिंग मामले में गवाह बनेंगे केंद्रीय मंत्री

बंडी संजय ने लगाए थे आरोप

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के फोन टैपिंग मामले में केंद्रीय राज्य मंत्री बंडी संजय बतौर गवाह पुलिस के सामने पेश होंगे। तेलंगाना की पिछली बीआरएस सरकार में अवैध रूप से लोगों के फोन टैप करने के आरोप लगे थे, जिसकी जांच चल रही है। इसी मामले में बंडी संजय को भी गवाही के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने केंद्रीय राज्य मंत्री से उनके बयान दर्ज करने के लिए समय मांगा है। जल्द ही बंडी संजय बयान दर्ज कराने के लिए समय देंगे। शनिवार को करीमनगर में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि वे पुलिस के साथ जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की भी मांग की।

साथ ही कहा कि मौजूदा सीएम रेवंत रेड्डी जब विपक्ष में थे तो उन्होंने भी फोन टैपिंग मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी। बंडी संजय ने बताया कि बीआरएस सरकार के समय उन्होंने ही सबसे पहले फोन टैपिंग के आरोप लगाए थे, जिसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताया। बंडी संजय उस वक्त तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष थे। फोन टैपिंग मामले में 17 जून को पुलिस ने तेलंगाना कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बंडी महेश कुमार गौड़ के भी बयान दर्ज किए हैं। गौड़ ने कहा कि फोन टैपिंग मामले में जो भी शामिल थे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना में बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान कथित तौर पर कई राजनेताओं, शीर्ष अधिकारियों और जजों के फोन टैप किए गए थे। सत्ताधारी पार्टी को फायदा पहुंचाने के मकसद से यह साजिश रची गई थी। इस मामले का प्रमुख आरोपी तेलंगाना के स्पेशल इंटेलीजेंस ब्यूरो के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर को बताया जा रहा है। पुलिस टी प्रभाकर से पूछताछ कर रही है।

22 राज्यों में आज भारी बारिश की चेतावनी

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ को छोड़कर पूरे देश में पहुंचा मानसून

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। मानसून तेज रफ्तार से उत्तर भारत में पहुंच गया है। शुक्रवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में एंट्री कर ली है। अब केवल दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में ही मानसून का पहुंचना बाकी है। फिलहाल मानसून राजस्थान के 50 प्रतिशत हिस्से को कवर कर चुका है।

आज 30 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट है। कुछ जिलों में तेज गर्मी पड़ रही है, शुक्रवार को श्रीगंगानगर में 42.8 डिग्री पारा रहा। मध्यप्रदेश के आखिरी बचे 2 जिले- भिंड और मऊगंज में भी मानसून शुक्रवार को पहुंच गया। उत्तर प्रदेश में मानसून ने दो दिन के अंदर लखनऊ समेत 56 जिलों को कवर कर लिया है। उत्तर प्रदेश के सिर्फ 19 जिले ऐसे हैं, जहां मानसून का एक्टिव होना बाकी है। आज मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

'पाकिस्तान को कभी नहीं मिलेगा सिंधु नदी का पानी'

पड़ोसी देश को गृह मंत्री शाह की दो टूक

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अभी तक जल नीति के मोर्चे पर सख्ती बना रखी है। वहीं एक बार फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ कर दिया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच 1960 में हुई सिंधु जल संधि अब कभी बहाल नहीं होगी। इससे पहले भी एक बार वो ये बात कह चुके हैं। वहीं, इस बार भी उन्होंने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान की लगातार शांति और विकास की भावना के उल्लंघन के कारण लिया गया है।

शाह ने यह भी बताया कि सिंधु नदी का पानी अब पाकिस्तान नहीं, बल्कि भारत के राज्यों जैसे राजस्थान के खेतों में बहेगा। शाह ने एक इंटरव्यू में कहा कि हमने संधि को निलंबित किया है। इसे एकतरफा रद्द नहीं किया जा सकता, लेकिन हमें इसे रोकने का अधिकार था और हमने वही किया गृह मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार राजस्थान तक पानी पहुंचाने के लिए विशेष नहर परियोजना पर काम शुरू करेगी, ताकि भारत अपने हिस्से का हक का पानी पूरी तरह इस्तेमाल कर सके। पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत सरकार ने इसे सीधा पाकिस्तान प्रायोजित आतंक बताया। अमित शाह ने कहा कि इस हमले का मकसद कश्मीर में अमन की बहाली को पटरी से उतारना था, लेकिन वहां की जनता ने पूरे राज्य में प्रदर्शन कर आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाई है। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान पर कई कार्रवाई भी की। इतना ही नहीं भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में कई आतंकी ठिकानों को तबाह किया था।

मतदान केंद्रों के वीडियो फुटेज साझा करना वोटर की निजता का उल्लंघन : चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करने की मांग के बीच चुनाव आयोग ने बड़ा बयान दिया है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि ऐसा कदम मतदाताओं की निजता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इस तरह की मांग उनकी धारणा के लिए ठीक है, जो मतदाता हितैषी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सुरक्षा के लिए उपयुक्त लगती हैं, लेकिन वास्तव में इसका मकसद बिल्कुल विपरीत उद्देश्य को प्राप्त करना है। अधिकारियों ने दावा किया कि जिसे बहुत तार्किक मांग के रूप में पेश किया जा रहा है, वह वास्तव में मतदाताओं की निजता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का उल्लंघन है। यह जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951 में निर्धारित कानूनी स्थिति और शीर्ष कोर्ट के निर्देशों के पूरी तरह विपरीत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि फुटेज को साझा करने से मतदाता और मतदाता न होने वाले लोग दोनों ही असामाजिक तत्वों के निशाने पर आ सकते हैं। इससे किसी भी समूह या व्यक्ति की ओर से मतदाताओं की पहचान करना आसान हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर उन्होंने कहा कि यदि किसी विशेष राजनीतिक दल को किसी विशेष बूथ पर कम वोट मिलते हैं तो वह सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आसानी से पहचान सकता है कि किस मतदाता ने वोट दिया है और किस मतदाता ने नहीं।

पीएम को नारे लगाने में महारत, समस्या के समाधान में नहीं : राहुल

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। मेक इन इंडिया योजना को लेकर पीएम को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री को नारे लगाने में महारत हासिल है।

समस्याओं का समाधान करने में नहीं। एक्स पर पोस्ट में युवाओं के साथ बातचीत का वीडियो साझा करते हुए राहुल गांधी ने लिखा कि मेक इन इंडिया से फैक्ट्री बूम के वादों के बावजूद देश में विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। युवा बेरोजगारी रिकॉर्ड उच्च स्तर पर है और चीन से आयात दोगुना से अधिक क्यों हो गया है? मोदी जी ने नारों की कला में महारत हासिल की है, समाधानों में नहीं। 2014 से विनिर्माण हमारी अर्थव्यवस्था में 14 प्रतिशत तक गिर गया है।

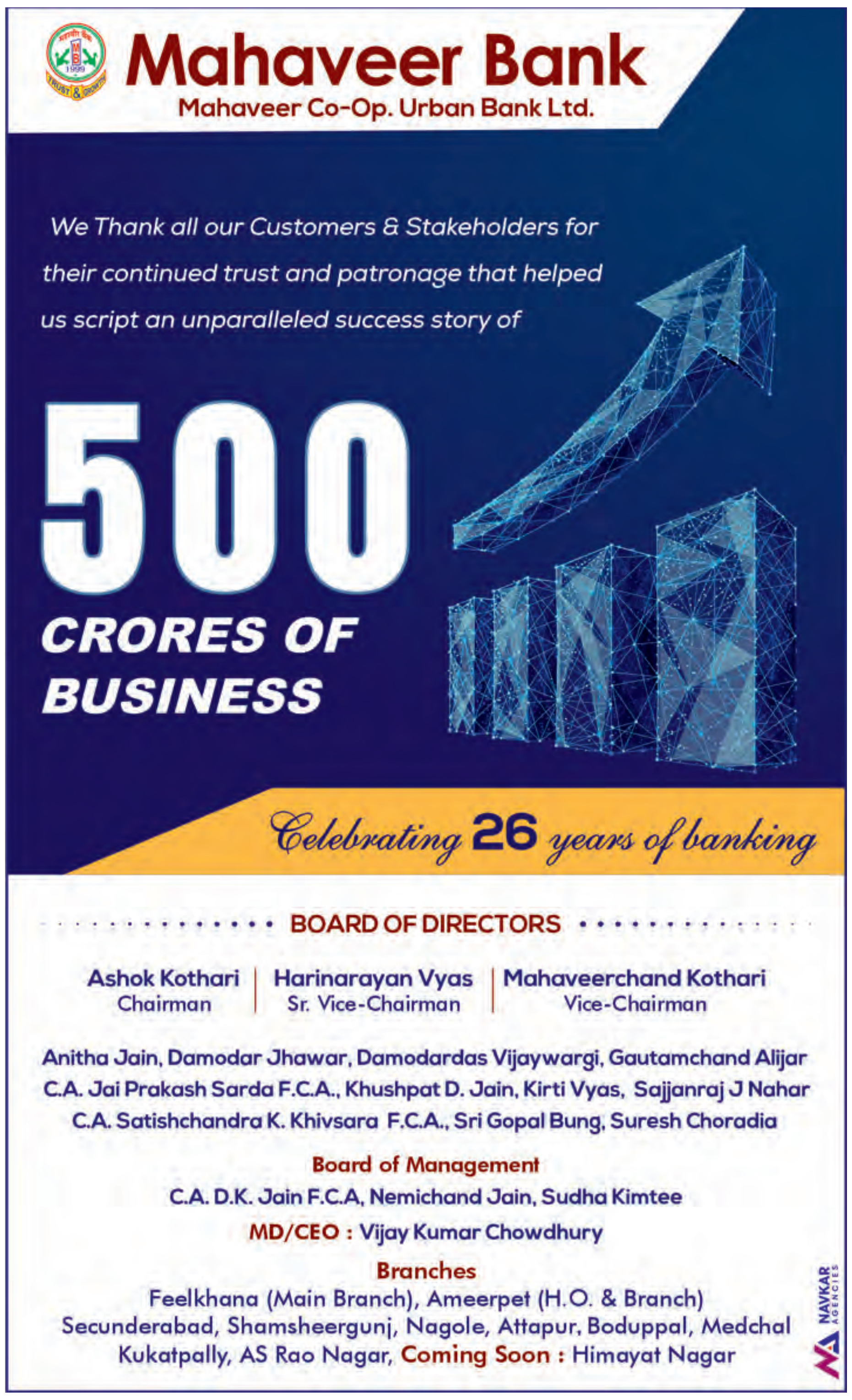

अंतरिक्ष में पहली बार इंसुलिन और ब्लड-शुगर पर होगा रिसर्च

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। एक्सिओम-4 मिशन डाइबिटीज के मरीजों के लिए अंतरिक्ष की यात्रा करने की उम्मीद की किरण लेकर आया है। ऐसा इसलिए क्योंकि यूएई की हेल्थ सर्विस प्रोवाइडर बुर्जील होल्डिंग्स माइक्रोग्रैविटी में ग्लूकोज के व्यवहार पर एक रिसर्च कर रही है। एक्सिओम-4 मिशन के तहत सूट राइड एक्सपेरिमेंट के एक हिस्से के रूप में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला समेत बाकी लोग ऑर्बिटल लैब में 14 दिन लगातार ग्लूकोज मॉनिटर पहनेंगे।

अबू धाबी की बुर्जील होल्डिंग्स के सीएमओ मोहम्मद फितयान ने बताया कि वे बस यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि अंतरिक्ष में रहने के दौरान ब्लड शुगर के लेवल में कोई बदलाव या उतार-चढ़ाव होता है या नहीं। माइक्रोग्रैविटी में ग्लूकोज और इंसुलिन के व्यवहार के अध्ययन से वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष यात्रियों और उन रोगियों के लिए वियरेबल टेक्नीक बनाने में मदद मिलेगी जो बिस्तर पर पड़े हैं या लकवा जैसी बीमारियों के कारण कम मूवमेंट कर पाते हैं। इसके अलावा अंतरिक्ष यात्री इंसुलिन पेन भी साथ ले जाएंगे, जो अलग-अलग तापमान में रखे होंगे, जिससे यह देखा जा सके कि माइक्रोग्रैविटी में इंसुलिन के अणुओं पर क्या असर पड़ता है।

'उच्च न्यायालय राजस्व विभाग का संरक्षक नहीं'

बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर 'सुप्रीम' रोक

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय राजस्व विभाग के संरक्षक नहीं हैं, जिसमें एक फर्म को 256.45 करोड़ रुपये की वापसी के लिए ट्रिब्यूनल के निर्देश पर रोक लगाई गई थी।

न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया, उच्च न्यायालय आदेश पर रोक नहीं लगा सकता था, क्योंकि उसने माना था कि बेलापुर आयुक्तालय के सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा दायर अपील विचारणीय नहीं थी। उच्च न्यायालय के 12 जून के आदेश पर रोक लगाने वाली सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, उच्च न्यायालय राजस्व का संरक्षक नहीं है। पीठ ने 20 जून को पारित अपने आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया, उच्च न्यायालय अपील को विचारणीय न मानने तथा यह दर्ज करने के बाद कि रिट याचिका और अपील को बिना दबाव के निपटाया जाता है, स्थगन आदेश पारित नहीं कर सकता था। उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली फर्म द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष न्यायालय ने यह आदेश पारित किया। पीठ ने उल्लेख किया कि उच्च न्यायालय ने राजस्व विभाग द्वारा दायर रिट याचिका के साथ-साथ अपील का भी निपटारा किया था। इस मामले में 2 जुलाई को आगे की सुनवाई की जाएगी।

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई के सामने पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े और चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी आतंकवादी हमले की इस्लामाबाद को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जम्मू - कश्मीर के उधमपुर में उत्तरी कमान मुख्यालय में जवानों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, हमने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को दिखा दिया है कि भारत के खिलाफ उसकी 'हजार कट' की नीति सफल नहीं होने वाली है। भारत आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सिर्फ आतंकवाद की घटना नहीं थी, बल्कि सीमा पार से सामाजिक और सांप्रदायिक एकता को भी निशाना बनाया गया था। उन्होंने कहा, हमने न सिर्फ उनकी साजिशों को नाकाम किया, बल्कि जवाबी कार्रवाई भी की, जिससे पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े और उसके बाद ही हमने ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर केवल पहलगाम आंतकी हमले का प्रतिशोध नहीं था।

नेपाल में बस और इलेक्ट्रिक वाहन के बीच टक्कर : सात लोगों की मौत, 25 घायल

काठमांडू, 21 जून (एजेंसियां)। नेपाल के बागमती प्रांत में शनिवार को एक बस और इलेक्ट्रिक वाहन के बीच टक्कर होने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। हादसे में 25 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 10:15 बजे चितवन जिले में ईस्ट-वेस्ट हाईवे पर धनगढ़ी से काकरभिट्टा जा रही बस एक इलेक्ट्रिक वाहन से टकरा गई। घायलों को इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया है, जहां उनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

पुलिस ने बताया कि दोनों वाहन दुर्घटनास्थल पर ही खड़े रहे, जिससे हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। पुलिस सड़क को फिर से खोलने के लिए काम कर रही है। चितवन पुलिस के प्रवक्ता रवींद्र खनल ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है। घटना के कारणों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

चीनी डोर से दर्दनाक हादसा, गले में लिपटा श्वास नली कटने से मौत

अमृतसर, 21 जून (एजेंसियां)। अमृतसर के स्थानीय एलिवेटिड रोड पर चीनी डोर की चपेट में आने से डाक्टर शमशेर सिंह बुरी तरह जख्मी हो गए। जानलेवा डोर ने उनकी श्वास नली को काट दिया। लोग उन्हें निजी अस्पताल ले जाने लगे लेकिन अधिक खून बहने के कारण रास्ते में ही शमशेर सिंह ने दम तोड़ दिया। परिवार ने पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया है। कोट खालसा निवासी हरतेज सिंह ने बताया कि उनके मामा शमशेर सिंह सुल्तानविंड रोड पर स्थित चूंगावाला बाजार के पास रहते हैं। वर्तमान में वह एयरपोर्ट रोड पर स्थित एक अस्पताल में डॉक्टर थे। डॉ। शमशेर सिंह की ड्यूटी रात की है। शाम पांच बजे वह अपनी बाइक पर घर से अस्पताल के लिए निकले थे। जैसे ही वह एलिवेटिड रोड पर पहुंचे तो वहां के घरों में बच्चे पतंगबाजी कर रहे थे। एकाएक चीनी डोर उनकी गर्दन से लिपट गई। उन्होंने तुरंत बाइक रोकी और हेलमेट उतार कर डोर को छुड़ाने का प्रयास किया।

इजराइल के हमले से गुस्से में सोनिया, सरकार को बताई ईरान की अहमियत

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी का एक लेख सोशल मीडिया पर साझा किया। इस लेख में उन्होंने पश्चिम एशिया के देशों को लेकर कांग्रेस पार्टी का रूख स्पष्ट किया और वर्तमान सरकार पर निशाना साधा सोनिया गांधी ने अपने लेख में लिखा कि ईरान भारत का पुराना मित्र रहा है और हमेशा से भारत और ईरान के संबंध अच्छे रहे हैं। उन्होंने ईरान और भारत की दोस्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि 1994 का जम्मू-कश्मीर मुद्दा सबसे यादगार है। क्योंकि जब संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया था, तो उस समय ईरान ने भारत का साथ देकर उस प्रस्ताव को रुकवाने में मदद की थी।

इस्लामी रिपब्लिक ईरान हमेशा से रहा भारत का सहयोगी

सोनिया गांधी ने बताया कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अपने पुराने शासन की तुलना में भारत का बहुत अधिक सहयोग किया है। उन्होंने कहा हालांकि ईरान के पुराने शासन यानी शाही राज्य ईरान ने 1965 और 1971 के युद्धों में पाकिस्तान का साथ दिया था।

भारत और इजराइल के बीच संबंध हो रहे हैं अच्छे

सोनिया गांधी ने अपने लेख में बताया कि पिछले कुछ दशकों से भारत और इजराइल के रणनीतिक संबंध भी मजबूत हो रहे है। उन्होंने कहा कि इस अनूठी स्थिति में भारत के पास शांति और संवाद का पुल बनने की कूटनीतिक ताकत और नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक अमूर्त सिद्धांत नहीं है, बल्कि उन सभी नागरिकों की सुरक्षा की बात है जो पश्चिम एशिया के देशों में रह रहे हैं और काम कर रहे है। उनकी सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुए सरकार को विदेशी कूटनीति में अपनी स्थिति मजबूत करनी होगी।

सोनिया ने हमास हमले की निंदा की

सोनिया गांधी ने 7 अक्टूबर 2023 को हमास की तरफ से किए गए इजराइल पर हमले की निंदा की। हालांकि उन्होंने इजराइल की तरफ से हमास पर की गई जवाबी कार्रवाई को भी भयावह और असंगत बताया। उन्होंने भारत सरकार से कहा कि इस तरह के भयावह हमले के सामने भारत चुप नहीं रह सकता। उन्होंने बताया कि 55,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की जान जा चुकी है। पूरे घर, परिवार यहां तक कि अस्पताल भी नष्ट हो गए हैं। गाजा अकाल के कगार पर खड़ा है, और वहां के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मोदी सरकार पर साधा निशाना

सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत की सांस्कृतिक और पारंपरिक नीति जिसमें दो राष्ट्रों के समाधान की नीति है, उसकी प्रतिबद्धता को त्याग दिया है। इसमें एक स्वतंत्र फिलिस्तीन की कल्पना की जाती है, जो आपसी सुरक्षा और सम्मान के साथ इजरायल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर रह सके।

सरकार की चुप्पी पर साधे सवाल

सोनिया गांधी ने कहा कि इजराइल ने गाजा में तबाही मचा दी थी और अब ईरान पर लगातार हमले कर रहा है। इस तनाव पर भारत सरकार की चुप्पी यह दर्शाती है कि सरकार हमारे नैतिक और कूटनीतिक परंपराओं से पीछे हट रही है। उन्होंने कहा यह न केवल भारत की आवाज की कमी को दर्शाता है, बल्कि यह भारत के मूल्यों के आत्मसमर्पण भी है। लेख के अंत में सोनिया गांधी ने मोदी सरकार से कहा कि अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। भारत को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और स्पष्ट रूप से बोलना चाहिए। भारत को पश्चिम एशिया के देशो के बीच उनकी आपसी बातचीत को बढ़ावा देना चाहिए और तनाव को कम करने की कोशिश करनी चाहिए।

स्कूल बनाने वाले आप नेताओं पर बैठाई फर्जी जांच

हजारों झुग्गियां तोड़ने का पाप छिपा रही बीजेपी- अनुराग ढांडा

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में गरीबों की हजारों झुग्गियां तोड़ने का पाप छिपाने के लिए भाजपा सरकार सरकारी स्कूल बनाने वालों के खिलाफ फर्जी जांच करा रही है। इसके पीछे भाजपा का मकसद पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा झुग्गीवालों को 'जहां झुग्गी-वहां मकान' देने की जो फर्जी गारंटी दी गई थी, उससे ध्यान भटकाना है। ताकि उस पर कोई चर्चा न हो सके। बीते 10 साल में जब भाजपा की ईडी-सीबीआई ''आप'' नेताओं से भ्रष्टाचार का एक रुपए बरामद नहीं कर पाई तो अब उसकी एसीबी क्या कर लेगी? शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ये बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि आज गरीब झुग्गी वाले चिंतित हैं कि भाजपा सरकार ने उनका घर तोड़ दिया या फिर तोड़ देगी। अब तक भाजपा ने कम से कम 10 हजार झुग्गियां तोड़कर करीब एक लाख लोगों को बेघर कर चुकी है। आम आदमी पार्टी मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनुराग ढांडा ने कहा कि अब यह पूरी दुनिया में सिद्ध हो चुका है कि दिल्ली में 10 साल तक "आप" की सरकार के दौरान शानदार सरकारी स्कूल बनाए गए। यह बात सबको पता है और हमें इसके लिए किसी को कोई तथ्य देने की जरूरत नहीं है। पूरी दुनिया में इस बात की चर्चा है कि "आप" ने अपनी सरकार के 10 साल में शानदार सरकारी स्कूल बनाए। कोई फर्जी एफआईआर या फर्जी केस बना देने से यह सच्चाई नहीं बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि ''आप'' नेताओं के पीछे ईडी, सीबीआई और अन्य एजेंसियां लगाने के बाद भी जब बीजेपी कुछ नहीं कर पाई तो अब एसीबी लगा दी है।

नैनीताल हाईकोर्ट ने उठाए सवाल

हर साल हेलिकॉप्टर हादसे क्यों हो रहे कौन है जिम्मेदार? सरकार को दिए निर्देश

नैनीताल, 21 जून (एजेंसियां)। नैनीताल हाईकोर्ट ने चारधाम यात्रा के दौरान हेलिकॉप्टर हादसों की खबरों का स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले में राज्य सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। सरकार से मौखिक रूप से पूछा गया कि आखिर हर वर्ष हेलिकॉप्टर दुर्घटनाएं क्यों हो रही हैं, इनमें क्या खामियां हैं या इन लापरवाहियों के लिए जिम्मेदार कौन हैं। कोर्ट ने इस मामले में सरकार को चारधाम की इन हेलिकॉप्टर सेवाओं के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने को ठोस नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि केदार घाटी उच्च हिमालयी क्षेत्र में है। वहां मौसम अचानक बदलता रहता है। ऐसे में एविएशन कंपनियों को पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों के मौसम और कोहरे की जानकारी होना अनिवार्य है। कोर्ट ने कहा कि बारिश के बाद ये क्षेत्र प्रायः शुष्क हो जाते हैं, जिससे उड़ान में विशेष सावधानी की जरूरत होती है। सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चारधाम यात्रा रूट पर हेलिकॉप्टर सेवाओं पर अस्थायी रूप से रोक लगाने का निर्णय लिया गया।

दवा खरीद में बड़ा घपला? 285 का इंजेक्शन 2100 में खरीदा, भोपाल एम्स में जांच को पहुंची टीम

भोपाल, 21 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में दवाओं की महंगी कीमतों पर खरीद को लेकर उठे सवालों की जांच के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की एक विशेष टीम ने संस्थान का दौरा किया। टीम ने दवा खरीद से संबंधित दस्तावेजों की विस्तृत समीक्षा की और एम्स के निदेशक डॉ। अजय सिंह समेत प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगभग चार घंटे तक बैठक कर पूरी खरीद प्रक्रिया की जानकारी जुटाई। यह मामला भोपाल के सांसद आलोक शर्मा ने उठाया था। सांसद शर्मा, जो एम्स की स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी के सदस्य भी हैं, उन्होंने इस मुद्दे को 15 मई को दिल्ली स्थित निर्माण भवन में हुई बैठक में सामने रखा था। इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव भी मौजूद थीं। सांसद आलोक शर्मा ने बताया कि उन्हें शिकायत प्राप्त हुई थी कि भोपाल एम्स द्वारा कैंसर की जेमसिटाबिन इंजेक्शन की खरीद 2100 प्रति इंजेक्शन की दर से की गई, जबकि रायपुर एम्स में यही दवा 425 और दिल्ली एम्स में मात्र 285 प्रति इंजेक्शन में खरीदी गई थी। इसी तरह अन्य कई दवाओं की कीमतों में भी भारी अंतर पाया गया। सांसद शर्मा के अनुसार, दवा खरीद में केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित सामान्य वित्तीय नियमों (जेएफआर 2017) का उल्लंघन किया गया है। आरोप है कि एम्स भोपाल ने आपातकालीन स्थितियों के लिए अनुमोदित अमृत फार्मेसी से ही पूरी दवा आपूर्ति करवाई, जबकि यह केवल सीमित और आपातकालीन खरीद के लिए अधिकृत है।

भाषा थोपी गई तो विरोध होगा, मराठी संस्कृति को दबाया जा रहा है आदित्य ठाकरे ने बीजेपी पर बोला हमला

मुंबई, 21 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाए जाने को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने बीजेपी पर करारा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर किए एक पोस्ट में उन्होंने न सिर्फ भाषा थोपे जाने का विरोध किया, बल्कि मराठी संस्कृति को दबाने के कथित प्रयासों को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। आदित्य ठाकरे ने लिखा, हमें किसी भी भाषा से विरोध नहीं है, लेकिन जब किसी भाषा को जबरन थोपा जाता है, तब उसका विरोध जरूरी है। मराठी मानूस आज सड़कों पर आक्रोशित है, आंदोलन कर रहा है तो क्या हम समझ पा रहे हैं कि मराठी-विरोधी बीजेपी क्या खेल खेल रही है? उन्होंने गिरगांव चौपाटी पर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा शुरू किए गए 'मराठी रंगभूमि दालन' को चुपचाप रद्द किए जाने और मराठी भाषा भवन के महत्व को घटाने के प्रयासों की भी आलोचना की। आदित्य ने सवाल उठाते हुए कहा कि बीजेपी ये सब क्यों कर रही है? स्थानीय लोगों ने तो विरोध नहीं किया, तो क्या स्थानीय बीजेपी विधायक ने मराठी संस्कृति का विरोध किया? या फिर यह किसी बिल्डर मित्र को जमीन देने की तैयारी है? महाराष्ट्र सरकार ने कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी के साथ तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अनिवार्य करने की योजना बनाई थी, जिसे लेकर राज्य में भारी विरोध हुआ। इसके बाद सरकार ने एक संशोधित जीआर जारी कर यह स्पष्ट किया कि छात्र तीसरी भाषा के तौर पर कोई भी भारतीय भाषा चुन सकते हैं, लेकिन विरोध करने वालों का आरोप है कि यह केवल दिखावा है। इस मुद्दे पर राज ठाकरे ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि हम हिन्दू हैं, हिंदी नहीं और महाराष्ट्र में सिर्फ मराठी और अंग्रेजी पढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र के नागरिकों से अपील की कि वे बीजेपी की 'महाराष्ट्र-विरोधी रणनीति' को समय रहते पहचानें। महाराष्ट्र में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को लेकर मचे राजनीतिक घमासान के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 18 जून को स्पष्ट किया कि हिंदी सीखना बाध्यकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के तहत कोई भी भारतीय भाषा तीसरी भाषा के रूप में चुनी जा सकती है।

कनाडा में बैठे खालिस्तानियों ने दी हिंदू नेता की सुपारी

मिलते-जुलते चेहरे वाले दुकानदार पर गोलीबारी कर भागे

बठिंडा, 21 जून (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा में एक दुकानदार पर अंधाधुंध गोलीबारी के मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। हमलावरों ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तान समर्थकों ने उन्हें हिंदू नेता की सुपारी दी थी। नेता की पहचान के लिए उन्हें फोटो भी दी गई थी, लेकिन हमलावर सही व्यक्ति की पहचान करने में विफल रहे। ऐसे में उन्होंने चाय की टपरी पर खड़े एक दुकानदार पर जानलेवा हमला कर दिया। इस दुकानदार की शक्ल उस हिंदू नेता से मिलती जुलती है, जिसकी सुपारी हमलावरों को दी गई थी। हमलावरों ने यह भी बताया कि गोलीबारी की घटना के बाद उनके चौथे साथी ने फोन कर उन्हें बताया कि उन्होंने गलत व्यक्ति पर गोलीबारी कर दी है। हालांकि, घटना के कुछ दिन बाद ही पुलिस ने तीन हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया। हिंदू नेता पूरी तरह सुरक्षित हैं और पुलिस पूरे मामले के खुलासे के लिए चौथे आरोपी की तलाश कर रही है। बठिंडा में 16 जून (सोमवार) सुबह थर्मल कॉलोनी के गेट नंबर दो के पास एक चाय की टपरी पर गोलीबारी हुई थी। हमलावरों ने चाय पी रहे व्यक्ति ललित छाबड़ा पर गोलीबारी की थी। इस घटना में शामिल तीनों हमलावरों को पकड़ लिया गया है। हमलावरों ने पुलिस को बताया है कि उन्हें एक हिंदू नेता की सुपारी मिली थी, लेकिन गलतफहमी में वह ललित छाबड़ा पर गोलीबारी कर फरार हो गए। तीनों हमलावर बाइक पर आए थे और उनके पास आधुनिक 30 बोर की पिस्टल थी।

तिहाड़ जेल में बंद अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की बिगड़ती सेहत को लेकर

कश्मीर के नेता चिंतित, केंद्र से लगाई गुहार

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। कश्मीर में कई दलों के नेताओं ने अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता जाहिर की है। बताना होगा कि शब्बीर शाह तिहाड़ जेल में बंद हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, ऑल पार्टीज हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन सहित कश्मीर के तमाम नेताओं ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वह शाह पर नरमी बरते। शब्बीर शाह को जून 2019 में कथित तौर पर आतंकी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पिछले 30 सालों में शाह लंबे वक्त तक जेल में रहे हैं। हाल ही में शाह की जमानत याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था।

परिवार को साथ रहने की इजाजत दे सरकार

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि शब्बीर शाह प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित हैं और उनकी तुरंत सर्जरी होनी है। उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से इस मामले में मानवीय आधार पर दखल देने की अपील की है और कहा है कि शाह के परिवार को उनके पास रहने की इजाजत दी जाए। मीरवाइज उमर फारूक ने जुमे की नमाज के मौके पर श्रीनगर की जामा मस्जिद में दिए अपने संबोधन में शब्बीर शाह को लेकर बात की। जबकि सज्जाद लोन ने केंद्र सरकार से इस मामले में सहानुभूति दिखाने का आग्रह किया है और कहा है कि बीमारियों से जूझ रहे शाह को डॉक्टरी इलाज की जरूरत है। सज्जाद लोन ने कहा कि शाह की उम्र 75 साल से ज्यादा है।

गृह मंत्रालय ने लगा दिया था प्रतिबंध

अक्टूबर 2023 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शब्बीर शाह की अगुवाई वाली जम्मू और कश्मीर डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी (जेकेडीएफपी) पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था और इस पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम भी (यूएपीए) लगाया गया था। गृह मंत्रालय कहा था कि यह संगठन भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल था।

'कांग्रेस की लगातार हो रही हार के जिम्मेदार बड़े नेता'

जीतू पटवारी के बयान से मची सियासी खलबली

हरदा, 21 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के हरदा जिले के करताना में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान आयोजित हुआ। शनिवार को आयोजित हुए इस कार्यक्रम में कांग्रस नेता व पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल हुए। उन्होंने खुले मंच से बड़ा बयान दिया है और कार्यकर्ताओं से खास अपील की है। अपने बयान में उन्होंने कांग्रेस की लगातार हो रही चुनावी हार पर खासा चिंता जताई है।

जीतू पटवारी ने इसके लिए पार्टी के ही बड़े नेताओं को जिम्मेदार ठहराते हुए क्या कुछ कहा आइए जानते हैं। जीतू पटवारी ने पिछले हर चुनाव के नतीजों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, लगातार 5 विधानसभा के चुनाव, लगातार 5 लोकसभा के चुनाव, सारी पंचायतों और नगर निगम के चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी की हार हुई। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी से नेता ही बड़े हो गए थे तो पार्टी हारने लगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस की इसी स्थिति को सुधारने के लिए बड़े नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह निर्णय लिया है कि पीसीसी के अधिकार और शक्ति अब कार्यकर्ताओं को भी सौंपे जाएंगे। हर जिला और ब्लॉक स्तर पर अध्यक्षों का चयन कार्यकर्ताओं से होगा ताकि जमीनी स्तर पर पार्टी मजबूत हो सके। जीतु पटवारी ने इसे कांग्रेस में बदलाव की शुरुआत बताई है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने कहा, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है एक ऐसा व्यक्ति जो पूरी जिंदगी पुलिस का अनुशासन देखा, पूरा प्रशासन कई साल तक राजस्थान पुलिस में मिसाल देखा,

ईरान से तीसरे विमान की लैंडिंग, अब तक 517 भारतीयों की हुई वापसी

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। इजराइल-ईरान के बीच पिछले कुछ समय से तनाव बढ़ गया है। दोनों एक दूसरे पर मिसाइल और ड्रोन दाग रहे हैं। इसी बीच भारत अपने नागरिकों को सुरक्षित ईरान से वापस लेकर आ रहा है। भारत ने अपने नागरिकों को युद्धस्थल ईरान से वापस लाने के लिए ऑपरेशन सिंधु लॉन्च किया है। इस ऑपरेशन के तहत अब तक 517 भारतीय वापस आ चुके हैं। विदेश मंत्रालय की 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान में 10 हजार 765 भारतीय रहते हैं। ऑपरेशन सिंधु के तहत शनिवार 21 जून को ईरान से सुरक्षित भारतीयों की तीसरी फ्लाइट भारत पहुंची है। 117 भारतीय नागरिकों को अश्गाबात, तुर्कमेनिस्तान से देश वापस लाया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ईरान से भारतीयों को वापस लाए जाने की जानकारी देते हुए पोस्ट किया। उन्होंने कहा, अश्गाबात, तुर्कमेनिस्तान से लोगों को लेकर फ्लाइट 21 जून को 03:00 बजे नई दिल्ली में उतरी, जो ईरान से भारतीयों को घर लेकर आई। उन्होंने आगे कहा, ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक ईरान से 517 भारतीय नागरिक भारत लौट आए हैं। इससे कुछ ही घंटे पहले, शुक्रवार (जून 20) की देर रात, एक और फ्लाइट, मशहद, ईरान से, 290 भारतीय छात्रों को भारत लेकर आई है। ईरान से भारत लौटे जफर अब्बास नकवी ने बताया, जब हमले होने लगे तब हमने भारत सरकार से संपर्क किया। कार्रवाई इतनी तेजी से हुई कि हम शब्दों में अपना आभार व्यक्त नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश सीएम योगी आदित्यनाथ को बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं जिन्होंने हमारे लिए सारे इंतजाम किए। ईरान से भारत लौटी जिया कुलसुम ने कहा, ईरान में हम बहुत परेशान हो गए थे, दहशत में थे। सरकार ने हमारा बहुत साथ दिया और सुरक्षित अपने वतन पहुंचा दिया। जानकारी के मुताबिक, ईरान में सबसे ज्यादा तादाद में भारत के जम्मू-कश्मीर के छात्र पढ़ते हैं। इन सभी को भारत वापस लाया गया। जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट एसोसिएशन ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को उन्हें भारत वापस लाने के लिए शुक्रिया अदा किया और उनका आभार जताया। एसोसिएशन ने लिखा, ईरान के मशहद से 290 छात्रों को लेकर महान एयर की फ्लाइट भारत आई, जिनमें से ज्यादातर छात्र जम्मू-कश्मीर से हैं,

'ए बेटा रुक जा, ऐसा न कर' वीडियो कॉल पर मां के सामने ही बेटे ने लगा ली फांसी

मुंबई, 21 जून (एजेंसियां)। 'ए बेटा रुक जा, रुक जा बेटा, पापा दो दिन में मुंबई आएंगे, मत कर बेटा...' एक मां अपने बच्चे से वीडियो कॉल पर गिड़गिड़ा रही थी। रो रही थी। उससे मिन्नतें कर रही थी कि वो अपनी जान न दे...लेकिन बेटा अपनी मां की एक नहीं सुनता है और कमरे में पंखे से फांसी लगाकर जान दे देता है। इस दर्दनाक घटना का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। राजस्थान के जोधपुर में बलदेव नगर है। यहीं का निवासी मृतक मुजाहिद था। हालांकि, मुजाहिद वर्तमान में मुंबई में रहता था। इसी बीच, उसने अपनी मां को वीडियो कॉल किया और उसके सामने ही पंखे पर फंदा लगाकर जान दे दी। हालांकि, मुजाहिद को मां वीडियो कॉल पर ही लगातार समझा रही थी। लेकिन उसने सारी बातों को अनसुना कर दिया। बेटे की मौत से मां सदमे में चली गई है।

दहेज हत्या के मामले में 5 आरोपियों को किया गया था बरी

अपीलीय अदालत ने किया हस्तक्षेप तो एससी ने दे दी नसीहत

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपीलीय अदालतों द्वारा बरी करने के मामले में हस्तक्षेप करने को लेकर टिप्पणी की है और कहा है कि अपीलीय अदालतों को केवल उन दुर्लभ मामलों में हस्तक्षेप करना चाहिए जहां पिछली अदालतों का दृष्टिकोण स्पष्ट न हो या फिर जहां रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य केवल दोष के अपरिहार्य निष्कर्ष पर ही ले जाते हैं। न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने जारी फैसले में कहा, कानून में यह स्पष्ट रूप से स्थापित है कि बरी किए जाने के खिलाफ अपील में हस्तक्षेप केवल तभी किया जाना चाहिए जब निचली अदालत द्वारा लिया गया दृष्टिकोण अलग हो या जब कोई दृष्टिकोण संभव न हो।

क्या है मामला?

दहेज हत्या के एक मामले में आरोपी पांच लोगों को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने रेखांकित किया कि अगर निचली अदालतों के निष्कर्ष उचित रूप से संभव है और सबूतों से समर्थित है, तो अपीलीय हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। अदालत ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए की, जिसमें अपनी बहन के पति और ससुराल वालों को बरी किए जाने को चुनौती दी गई थी, जिन पर दहेज की मांग को लेकर हत्या करने का आरोप था।

कब हुई थी महिला की मौत?

अक्टूबर 2024 में अपने फैसले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता के बहनोई अजीत सिंह और उनके परिवार के चार सदस्यों को याचिकाकर्ता की बहन सुचिता सिंह की मौत के सिलसिले में बरी करने के ट्रायल कोर्ट के 2014 के फैसले को बरकरार रखा था, जिनकी शादी के दो साल से भी कम समय बाद अक्टूबर 2010 में गाजियाबाद में अपने ससुराल में सुचिता सिंह ने आत्महत्या कर ली थी।

वरिष्ठ अधिवक्ता सोनिया माथुर द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि उनकी बहन को दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया था और उसकी मौत लगातार दुर्व्यवहार का परिणाम थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मामले को फिर से खोलने में कोई योग्यता नहीं पाई, यह देखते हुए कि ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट दोनों ने आरोपियों को बरी करने के लिए विस्तृत कारण बताए थे और निष्कर्षों में कोई कानूनी कमी नहीं थी।

अदालत की टिप्पणी

रिकॉर्ड पर मौजूद तथ्यों का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि मृतका के पति अजीत सिंह ने घटना के तुरंत बाद महिला के मायके वालों को सूचित कर दिया था। मृतका के पिता, जो पुलिस उपाधीक्षक थे, उनकी मौजूदगी में जांच की कार्यवाही और दाह संस्कार किया गया। फिर भी जांच के समय कोई संदेह या आपत्ति नहीं जताई गई। अदालत ने कहा कि मामले में एफआईआर मौत के चार दिन बाद दर्ज की गई, जिससे ट्रायल कोर्ट के अनुसार आरोपों की सत्यता पर गंभीर संदेह पैदा होता है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के निष्कर्षों का हवाला देते हुए कहा कि देरी से संकेत मिलता है कि रिपोर्ट में बताई गई कहानी बाद में लिखी गई कहानी के अलावा कुछ नहीं थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
लोग अक्सर ये भूल जाते है की आज जो आपके साथ है वो ही सच्चा सोना है ।

अडलुरी लक्ष्मण ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मंत्रिमंडल के नवनियुक्त सदस्य अडलुरी लक्ष्मण ने शनिवार को सचिवालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक कल्याण और विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण मंत्री का कार्यभार संभाला। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर और वक्ति श्रीहरि ने अडलुरी लक्ष्मण को बधाई दी और अपनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री अडलुरी लक्ष्मण ने कहा कि वे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए काम करेंगे। हाल ही में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी, वक्ति श्रीहरि और अडलुरी लक्ष्मण कुमार को पद दिए गए। वक्ति श्रीहरि को खेल, युवा सेवा और पशुपालन विभाग आवंटित किए गए, जबकि गद्दाम विवेक को श्रम और खान विभाग आवंटित किए गए।

नवीनतम विस्तार के साथ तेलंगाना में कैबिनेट मंत्रियों की संख्या 15 तक पहुंच गई है।

स्कूल बस की चपेट में आने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार की सुबह शहर के उपनगर जगतगिरिगुट्टा में एक स्कूल बस की चपेट में आने से दस वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। जयशीथ चौहान जगथगिरिगुट्टा के ऑल्विन कॉलोनी में अपने घर के पास साइकिल चला रहा था, तभी वह अचानक सड़क पर गिर गया। पुलिस ने बताया कि इलाके में छात्रों को लेने आए एक स्कूल बस के ड्राइवर ने लड़के को कुचल दिया। माता-पिता बच्चे को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जगतगिरिगुट्टा पुलिस ने स्कूल बस के ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

सरकार ने तेलंगाना राजस्व प्रणाली में बड़े बदलाव की पहल की: पोंगुलेटी

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि बीआरएस सरकार के दशक भर के कार्यकाल के दौरान राजस्व प्रणाली में काफी गिरावट आई थी, लेकिन अब इसमें व्यापक सुधार की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना में भूमि से संबंधित लंबित मुद्दों का स्थायी समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से लागू किए गए भू-भारती अधिनियम को अत्यंत कठोरता के साथ लागू किया जा रहा है।

मंत्री ने भू-भारती अधिनियम की शुरुआत के बाद से राजस्व प्रशासन में उल्लेखनीय और सकारात्मक परिवर्तन पर प्रकाश डाला। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने पारदर्शी और जवाबदेह शासन के लिए व्यापक प्रतिबद्धता के साथ 2020 के आरओआर अधिनियम को निरस्त करके किसानों की कठिनाइयों को कम करने के लिए भू-भारती अधिनियम पेश किया है। मंत्री ने आगे कहा कि हाल ही में आयोजित राजस्व सदासुलु, जिसने पिछले एक दशक में किसानों द्वारा अनुभव की गई कठिनाइयों और चुनौतियों को उजागर किया, मुद्दों के समाधान का एक सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इन सदासुलु के तीन चरणों के दौरान भूमि मामलों से संबंधित 10 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। भू-भारती अधिनियम का औपचारिक उद्घाटन 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किया, जिसने राज्य की राजस्व प्रणाली के लिए एक नए युग की शुरुआत की। अधिनियम को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। 17 से 30 अप्रैल तक आयोजित प्रारंभिक चरण में, 4 मंडलों में आयोजित 72 राजस्व सदासुलु के माध्यम से कुल 12,000 आवेदन प्राप्त हुए। 5 मई से शुरू हुए दूसरे चरण में, 28 मंडलों में 414 सदासुलु में

46,000 आवेदन एकत्र किए गए। मंत्री ने बताया कि सदाबैनामा से संबंधित मामलों को छोड़कर, उठाए गए 60 प्रतिशत से अधिक मुद्दों का समाधान किया गया। मंत्री ने कहा कि 3 से 20 जून के बीच 561 मंडलों के 10,239 गांवों में राजस्व सदासुलु आयोजित किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 8 लाख आवेदन प्राप्त हुए। कुल मिलाकर, तीन चरणों में 593 मंडलों में 10,725 राजस्व सदासुलु आयोजित किए गए, जिसमें कुल 8.58 लाख आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने आगे कहा कि जिलेवार, खम्मम जिले से सबसे अधिक 67,000 आवेदन जमा किए गए, उसके बाद भद्राद्री कोठागुडेम से 61,000, वारंगल से 54,000, जयशंकर भूपालपल्ली से 48,000 और नलगोंडा से 42,000 आवेदन जमा किए गए। मंत्री ने कहा कि राजस्व सदासुलु से एक दिन पहले, किसानों को उनके संबंधित गांवों में मुफ्त आवेदन पत्र वितरित किए गए। एमआरओ की देखरेख में विशेष टीमों का गठन किया गया। राजस्व अधिकारियों ने निशुल्क आवेदन एकत्र करने के लिए जनता के बीच जाकर सक्रियता से काम किया और सभी प्रस्तुतियों के लिए रसीदें जारी कीं। उन्होंने आगे बताया कि आज तक 3.27 लाख आवेदन सफलतापूर्वक ऑनलाइन पंजीकृत किए जा चुके हैं और अधिकारियों को शेष आवेदनों के पंजीकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

योग कार्यक्रम में छात्रा बेहोश

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को गाच्चीबावली स्टेडियम में नाश्ता लेने के लिए छात्रों के बीच हुई धक्का-मुक्की में एक छात्रा बेहोश हो गई। कई स्कूलों के छात्र योग कार्यक्रम में भाग लेने के लिए स्टेडियम में उपस्थित थे, जो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद छात्र कार्यक्रम स्थल पर उपलब्ध कराए गए नाश्ते को लेने जा रहे थे। लेकिन स्टेडियम के गेट 2 पर भारी भीड़ के कारण छात्र आपस में धक्का-मुक्की करने लगे और इस दौरान एक छात्रा जमीन पर गिरकर बेहोश हो गई। पुलिस ने लड़की को बचाया और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

इंजीनियरिंग फीस में कोई बदलाव नहीं प्रवेश कार्यक्रम जल्द घोषित होगा

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए इंजीनियरिंग सहित व्यावसायिक कार्यक्रमों के लिए मौजूदा शुल्क संरचना में कोई बदलाव नहीं होगा। इंजीनियरिंग प्रवेश काउंसलिंग कार्यक्रम की घोषणा कुछ ही दिनों में होने वाली है, अधिकारियों ने खुलासा किया है कि सभी व्यावसायिक कार्यक्रमों में प्रवेश मौजूदा शुल्क संरचना के आधार पर होगा। टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रो.वी. बालाकिस्ता रेड्डी ने कहा कि हम नए शुल्क ढांचे पर सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। चूंकि सरकार ने इंजीनियरिंग कार्यक्रमों के लिए मौजूदा शुल्क ढांचे को जारी रखने का फैसला किया है, इसलिए हम कुछ दिनों में प्रवेश कार्यक्रम जारी करेंगे।

सरकार का यह कदम शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से शुरू होने वाली तीन साल की ब्लॉक अवधि के लिए कुछ निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों की नई फीस संरचनाओं में 'असामान्य' वृद्धि के बाद उठाया गया है। प्रस्तावित फीस में कुछ वृद्धि देखने को मिली, जिससे शिक्षा और वित्त विभाग के अधिकारियों में चिंता पैदा हो गई, क्योंकि राज्य की वित्तीय स्थिति पहले से ही खराब है। फीस में कोई भी बढ़ोतरी राज्य की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करेगी, क्योंकि फीस प्रतिपूर्ति बकाया पहले ही 8,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और बढ़ोतरी से सालाना 500 करोड़ रुपये से 800 करोड़ रुपये का बोझ और बढ़ जाएगा।

नियमों के अनुसार, निजी व्यावसायिक कॉलेजों में ट्यूशन फीस तीन साल में एक बार संशोधित की जाती है, जो शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से शुरू होने वाले ब्लॉक तीन साल की अवधि के लिए देय होती है। इस बार सीबीआईटी ने मौजूदा फीस 1.65 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.94 लाख रुपये प्रति वर्ष करने का प्रस्ताव दिया है, जो मौजूदा ट्यूशन फीस से लगभग दोगुना है। वीएनआर वीजेआईईटी ने 1.35 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.84 लाख रुपये प्रति वर्ष करने की मांग की है।

कॉलेजों में सुविधाओं के लिए विचार कर रही सरकार

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य भर के निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में सुविधाओं के निरीक्षण पर विचार कर रही है और निरीक्षण करने के लिए विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रोफेसरों की एक उपसमिति गठित करने की संभावना है। हालांकि, निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों ने सरकार पर 2020 से लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया का मुद्दा उठाने के लिए उन्हें निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने पहले ही फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ तेलंगाना हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस (एफएटीएचआई) का गठन कर लिया है, जिसमें 8,000 करोड़ रुपये का शुल्क बकाया जारी करने की मांग की गई है। निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रबंधन के अनुसार, छह कॉलेज पहले ही फीस बकाया को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं। एक इंजीनियरिंग कॉलेज के मालिक ने बताया कि 100 और कॉलेज इसी मुद्दे पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की योजना बना रहे हैं।

ओआरआर पर कार दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को घटकेसर में आउटर रिंग रोड पर एक कार का पिछला टायर फटने के कारण कार अनियंत्रित हो गई और सड़क के बीच में जा टकराई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

महिंद्रा बोलेरो गाड़ी गांडीपेट से एलबी नगर की ओर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। घाटकेसर पहुंचने पर गाड़ी का पिछला टायर फट गया, जिससे वह बीच से टकराकर पलट गई। दुर्घटना में चालक की पहचान ओडिशा निवासी रवि कुमार के रूप में हुई है, जो गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कृष्णा नामक एक यात्री भी दुर्घटना में घायल हो गया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए गांधी अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने पर घाटकेसर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

केटीआर ने ऑक्सफोर्ड में पेश की तेलंगाना के विकास की कहानी

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विकास मॉडल को पूर्व मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने शनिवार को ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में ऑक्सफोर्ड इंडिया फोरम को संबोधित करते हुए एक बार फिर वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया। रामाराव ने 2014 में राज्य के गठन के बाद से राज्य में हुए तीव्र परिवर्तन पर एक केस स्टडी प्रस्तुत की। शासकीय नवाचार- 'एक तेलंगाना केस स्टडी' विषय के अंतर्गत, उन्होंने आर्थिक विकास, कल्याण और नवाचार में प्रमुख मील के पत्थरों पर प्रकाश डाला, जिसने तेलंगाना को अन्य राज्यों और विकासशील क्षेत्रों के लिए एक मॉडल के रूप में स्थापित किया है। तेलंगाना को 'स्वतंत्र भारत का सबसे सफल स्टार्टअप राज्य' बताते हुए उन्होंने कहा कि इसका गठन दशकों के शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक संघर्ष का परिणाम है। महज़ एक दशक से भी कम समय में, तेलंगाना आकांक्षा से उपलब्धि की ओर बढ़ गया है, राष्ट्रीय आर्थिक रैंकिंग में 12वें स्थान से उठकर कृषि, उद्योग और प्रौद्योगिकी में अग्रणी बन गया है।

राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 15 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जबकि प्रति व्यक्ति आय 1.12 लाख रुपये से बढ़कर 3.57 लाख रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की कहानी संख्याओं से परे है- यह बहाल गरिमा, सशक्त नागरिक और एक लचीले समाज का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने जिन ऐतिहासिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, उनमें कालेश्वरम परियोजना शामिल थी- दुनिया की सबसे बड़ी लिफ्ट सिंचाई परियोजना- जो रिकॉर्ड चार वर्षों में पूरी हुई। इसने सिंचाई में क्रांति ला दी और तेलंगाना को अंतर्देशीय मत्स्य पालन में शीर्ष राज्य बना दिया। उन्होंने राज्य द्वारा एक करोड़ घरों के लिए 100 प्रतिशत सुरक्षित पेयजल कवरेज हासिल करने और फ्लोरोसिस उन्मूलन की ओर भी इशारा किया।

आर्थिक मोर्चे पर, केटी रामा राव केटीआर ने हैदराबाद के वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में उभरने को प्रदर्शित किया, जिसमें अमेज़ॅन जैसी कंपनियों के दुनिया के सबसे बड़े परिसरों की मेजबानी की गई और टी-हब, दुनिया का सबसे बड़ा नवाचार परिसर है जो हजारों स्टार्ट-अप का समर्थन करता है। तेलंगाना का फार्मास्युटिकल क्षेत्र अब वैश्विक टीकों का एक तिहाई उत्पादन करता है, जो जीवन विज्ञान में इसके नेतृत्व को मजबूत करता है। उन्होंने टीएस-आईपास नीति की प्रभावशीलता को रेखांकित किया, जो 15 दिनों के भीतर औद्योगिक मंजूरी की गारंटी देता है और तेलंगाना को नीति आयोग के व्यापार सुगमता सूचकांक में शीर्ष स्थान हासिल करने में मदद करता है।

रामा राव ने परिवर्तनकारी रैतु बंधु योजना के बारे में भी बात की, जिसने 70 लाख किसानों को सीधे 9 बिलियन डॉलर हस्तांतरित किए हैं, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। एक दशक के भीतर धान का उत्पादन 68 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 3 करोड़ टन हो गया। उन्होंने तेलंगाना की सफलता का श्रेय प्रक्रिया-संचालित शासन को दिया, जिसने व्यक्तित्व-संचालित प्रणालियों की जगह पारदर्शी, जवाबदेह संस्थानों को स्थापित किया। अपनी व्यक्तिगत यात्रा पर विचार करते हुए, उन्होंने साझा किया कि कैसे उन्होंने के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य के आंदोलन में शामिल होने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में एक आशाजनक कैरियर छोड़ दिया, राजनीति को सामाजिक परिवर्तन के लिए एक कठिन लेकिन संतोषजनक मार्ग बताया।

तेलंगाना के विकास मॉडल को अन्यत्र दोहराने के बारे में उन्होंने दूरदर्शी नेतृत्व और सहकारी संघवाद के महत्व पर जोर दिया और केंद्र सरकार से राज्यों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। रामा राव ने केवल जनसंख्या के आधार पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से निर्धारित करने के कदम की भी आलोचना की और कहा कि यह तेलंगाना जैसे दक्षिणी राज्यों को जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए अनुचित रूप से दंडित करेगा। उन्होंने समान प्रतिनिधित्व के लिए जीडीपी-आधारित सूत्र का प्रस्ताव रखा।

मुख्यमंत्री बनने पर अपनी प्राथमिकताओं के बारे में पूछे जाने पर, रामा राव ने कहा कि वे सतत आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और कमज़ोर समुदायों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करेंगे, तथा प्रगति के साथ करुणा को संतुलित करेंगे। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी के बारे में, उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को एक ऐतिहासिक सुधार बताया, लेकिन भारत से उच्च लक्ष्य रखने का आग्रह किया, उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व से राष्ट्रीय प्रगति में तेज़ी आएगी। अपने संबोधन के समापन पर उन्होंने ऑक्सफोर्ड जैसी वैश्विक संस्थाओं को तेलंगाना के साथ मिलकर नवाचार और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, भारत भविष्य है और तेलंगाना इसकी कहानी बताना जारी रखेगा।

एससीआर ने 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने शनिवार को सिकंदराबाद के रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्पप्लेक्स के इनडोर स्टेडियम में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन मुख्य अतिथि थे। एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी, अन्य प्रमुख विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी, आरपीएफ कर्मी और स्काउट्स एंड गाइड्स स्वयंसेवकों ने भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम को एससीआर के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम भी किया गया ताकि जोन के अन्य लोग वर्चुअल मोड के माध्यम से इसे देख सकें और इसमें भाग ले सकें। इस अवसर पर बोलते हुए, एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि योग जीवन जीने का एक तरीका है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और आंतरिक शांति प्राप्त करने के लिए इसका नियमित अभ्यास किया जाना चाहिए। उन्होंने आज के योग सत्र का संचालन करने और तनाव मुक्त जीवन जीने के बारे में अपने बहुमूल्य विचार साझा करने के लिए प्रसिद्ध योग शिक्षक मुरारी मोहन की सराहना की। हैदराबाद स्थित आर्ट ऑफ लिविंग सोसाइटी के प्रसिद्ध योग शिक्षक और राज्य समन्वयक मुरारी मोहन ने आसन, प्राणायाम, ध्यान और संकल्प आदि के साथ सत्र का संचालन किया। मुरारी मोहन ने योग अभ्यास के लाभों को साझा किया। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम का एक रूप नहीं है, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के पूर्ण सामंजस्य की ओर ले जाने वाला मार्ग है। उन्होंने स्टाफ सदस्यों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से योग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले, महाप्रबंधक और अन्य लोगों ने विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में आयोजित IYD-2025 की लाइव स्ट्रीमिंग देखी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए और योग उत्साही लोगों की बड़ी सभा को संबोधित किया।

साइबराबाद पुलिस परेड ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर साइबराबाद सीएआर मुख्यालय परेड ग्राउंड में एक विशेष योग सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात डॉ. गजराव भूपाल ने प्रमुख रूप से भाग लिया। यह सत्र आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें निर्देशित योग अभ्यासों के माध्यम से पुलिस कर्मियों के बीच शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया गया। इस पहल का उद्देश्य फिटनेस को बढ़ाना, तनाव को कम करना और बल के समग्र स्वास्थ्य में सुधार करना है। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने विभिन्न रैंकों के 350 पुलिस कर्मियों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में सीएआर मुख्यालय के डीसीपी संजीव, एडीसीपी शमीर, आर्ट ऑफ लिविंग के स्वयंसेवक श्रीनिवासन, वेंकट, श्वेता, श्रवण, होमगार्ड प्रभारी एसीपी इंद्रवर्धन, सीएआर मुख्यालय के एसीपी अरुण, रिजर्व इंस्पेक्टर लवकुमार, नागराजू रेड्डी, वीरलिंगम, हिमाकर, जंगैया, प्रशांत बाबू और अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

मेयर ने 6 लाख रुपये का अनुग्रह चेक दिया

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने शनिवार को आग दुर्घटना में मारे गए पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को 6 लाख रुपये का अनुग्रह चेक सौंपा। ज्ञात हो कि 16 अप्रैल 2023 को कुशाईगुड़ा कट्टेला मंडी में आग लग गई थी और साई नगर कॉलोनी में भीषण आग लग गई थी, जिसमें बगल में रहने वाले रत्नेनी नरेश, उनकी पत्नी रत्नेनी सुमा और बेटे रत्नेनी जोशीत की मौत हो गई थी। पीड़ित परिवार को 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने के मद्देनजर, मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर जीएचएमसी मुख्यालय में पीड़ित के परिवार के सदस्यों को 6 लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले कांग्रेस उम्मीदवारों ने पेश किया दावा

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव के संबंध में औपचारिक घोषणा होने से पहले ही कांग्रेस के उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा और जोरदार पैरवी शुरू कर दी है, जिससे पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेद शुरू हो गए हैं। बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ के 8 जून को निधन के बाद उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था। हालांकि उपचुनाव कराना अपरिहार्य है, लेकिन तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने कहा कि भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने जुबली हिल्स के लिए कार्यक्रम पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने देश भर में तीन अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनावों के लिए पहले ही अधिसूचना जारी कर दी है तथा जुबली हिल्स के लिए अधिसूचना जारी होने में अधिक समय लग सकता है। देरी के बावजूद, कांग्रेस के उम्मीदवारों ने पार्टी टिकट हासिल करने के लिए अपनी कोशिशें तेज़ कर दी हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने पहले ही चुनाव लड़ने की अपनी मंशा जाहिर कर दी है, उन्होंने कहा कि उन्हें एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी और एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन का आशीर्वाद प्राप्त है। अज़हरुद्दीन ने 2023 के विधानसभा चुनाव में जुबली हिल्स से चुनाव लड़ा था, लेकिन बीआरएस उम्मीदवार मगंती गोपीनाथ से 16,337 वोटों के अंतर से हार गए थे।

इसी चुनाव में एआईएमआईएम ने मोहम्मद राशिद फ़राज़ुद्दीन को अपना उम्मीदवार बनाया था। हालांकि, अभी तक इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि एआईएमआईएम उपचुनाव लड़ेगी या नहीं, खास तौर पर कांग्रेस के साथ गठबंधन के बाद। इन राजनीतिक समीकरणों के बीच, अन्य उम्मीदवार भी मैदान में हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी के उपाध्यक्ष मोहम्मद फहीमुद्दीन कुरैशी, जिन्हें मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का करीबी माना जाता है, भी टिकट मांग सकते हैं। इसके अलावा, जीएचएमसी पार्षद पी विजया रेड्डी, जो पूर्व सीएलपी नेता और जुबली हिल्स विधायक पी जनार्दन रेड्डी की बेटी हैं, कथित तौर पर अपनी संभावनाओं को तलाश रही हैं।

पूर्व तट रेलवे
सामग्रियों की आपूर्ति
निविदा सं. 30255876, दिनांक: 13.06.2025
कार्य का नाम : मात्रा : 10 संख्यक DC AXIAL FAN, BHEL पार्ट नं. TI0668103361.
मात्रा : 02 संख्यक पावर मॉड्यूल टू BHEL पार्ट नं. ED68817WC1AA, [वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने]। TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण।
द्रष्टव्य : सामग्री 90 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 07.07.2025 को 1500 बजे।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-263/Q/25-26

आध्यात्म और संस्कृति का द्योतक : रथ यात्रा

अतुल कुमार

भारतीय आध्यात्म के प्रमुख पर्वों में " रथ यात्रा " एक उत्सवपूर्ण पर्व है जिसमें भक्तों द्वारा आस्था श्रद्धा और समर्पित भाव से रथ को खींचने को शुभ और सौभाग्य पूर्ण माना गया . दर असल यह सांस्कृतिक ,सामाजिक , और समता भाव का पर्व है . जिसमें भाई चारे ,एक जुटता , और समन्वय का श्रेष्ठ रूप प्रदर्शित होता है . भगवान (कृष्ण) जगन्नाथ ने मनुष्य के मेल मिलाप ,बंधुत्व और सह्रदयी होने को ज़रूरी माना . सामाजिक भावना का ढांचा इसी मंत्र का ही तो भाग है . कितनी अद्भुत गहराई तक आध्यात्म ने मनुष्य की पूरी सोच संस्कार और सहयोग को परिभाषित किया . सोचिये ! जो भक्त किन्हीं कारणों से प्रभु दर्शन के लिये देवालय नहीं जा सकते उनको दर्शन देने स्वयं प्रभु साल में एक बार नगर भ्रमण के लिये निकलते हैं और अपने भक्तों को दर्शन दे उपकृत करते हैं . यह प्राचीन परंपरा है जिसमें लाखों भक्त शामिल हो ईश्वर के प्रति अपना श्रद्धा भाव व्यक्त करते हैं . अतः कहा भी गया है कि " रथ की रस्सी को थामेंगे हमारे यह दोनों हाथ / हमारे जीवन की रस्सी को थामें भगवान जगन्नाथ // "

रथ यात्रा भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना का एक रूप है . हर साल इस यात्रा की शुरुआत आषाढ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथी से होती है . अगले 9 दिनों तक रथ यात्रा के इस उत्सव को मनाया जाता है. शास्त्रों के अनुसार रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने से साधक के सभी दुख दूर होते हैं साथ ही मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है .रथ यात्रा के दौरान जो झांकियां प्रस्तुत की जाती हैं वह मनुष्य जीवन के सुखी स्वस्थ और समृद्ध शील होने से संबंधित होती हैं .जैसे योग से जुडे आसन , देह का बलिष्ठ होना , नृत्य ,संगीत ,गायन संगीत वादन और पठन - पाठन आदि . पर्यावरण की सुरक्षा, जल संरक्षण , सात्विक भोजन , तथा पूरी कुदरत की देखभाल इत्यादि इसमें शामिल होते हैं. . वास्तव में रथ यात्रा पूरे मानवीय उत्थान की द्योतक होती है जिसमें भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों को रहन -सहन के भूलते रास्तों पर लौटने का संदेश देते हैं .

रथ यात्रा मेल मिलाप , आपसी बातचीत , और इंसानों के बीच सौहाद्र्पूर्ण व्यवहार को प्रदर्शित करती है .आज के डिजिटल रह गये रिश्तों में जब संवादहीनता , संवेदनहीनता ,और एक दूसरे की पूछ परख खत्म हो रही है तब रथ यात्रा की महत्ता, और मर्म अधिक दिखायी देते है . पुराणों के अनुसार बहन सुभद्रा के नगर भ्रमण की इच्छा को पूरा करने के लिये बडे भाई बलराम और भगवान जगन्नाथ ने बहन की इच्छा को पूरा करने के लिये यह यात्रा की . भाई बहन के अटूट रिश्ते और स्नेह की दिल को छूने वाली यह मिसाल नहीं तो और क्या है !

आज जब रिश्तों की वैल्यू डिजिटल परिधि तक सीमित हो रही है तब रथ यात्रा और व्यापक रूप में अपने मायनों को दर्शाती है .

इस बार जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून से शुरु हो 5 जुलाई तक चलेगी .हर युग में ईश्वर ने अलग अलग रूपों में अवतार लिया सभी अवतारों में एक भगवान जगन्नाथ का ऐसा अवतार है जिसमें सिर्फ उनकी बडी बडी आंखें दिखायी देती हैं ताकि अपने हर भक्त को वह देख सकें और उनको दर्शन दे सकें .रथ यात्रा में तीन रथ होते हैं . पहला बलराम जी का जिसे " ताल ध्वज " कहते हैं जिसका रंग लाल और हरा होता है . दूसरा देवी सुभद्रा का जिसको " पद्म रथ " कहते हैं जो नीले , या काले और लाल रंग का होता है . तीसरा रथ भगवान जगन्नाथ का होता है जिसको " नंदी घोष " या " गरुड ध्वज " कहा जाता हैं जिसका रंग लाल और पीला होता है .

शास्त्रानुसार रथ यात्रा के 15 दिन पूर्व भगवान जगन्नाथ को 108 कलशों से शाही स्नान करवाया जाता है जिसके चलते वह बीमार पड जाते हैं तब उन्हें 15 दिनों के लिये अलग कक्ष में सुलाया जाता है जिसे ओसर घर कहते हैं इस अवधि में महाप्रभु को केवल मंदिर के प्रमुख सेवकों और वैद्यों के अलावा कोई और नहीं देख सकता .15 दिन बाद भगवान स्वस्थ हो कक्ष से बाहर निकल भक्तों को दर्शन देते हैं . इसके बाद महाप्रभु अपने बडे भाई बलराम जी और बहन सुभद्रा को ले राज मार्ग पर आते हैं और रथ पर नगर भ्रमण के लिये निकलते हैं . यह भी मान्यता है कि भगवान अपनी प्रजा का हालचाल पूछने के लिये यात्रा करते हैं . रथ यात्रा के आरंभ होने पर राजाओं – महाराजाओं और उनके वंशजों द्वारा भगवान जगन्नाथ के रथ के सामने सोने की झाडू से झाडू लगायी जाती हैं ताकि राज मार्ग स्वच्छ रहे .

यह पर्व इंसान को जडों से जोडे रखता है ताकि वह दिखावे , बड बोलेपन , डींग हांकने , आपा खोने , चुगली करने की टेंडेंसी से बचे अपनी ज़मीन को न भूले और विनम्रता को धारण कर संस्कार और सामाजिक समरसता की पहचान को कायम रखे यात्रा लोगों को एक दूसरे के करीब ला उनको आध्यात्मिक आनंद प्रदान करती है . यह पर्व दुनिया भर में मनाया जाता है लेकिन सबसे प्रसिद्ध बडा उत्सव पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में मनाया जाता है .यात्रा के दौरान लोग नाचते गाते और नृत्य करते हुए अपने को भगवान को समर्पित करते हैं . बताया जाता है कि रथ को बनाने में किसी प्रकार की कील या अन्य कांटेदार चीज़ों का प्रयोग नहीं होता है .रथ का निर्माण अक्षय तृतीया के दिन से शुरु होता है .

पुराणों के अनुसार प्राचीन काल में इन मूर्तियों को बनाने का काम विश्वकर्मा जी कर रहे थे उनकी यह शर्त थी कि जब तक मूर्तियों को बनाने का काम पूरा नहीं होता तब तक उनके कक्ष में कोई भी प्रवेश न करे .लेकिन राजा ने उनके कक्ष का दरवाज़ा खोल दिया तो विश्वकर्मा जी ने मूर्तियों को बनाना बीच में ही छोड दिया .तब से मूर्तियां अधूरी रह गयीं .आज भी उन्हीं की पूजा की जाती है . जगन्नाथ जी का रथ 16 पहियों से बना होता है . रथ का आकार बडा होता है . जिस पर हनुमान जी और नृसिंह भगवान के प्रतीक चिन्ह अंकित होते हैं .

दर असल यह यात्रा आस्था और विश्वास का प्रतीक है . रथ की मोटी रस्सी को खींचते समय साधक जय जगन्नाथ का जय घोष करते हैं .

s वास्तव में यह पूरे जगत के जगन्नाथ की स्तुति है . कहा भी गया है " जिनकी दृष्टि से त्रिभुवन सनाथ ,वो जग के मालिक जग के नाथ ,फैलाकर आज अपने दोनों हाथ ,आए अपनाने हमें स्वयं जगन्नाथ "

काव्य कुंज

क्या प्यार एक एहसास

संजुला सिंह
जमशेदपुर

कौन कहता है कि प्यार
सिर्फ एक एहसास होता है,
प्यार सिर्फ एक एहसास
हो ही नहीं सकता ; ये तो
रोजाना की देखभाल, इज्जत,
जिम्मेदारी, फिक्र, और एहसास
इन सब को मिलाकर बुना गया
एक सुहाना सफर होता है; जहां
ना हम अकेले होते हैं, ना
वो अकेला होता है-----------
जहां ३मैं३ की राग मिट कर ३हम३
की राग बन जाता है, जहां हम
दूर होते हुए भी हरपल
एक दूसरे के पास होते हैं ,
जहां हमारे ह्रदय की
धड़कन तक एक होती हैं ।
प्यार में कभी एकांकी करण
महसूस हो ही नहीं सकता,
और जहां एकांकी करण
महसूस होने लगे तो मतलब
तुम्हारा प्यार बिक चुका है,
अब वो तुम्हारा रहा ही नहीं
जो पहले कभी तुम्हारा
सिर्फ तुम्हारा हुआ करता था
अब वो किसी और का हो चुका है,
क्यूंकि जिस प्यार में एहसास,इज्जत,
चिन्ता,फिकर नहीं वो प्यार ___ प्यार नहीं ।

अंतरिक्ष में शुभांशु शुक्ला

कुमुद बाला,
हैदराबाद

पहले राकेश शर्मा और अब ,
शुभांशु शुक्ला की बारी है,
मंगल-चंद्र घूम लिये अब अंतरिक्ष,
खँगालने की तैयारी है।।
गत वर्ष चंद्रयान संग मेदिनी ने ,
चंदा को राखी भेजी थी
मंगल पर भी नासा ने कई ,
भाषाओं की सीडी भेजी थी
अध्ययन नौ ग्रहोंके करनेका,
आज विचार रखता है मानव
इसरो ने भी नासा से उन्नत ,
परीक्षण की सीडी भेजी थी
इसरो अब है बहुत उन्नत ,
देश वैज्ञानिकों का आभारी है,
पहले राकेश शर्मा और अब , शुभांशु शुक्ला की बारी है,
मंगल-चंद्र घूम लिये अब अंतरिक्ष, खँगालने की तैयारी है।।
ब्रम्हास्त्र से लेकर राफेल के अंग , भी देश में बनते हैं,
उन्नत तकनीक के सैटेलाइट भी , अब देश में बनते है,
युद्धपोत और बेहतरीन पनडुब्बी , अब देश में बनते हैं,
अब तो एलन मस्क भी अपने,भारत के गुणों को गुनते हैं,
बहुत जल्द मानवयान भेजने की बात,इसरो ने स्वीकारी है
पहले राकेश शर्मा और अब , शुभांशु शुक्ला की बारी है,
मंगल- चंद्र घूम लिये अब अंतरिक्ष , खँगालने की तैयारी है।।
तपस्वियों ने सबसे पहले , धरती - गगन की दूरी नापी थी
सूर्य का पृथ्वी लगाती चक्कर , इसकी भी परिधि आंकी थी
महत्व शून्य का भारत ने ही,विश्व को सबसे पहले बताया था
फोन,रेडियो व बिजली का विज्ञान , भारत ने ही सुझाया था
हर क्षेत्र में उन्नत देश है भारत , सुवर्ण रंगिणि मनोहारी है
पहले राकेश शर्मा और अब , शुभांशु शुक्ला की बारी है,
मंगल-चंद्र घूम लिये अब अंतरिक्ष, खँगालने की तैयारी है।।

हम तुम्हें देख कर गीत गाते रहे

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

हम तुम्हें देख कर गीत गाते रहे।
तुम हर रात सपनों में आते रहे ।।
खिलता कमल सा सौंदर्य तुम्हारा,
जो एकटक हमने जब भी निहारा,
समझकर, नासमझ बने रहे तुम तो
जैसे ताल की ठहरी हुई धारा,
नैन से तीर तो तुम चलाते रहे।
हम तुम्हें देख कर गीत गाते रहे।
तुम हर रात सपनों में आते रहे ।।
दुख के हावभाव प्यार का सहारा
खामोश लब का फिर क्यों हो नजारा,
पात पर शबनम बूँद जो दिख जाये
मचल उठे तब तो अरमान हमारा,
व्यथित भाव हम तो फिर छिपाते रहे।
हम तुम्हें देख कर गीत गाते रहे।
तुम हर रात सपनों में आते रहे ।।
हवा में तुम्हारी जुल्फ लहराती,
देखो तो मौसम हुआ खुरापाती,
तुम्हारे ख्यालों से भरे हुए हम
कैसी दिवानी जवानी की बाती,
तस्वीर से ही दिल बहलाते रहे।
हम तुम्हें देख कर गीत गाते रहे।
तुम हर रात सपनों में आते रहे ।।

सहरा है जिन्दगी

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

रुकती नहीं जिन्दगी
चाहे कितने तूफान आए।
सहरा हो या सागर
आदमी तो बढ़ता ही जाए।
रेगिस्तान हो या मरुस्थल।
जीवन चलता है बिन जल।
जलती धूप में चलता जाता,
ये कुदरत का है देखो छल।
सागर में जिंदगी जहाज पर।
घर में जिंदगी राज पर।
ऊंट रेगिस्तान की सवारी है।
जलती बलती चले साज पर।
जीवन कब रुका है जो रुकेगा।
मंजिल पे पहुंच कर ही थमेगा।
देखलो भीड़ हर जगह पर है।
कायनात को कौन भला टोकेगा।
जल थल मरुस्थल और वायु।
इसमें गुजरे जिंदगी और आयु।
मोटर जहाज वायुयान और पैदल,
शरीर चले जब स्वस्थ रहे स्नायु।
बेहद प्रबल है प्रकृति की माया।
कोई न इससे बच पाया।
सांस है जब तक की हाय हाय।
मौत से कब कौन बच पाया।
सबको सब मालूम है फिर भी,
खजाने जमा करते रहते हैं।
बुढ़ापे को भूलकर सभी,
जवानी में पाप करते रहते हैं।

जब जरूरत पड़ी दुआओं की

संजीव ठाकुर,
रायपुर

शान बढ़ जाती है वफाओं की
देख कर नाजुकी अदाओं की।
जल रहा चराग तूफान में भी
उसे ताकत मिली हवाओं की।
आई याद मां के स्नेहिल प्यार की
जब-जब जरूरत पड़ी दुआओं की।
गर्म तासीर खूब देखी जमाने की
और ठंडी तासीर तेरी सदाओं की।
परिंदों ने चुपके कही दास्तां कानों में
पंखों से नहीं उड़ान ऊंची हौसलों की।
जब रहा सर पर साया मां का संजीव
जरूरत नहीं पड़ी कभी दवाओं की।

तकरार

कमलेश झा

जब दिलों में बात रह जाती है,
सिर्फ आँखों से बरसात बह जाती है ।
तकरार की वो छोटी सी चिंगारी,
कभी-कभी रिश्तों को राख कर जाती है।
शब्दों की तलवार जब चल जाती है ,
मौन की पीड़ा कहर बन गिर जाती है ।
अगर बातों को समझ के कसौटी पर तोली जाती,
तो हर तकरार भी नई सिख दिला जाती है।
कभी बातें उलझन भरी होती ,
तो कभी खामोशी में भी तकरार होती ।
रिश्तों की डोर जब कस जाती ,
तो कभी हर मुस्कान भी बीमार सी लगती ।
जब कोई नहीं समझता चुप्पी को,
मैं क्यों सुनाऊं अपनी सिसकी को।
कहने को बहुत कुछ है हमारे पास,
फिर भी दिल को एक कोने रख मन रहता है उदास।
छोटी-सी बात जब दिल को चुभ जाती ,
तो तकरार बनकर जुबां पर आ जाती ।
एक पल का गुस्सा, बरसों की दूरी,
रिश्तों में आ जाती है अनकही मजबूरी।
पर क्या हर तकरार दुश्मनी होती है?
या कहीं दिल की गहराई होती है?
जो अपने होते हैं, वही तो उलझाते हैं,
पर अंत में गले भी वही लग जाते हैं।
चलो तोड़ो ये तकरार की दीवार,
फिर से करें हम प्यार का इज़हार।
क्योंकि रिश्तों को मजबूत करती तकरार ,
जो अंत में बढ़ा दे रिश्तों का आधार।

कसूर उनका नहीं...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

मेरे सिर पे ये इक इल्ज़ाम ही तो है
आशिकी मेरा नाम
बदनाम ही तो है
सब पूछा करते हैं
मेरी खैरियत मुझसे
मोहब्बत में मेरा नाम
बदनाम ही तो है
बन अंजान, लक्ष्मण रेखा क्रोस करना
उनको मगरूर आ गया
कसूर उनका नहीं, हमारा ही तो है
हमारी चाहत ही इतनी थी
कि उनको गुरूर आ गया
मेरा समय तो मुझसे रूठा है
धूप भी जिद में अड़ न जाए कहीं
यादों की बस्ती धुंधली पड़ गई
दिल की बस्ती उजड़ न जाए कहीं
जो भी हो विघ्न,
रौंद कर दूर चले जाएं
लेकिन
एक तो मौसम हरजाई
दूसरी बेवक्ते बेचैनियां
उनको तकब्बुर आ गया
कसूर उनका नहीं...
आज फिर भींग गए लम्हें तेरी यादों से
संभल नहीं रहा दिल बीते जज़्बातों से
वह जो आज नहीं पास मेरे यहां वहां
जाने क्यों याद आ रहा अपनी बातों से
एक फितूर सी है दीवानगी
लगता मेरा हुजूर आ गया
कसूर उनका नहीं...

कल तक

सुधीर केवलिया

जो हंसते खेलते
चलते फिरते चेहरे
योग्यता से उत्साहित थे
छूने को ऊंचाइयां
आसमान की
फंसकर क्रूर चाल में समय की
मिटाकर नामोनिशान अपना
एक पल में कैद हो गए हैं
तस्वीरों में हमेशा के लिए
बसाकर खुद को असमय
यादों में अपनों की
गतिशील समय बलवान है
छोड़ गया है अपने निशान
टूटते परिवार , सपने , उम्मीदें
दर्दभरी पसरी खामोशी
शून्य में ताकती निराश आँखें
उन अपनों की.........

हादसों का मंजर

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

किस मनहूसियत का साया है?
किस कमबख्त की नज़र लगी है?
ये कैसा हादसों का मंजर है?
ये किसने भारत मां को रुलाया है?
अभी सिंदूर की आग ठंडी नहीं पड़ी,
और आसमां में अंगारे उठ गये,
धुएं के गुबार में फंसे,
न जाने कितने इंसा पिंजर में तब्दील हो गये!
क्या खबर थी कि ऐसा,
दर्दनाक वाकिया हो जायेगा,
खेल खेल में ही एक,
खौफनाक मंज़र उभर आयेगा।
हे प्रभु, हे सृष्टि रचयिता,
ये कैसा खेल है?
ये कैसा दो दिन का मेल है?
रेत पर बने महल जैसा इंसा,
न जाने कब धराशाई हो जायेगा?
कभी मिलन तो कभी जुदाई ने रुलाया है,
कहीं मरहम, तो कहीं,
गहरे घावों का सरमाया है।।
दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए,
आओ हम सब एक दीप जलायें,
हमारा राष्ट्र, हमारे स्वजन सुरक्षित रहें,
ऐसा एक अनुष्ठान करायें।

एक अंजान देह

डॉ डी डी देसाई

एक अनजान जर्जर देह
चौराहे पर मुरछित पड़ा था।
संवेदनाहीन जन सागर
आँखें गाड़े खड़ा था।
चिथड़ों से अध ढका शरीर...
सूख के काँटा हुआ था।
धमनियों में शायद लहू जम गया हो,
आँखें सूखे कुएँ की तरह धस गयी थी।
जिन परेशानियों से टूट चुके थे कंधे,
शायद बोझ से मुक्त हुए थे।
उम्र अभी जीवन की ढलान पर नहीं थी,
पर भुकमरी ने बुढ़ापे के निशान छोड़े है।
न कोई अपना...न कोई पराया...
जीवन बंजारा मुल्क भर भटकता रहा है।
न कभी रोटी नसीब हुई...न कपड़ा बदन पर,
भिकमंगी नस्ल का प्रतिनिधि रहा है।
ऐसा नहीं कि...देश गरीब है...
संपन्न परिवारों की नस्ल भरी पड़ी है।
जो खाते कम और फेंकते जादा है...।
जिनकी तशतरी आधी और कूड़ेदान भरे पड़े है।
पर हमें न भूखे पेट दिखे.... न नंगे देह,
बस झूठी शान और हैसियत उठाने में लगे है।
इसी सोच का मारा एक और देह...
इस जहान से रुक्सत हुआ है।
न जाने कितने दिनों का भूखा था बेचारा,
और भीड़ ने कहा...कुछ खा के मर गया है।

विद्या की देवी

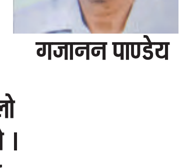

गजानन पाण्डेय

मैं बालक तू मेरी माता
तुझसे है मां प्रेम का नाता
तू विद्या की देवी है
हम बालक अज्ञानी हैं ।
मोह - माया ने मन को घेरा
पथ न सूझे मुझको मेरा
भव - बंधन मैं तोड़ चुका हूं
तेरे द्वारे आन पड़ा हूं ।
मुझको अपनी शरण में ले लो
ज्ञान मार्ग का पथ दिखला दो ।
मन में आशा का दीप जला दो
सत्य मार्ग का बोध करा दो ।

ना पूछो उनका पता हो गए लापता..

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

इंद्रायणी नदी में देखने आए नजारा,
ना पूछो उनका पता हो गए लापता।
पुणे के मावल - कुंडमाला इलाके में,
हादसा कईयों को बहा गया घापे में।
यहाँ तीस साल पुराना पुल ढह गया,
सौभाग्शाली रहा जो ज़िन्दा रह गया।
इंद्रायणी नदी में देखने आए नजारा,
ना पूछो उनका पता हो गए लापता।
भारी बारिश एवं तेज था जल प्रवाह,
वीडियो बनानेवाले बनते खुदागवाह।
उस वक्त 100 लोग पुल पर मौजूद,
क्या? पता इनमें किसका रहा वजूद।
इंद्रायणी नदी में देखने आए नजारा,
ना पूछो उनका पता हो गए लापता।
जर्जर पुल पे ही क्यों वीकेंड मनाना,
शासन ने बंद रखा यहां आना-जाना।
30साल पुराना लोहा कितना चलता,
नदी का बहाव हर साल खूब गलता।

अभ्युदय के पथ पर भारत

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

भारत से कोई नहीं होता आहत,
भारत से ही मिलें सभी को राहत,
भारत आज दुनियाभर की चाहत,
भारत अभ्युदय पथ पर अग्रसरित,
भारत विश्वशांतिपथानुगामी में रत,
भारत भाग्य विधाता सभी का सत,
भारत मानवता के पथ पर प्रयासरत,
भारत अस्त्र-शस्त्र शास्त्र से सुसज्जित,
भारत रहेगा तो मानो सभी रहेंगे सुरक्षित
भारत अभ्युदय के पथ पर बढ़े अनवरत ।
भारत को छेड़ा तो समझो आगई आफत,
भारत में ही है सर्वधर्मसमभाव सुशोभित,
भारत में अनेक भाषा-वेश-भूषा संवर्धित,
भारत की आन-बान-शान-पहचान हिंदुत्व,
भारत भारतीय भारतीयता ही है विशेषित।

पिता का संदेश

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

अबकी बार जब पीहर आना,
प्रेम पिटारा साथ ले आना
थोड़ा ज्यादा समय भी लाना।
इधर-उधर कुछ घूमेंगे खाना पीना खाएंगे
अकेले में जी घबराता है ।
समय नहीं कट पाता है।
तुम्हारी माँ और मैंने मिलकर
एक लंबी लिस्ट बनायी है,
बच्चों सी चमकती
आभा आंखों में सजायी है ।
आते ही तुम्हारे पास,
यह लिस्ट तुम्हें थमाना है,
सोच सोच कर मेरा दिल,
खुशियों से भर आया है।
... अभी अभी एक संदेश है आया,
बिटिया ने है कहलाया,
"पापा जरा सी दिक्कत है
आना जरा सा मुश्किल है ।
अगली बार मैं आऊंगी
समय साथ भी लाऊंगी,
मस्ती खूब क्ररेंगे हम,
पुराने एलबम देख खुश हो लेंगे,
पिक्चरें तब की देखेंगे
चाय पकौडे की फरमाईश कर
माँ को खूब सतायेंगे ।
रखना आप ख्याल अपना,
माँ को भी आप समझाना।

लकीरें

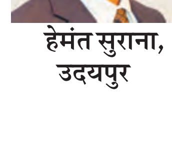

हेमंत सुराना,
उदयपुर

कहते हैं,
जमीन पर बँटवारा कर देती,
रिश्तो में दरार ला देती
माथे पर चिंता ला देती,
हथेली पर तकदीर खींच देती
लकीरें ये बड़ी अजीब होती,
कभी मिटती तो कभी ये बनती
लकीरों के मायाजाल में उलझना नहीं,
मेहनत से भाग्य बनता, हाथों की लकीरों से नहीं
हाथों की लकीरों के फरेब में मत आना,
लकीरों से इंसान को बदनाम ना करना
ये लकीरें ये नसीब, सब फरेब के आईने हैं ,
कर्म मेहनत करने से ही, पूर्ण जिंदगी के मायने हैं
लकीरों भरी हाथों में, काम कुछ ना हो पाया,
बेहाथ इंसानों ने भी, जिंदगी में बहुत कुछ कर दिखाया
इरादे और मेहनत सही हो तो,
किस्मत बदलते देर नहीं लगती
किस्मत बदलते देर नहीं लगती ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

इजराइल में तबाही मचाता ईरान का 'क्लस्टर बम'

19 जून को ईरान ने ऐसा बम चला दिया कि इजराइल वॉर क्राइम की दुहाई देने लगा। इजरायली डिफेंस फोर्स के होम फ्रंट कमांड के मुताबिक ईरान ने इजराइल के अजोर शहर पर 20 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इनमें एक मिसाइल के वॉरहेड में क्लस्टर बम थे। ये जमीन से 7 किमी ऊपर हवा में टूटा, इससे 20 छोटे-छोटे बम निकले और करीब 8 किमी के दायरे में फैल गए। ऐसे में भौचक्का इजराइल भी पूछ रहा है कि आखिर क्या है ये क्लस्टर बम, जिसने इजराइल को इतना नुकसान कर दिया। जैसा इसके नाम से ही जाहिर है, क्लस्टर बम छोटे-छोटे बमों का समूह होता है, जो एक बड़े से कंटेनर में भरे होते हैं। ये कंटेनर हवा में खुलता है और इससे छोटे-छोटे बम निकल कर एकसाथ कई टारगेट पर हिट करते हैं।

क्लस्टर बम से निकले छोटे बमों को जमीन पर गिरने पर या कुछ समय बाद फटने के लिए डिजाइन किया है, यानी यह बम हवा में भी फट सकते हैं और जमीन पर गिरने के कुछ देर बाद भी फट सकते हैं। हालांकि, इनमें से कई बम फट नहीं पाते और महीनों या सालों तक जमीन में दबे रहते हैं। ऐसे में इन बमों को खोजकर नष्ट करना बेहद खर्चीला काम है।

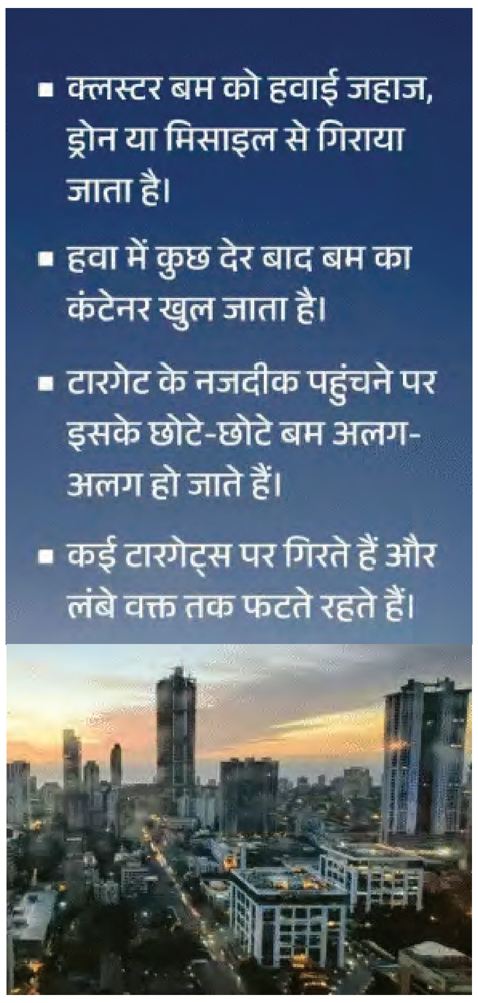

क्लस्टर बम 4 तरह के होते हैं

एंटी-पर्सनल क्लस्टर बमः ये इंसानों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। इनमें छोटे-छोटे धातु के टुकड़े यानी शार्पनेल होते हैं, जो विस्फोट के बाद चारों तरफ फैल जाते हैं।

एंटी-टैंक क्लस्टर बमः ये बख्तरबंद गाड़ियों और टैंकों को नष्ट करने के लिए बनाए जाते हैं। इनमें खास तरह का विस्फोटक होता है, जो मोटी परत वाली धातु को भेद सकता है।

कम्बाइंड इफेक्ट क्लस्टर बमः ये गाड़ियों और लोगों दोनों तरह के टारगेट्स को नुकसान पहुंचाने के लिए बनाए जाते हैं। इन बमों से रनवे भी तबाह हो जाते हैं।

इन्सिडियरी क्लस्टर बमः ये आग लगाने के लिए डिजाइन किए जाते हैं, जो इमारतों और जंगलों को तबाह कर सकते हैं।

एक इजराइली सैन्य अधिकारी ने द टाइम्स ऑफ इजराइल को बताया कि इस तरह की मिसाइल ईरान की अन्य बैलिस्टिक मिसाइल के मुकाबले ज्यादा खतरनाक हैं, लेकिन हर एक बम का विस्फोट बहुत छोटा होता है। 19 जून को हुए क्लस्टर बम के हमले में करीब 2.5 किलो का एक बम अजोर में एक घर पर गिरा, जिससे एक छोटे रॉकेट के बराबर नुकसान हुआ। बाकी 19 बम नहीं फटे। इस हमले में 89 लोग घायल हुए, जिनमें 6 की हालत गंभीर है। होम फ्रंट कमांड ने कहा कि हमले के बाद कई बम फटे नहीं, जिनसे अभी भी खतरा बना हुआ है। सैपर्स ने कई बम ढूंढकर नष्ट कर दिए, लेकिन और ज्यादा बम होने की आशंका है। अजोर शहर में आम लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है कि मिसाइल के टुकड़े जैसी दिखने वाली किसी भी चीज से दूर रहें। क्लस्टर बमों का इस्तेमाल वॉर क्राइम माना जाता है, क्योंकि इसमें आम नागरिकों का ज्यादा नुकसान होता है, जो कि युद्ध के कानूनों के खिलाफ है। क्लस्टर बम से हमला करना युद्ध से जुड़े दो बड़े समझौतों का उल्लंघन करता है।

1. कन्वेंशन ऑन क्लस्टर म्यूनिशन्स : 30 मई 2008 को आयरलैंड के डबलिन में सीसीएम समझौता हुआ और इसे 1 अगस्त 2010 से लागू किया गया। सीसीएम के तहत क्लस्टर बमों को बनाना, स्टोर करना, इस्तेमाल करना और खरीदना-बेचना पूरी तरह से बैन है। 2024 तक सीसीएम को 148 देशों ने स्वीकार किया, लेकिन इनमें से 112 देशों ने ही इस पर साइन किए हैं।

2. अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघनः जिनेवा कन्वेंशन के अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून 1949 के तहत युद्ध में ऐसे हथियारों का इस्तेमाल करना गैरकानूनी है, जो सैनिकों और आम लोगों में फर्क न कर सके। क्लस्टर बमों का इस्तेमाल 'प्रिंसिपल ऑफ प्रपोर्शनैलिटी' का उल्लंघन है। यानी अगर किसी हमले से आम नागरिकों को होने वाला नुकसान, हमला करने वाले को होने वाले फायदे से ज्यादा है, तो ऐसा हमला नहीं किया जा सकता। जैसे- 2006 में इजराइल ने साउथ लेबनान पर 40 लाख से ज्यादा क्लस्टर बम गिराए। जाहिर है उसका मिलिट्री टारगेट अपने दुश्मन का नुकसान करना था, लेकिन इनमें से 10 लाख से ज्यादा बम बिना फटे रह गए। जो जंग के बाद आम नागरिकों के लिए एक बड़ा खतरा बने। क्लस्टर म्यूनिशन कोएलिशन यानी सीएमसी के मुताबिक, क्लस्टर बमों से 95% तबाही आम नागरिकों की होती है। इसकी रेंज में युद्ध क्षेत्र में नागरिक और खासकर बच्चों को जान का खतरा रहता है, क्योंकि कई छोटे बम लैंड माइन्स की तरह काम करते हैं। यह कई सालों तक जमीन पर पड़े रहते हैं और किसी के छूने पर फट जाते हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध में क्लस्टर बमों की वजह से 1 हजार से ज्यादा नागरिक मारे गए थे।

1964-1973 के वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिका ने लाओस पर 27 करोड़ क्लस्टर बम गिराए, जिनमें से 8 करोड़ बम बिना फटे रह गए। आज भी वहां हर साल 50 से 100 लोग इनके शिकार होते हैं। क्लस्टर बम युद्ध के बाद नागरिकों के लिए अत्यधिक क्रूर माने जाते हैं, जिस वजह से सीसीएम के तहत इनके इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी गई। दुनिया में करीब 85 देशों के पास कई तरह के क्लस्टर बम मौजूद हैं।

2024 की क्लस्टर म्यूनिशन मॉनिटर रिपोर्ट के अनुसार, सीसीएम पर साइन करने वाले कुल 111 देशों में से सिर्फ 10 देश ऐसे हैं, जिनके पास रिसर्च और ट्रेनिंग के लिए क्लस्टर बम मौजूद हैं। बाकी सभी देशों ने अपना क्लस्टर बम का जखीरा नष्ट कर दिया है। इनके पास करीब 15 लाख क्लस्टर बम थे। सीसीएम पर साइन न करने वाले 15 देश अपने 60 सहयोगी देशों को सैन्य सहायता या बिक्री के जरिए 50 से भी ज्यादा तरह के क्लस्टर बम दे चुके हैं। मिसाल के लिए 2023 से 2024 के बीच अमेरिका ने यूक्रेन को 5 बार क्लस्टर बम की खेप पहुंचाई। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका के पास DPICM और रूस के पास RBK सीरीज के करोड़ों की तादाद में क्लस्टर बम मौजूद हैं। वहीं 28 देश ऐसे भी हैं, जिनमें क्लस्टर बम का प्रदूषण हो सकता है। इसका मतलब है कि इन देशों में क्लस्टर बम के रैमनेंट्स यानी अवशेष होने की आशंका है, जो कि उतने ही घातक तरीके से लोगों की जान ले सकते हैं।

क्लस्टर म्यूनिशन मॉनिटर रिपोर्ट के मुताबिक 2022 तक दुनिया भर में 23 हजार लोगों की मौत क्लस्टर बम के इस्तेमाल से हो चुकी है। इजराइल पर ईरान के क्लस्टर बम के हमले से पहले यूक्रेन और रूस की जंग में क्लस्टर बम का जमकर इस्तेमाल हुआ है। रूस और यूक्रेन दोनों सीसीएम के खिलाफ रहे हैं। यूक्रेन-रूस जंग शुरू होने के बाद यूक्रेन में क्लस्टर बम के हमलों में 1000 से ज्यादा लोग मारे गए।

वहीं 2023 में अजरबैजान, इराक, लेबनान, म्यांमार, सीरिया और यमन जैसे देशों में क्लस्टर बम के इस्तेमाल से 219 लोग मारे गए, इनमें से करीब 200 लोग आम नागरिक थे। कुल 219 में से 101 की मौत क्लस्टर बम के रैमनेंट्स यानी जमीन पर गिरे रह गए अवशेषों से हुई।

रासायनिक हथियारः मस्टर्ड गैस, क्लोरीन गैस जैसी जहरीली गैसें। जैविक हथियारः खतरनाक बीमारियां फैलाने वाले एंथ्रेक्स या प्लेग बैक्टीरिया। एंटी पर्सनल माइनः पैदल सैनिकों या आम लोगों को मारने के लिए बिछाई गईं बारूदी सुरंग। आग लगाने वाले हथियारः नापाम या फॉस्फोरस बम। **ब्लाइंडिंग लेजर हथियारः** ऐसे लेजर हथियार जिनकी चमक लोगों को अंधा कर सकती है। डम-डम बुलेट्सः ऐसी बुलेट्स जो टारगेट के शरीर में हिट होने के बाद फैलती हैं।

ईवीएम रहेगी सवालों से मुक्त

बार-बार विपक्षी दलों द्वारा ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जाने पर अब चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, चुनाव आयोग ने ईवीएम की जांच के नियमों में बदलाव कर दिया है। अब जो उम्मीदवार चुनाव में दूसरे या तीसरे नंबर पर रहे, वे भी ईवीएम की जांच करवा सकते हैं। पहले सिर्फ एक सामान्य जांच होती थी। अब उम्मीदवार चाहें तो मॉक पोल भी करवा सकते हैं।

पहले, 1 जून 2024 को जारी नियमों के अनुसार, ईवीएम की जांच एक साथ होती थी। इसमें बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट शामिल थे। जांच भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड या इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के इंजीनियर करते थे। उस समय मॉक पोल की सुविधा नहीं थी।

लेकिन, 17 जून 2025 को चुनाव आयोग ने नए नियम जारी किए। अब ईवीएम की जांच के लिए उम्मीदवारों को अलग-अलग शुल्क देना होगा। अगर उम्मीदवार सिर्फ ईवीएम की जांच करवाना चाहते हैं, तो उन्हें 23,600 रुपये देने होंगे। इसमें 18% जीएसटी भी शामिल है। अगर वे मॉक पोल भी करवाना चाहते हैं, तो उन्हें 47,200 रुपये देने होंगे। यह पैसा ईवीएम बनाने वाली कंपनी को देना होगा।

अगर जांच में ईवीएम में कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो उम्मीदवार को पैसे वापस मिल जाएंगे। यह खर्च केंद्र या राज्य सरकार उठाएगी। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चुनाव किसका था। जो उम्मीदवार चाहें, वे नतीजे आने के सात दिन के अंदर ईवीएम की जांच के लिए आवेदन कर सकते हैं। वे हर विधानसभा क्षेत्र में 5% ईवीएम की जांच करवा सकते हैं। इसमें बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट शामिल होंगे। उम्मीदवार यह जांच ईवीएम में किसी तरह की छेड़छाड़ या बदलाव देखने के लिए करवा सकते हैं।

नए नियमों के अनुसार, मुख्य चुनाव अधिकारी को ईवीएम जांच के आवेदनों की लिस्ट ईवीएम बनाने वाली कंपनियों को भेजनी होगी। अब यह लिस्ट नतीजे आने के 30 दिन के बजाय 15 दिन के अंदर भेजनी होगी। एक और महत्वपूर्ण फैसले में, चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान बनाए गए वीडियो और फोटो को लेकर चिंता जताई है। आयोग को डर है कि इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है।

इसलिए, आयोग ने इन रिकॉर्ड्स को सिर्फ 45 दिनों तक रखने का फैसला किया है। अगर कोई चुनाव याचिका दायर होती है, तो रिकॉर्ड्स को तब तक रखा जाएगा जब तक याचिका का निपटारा नहीं हो जाता। पहले, चुनाव के अलग-अलग चरणों के फोटो और वीडियो को छह महीने से एक साल तक रखने का नियम था। यह नियम कानून में अनिवार्य नहीं था, लेकिन फिर भी इसका पालन किया जाता था। एक चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि रिकॉर्ड्स को 45 दिनों के बाद नष्ट करने के निर्देश आगे से लागू होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह नियम बिहार विधानसभा चुनाव से शुरू हो सकता है। अधिकारी ने आगे कहा कि यह समय सीमा चुनाव याचिका दायर करने की 45 दिन की समय सीमा के अनुसार है। जब कोई चुनाव याचिका दायर की जाती है, तो संबंधित रिकॉर्ड्स को तब तक नष्ट नहीं किया जाएगा जब तक कि याचिका का निपटारा नहीं हो जाता।

शशि थरूर की कांग्रेस से काउंटडाउन शुरू

23 जून को निलांबुर चुनाव नतीजा तय करेगा आर या पार वाला फैसला

पहलगाम हमले के बाद कांग्रेस समेत विपक्ष नरेंद्र मोदी सरकार से इंटेलिजेंस फेल्योर के लिए सवाल पूछ रहा था। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बयान दिया, हमें केवल उन हमलों के बारे में पता चलता है, जिन्हें हम विफल करने में असफल रहे। ये किसी भी देश में सामान्य बात है। इजरायल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी देश के पास फूलप्रूफ इंटेलिजेंस नहीं होता है। केंद्र सरकार को क्लीन चिट देने वाले उनके इस बयान से कांग्रेस में खलबली मच गई। कांग्रेस के कई नेताओं ने उनकी खुली आलोचना की। ऐसे कयास लगे कि शशि थरूर अब कांग्रेस से विदाई लेने वाले हैं। दो दिन पहले थरूर ने एक बार फिर इशारा दिया कि उनका पार्टी नेतृत्व से मतभेद है, जिस पर उपचुनाव के नतीजों के बाद चर्चा करेंगे।

फिर भारत सरकार ने पाकिस्तान में आतंकियों के गढ़ में ऑपरेशन सिंदूर चलाया। कूटनीतिक पहल करते हुए भारत सरकार ने 59 सदस्यों वाले सात प्रतिनिधिमंडल को दुनिया के 33 देशों में भेजा। इनमें से एक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कांग्रेस नेता शशि थरूर को दी गई। मोदी सरकार के इस फैसले से फिर विवाद शुरू हुआ। कांग्रेस ने प्रतिनिधिमंडल के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, सैयद नासिर हुसैन, लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर राजा सिंह वारिंग का नाम भेजा। मगर मोदी सरकार ने कांग्रेस की ओर से पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, विदेश राज्य मंत्री रहे शशि थरूर, राज्यसभा सांसद आनंद शर्मा, चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी और अमर सिंह को चुना।

इस लिस्ट में चार नाम ऐसे थे, जिसे कांग्रेस ने नॉमिनेट नहीं किया था। सलमान खुर्शीद और मनीष तिवारी पार्टी हाईकमान की मंशा के विपरीत भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने। मगर विवाद शशि थरूर को लेकर ज्यादा हुआ, जिन्हें पांच देशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। थरूर ने बताया कि उन्होंने यह फैसला राष्ट्रहित में लिया है। अपने इस बयान के बाद शशि थरूर एक बार फिर अपनी ही पार्टी के नेताओं के निशाने पर आ गए। जयराम रमेश ने सांसदों की लिस्ट पर आपत्ति जताते हुए थरूर को टारगेट किया। उन्होंने एक पोस्ट में तंज कसते हुए लिखा कि कांग्रेस में होना और कांग्रेस का होना, दोनों में काफी फ़र्क है। उदित राज ने उन्हें बीजेपी का सुपर प्रवक्ता बता दिया।

शशि थरूर और कांग्रेस नेतृत्व के बीच तनाव बयानबाजी से खत्म नहीं हुआ। केरल के नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव में शशि थरूर प्रचार के लिए नहीं गए। उन्हें पार्टी ने प्रचार के लिए बुलाया भी नहीं। हालांकि केरल कांग्रेस ने उनके आरोपों का खंडन किया है। मनमोहन सिंह की सरकार में राज्य मंत्री रहे शशि थरूर केरल के तिरुवनंतपुरम से 2009 से लगातार जीत रहे हैं। जब इस बारे में शशि थरूर से पूछा गया कि तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस नेतृत्व से उनके मतभेद हैं। वह उपचुनाव के नतीजों के बाद पार्टी के नेताओं से बात करेंगे। यह भी तय है कि कांग्रेस नेतृत्व थरूर की मांगों पर सहानुभूति से विचार करने के मूड में नहीं है। 23 जून को केरल के नीलांबुर समेत विधानसभा उपचुनाव के रिजल्ट आ रहे हैं। इसके बाद तय हो जाएगा कि शशि थरूर कौन सा दांव चलेंगे।

राजनीतिक एक्सपर्ट मानते हैं कि शशि थरूर और गांधी परिवार के रिश्ते 2020 से खराब होने लगे थे। शशि थरूर में जी-23 कहे जाने वाले उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने संगठन में बदलाव की वकालत की थी। तब यह माना गया कि गुट के नेताओं ने राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती दी है। नतीजतन उस गुट में शामिल गुलाम नबी आजाद और कपिल सिब्बल को पार्टी से बाहर जाना पड़ा।

बिहार में इस बार किसकी बहार

राधा रमण

पांच साल बाद बिहार में विधानसभा चुनाव की रणभेरी फिर बजनेवाली है। हालांकि चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान तारीखों की घोषणा नहीं की है। बिहार विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 22 नवंबर 25 तक है। जाहिर है विधानसभा के चुनाव इससे पहले ही होंगे। पिछली बार 2020 में तीन चरणों में 28 अक्टूबर, 3 नवंबर और 7 नवंबर को बिहार विधानसभा के चुनाव कराये गए थे। सरकार का गठन 23 नवंबर को हुआ था। ऐसे में अटकलें हैं कि चुनाव आयोग 15 अगस्त के बाद कभी भी मतदान तारीखों की घोषणा कर सकता है।

भले ही मतदान की तिथियों पर चुनाव आयोग खामोश है लेकिन बिहार के सियासी दलों ने अपने पत्ते खोलने प्रारंभ के दिए हैं। सीटों की दावेदारी पर राज्य के 3 बड़े दलों (राष्ट्रीय जनता दल, भारतीय जनता पार्टी और जनता दल – यूनाइटेड) ने अभी तक पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन उन्हें समर्थन देनेवाली पार्टियों के नेता मनमाफिक दावेदारी करने लगे हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी और पिछली मौजूदा विधानसभा में महज 4 सीटोंवाली हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी इस बार 40 सीटों पर दावा ठोंक रहे हैं तो बिना विधायक की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सर्वेसर्वा केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान राज्य की कुल 243 सीटों पर असर होने का दावा कर रहे हैं। एनडीए के एक और सहयोगी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा कहते हैं कि अगर उन्हें डुबोने की कोशिश की गई तो डुबोने वाले भी नहीं बचेंगे। उधर, मुख्यमंत्री नीतीश की पार्टी जदयू चुनाव में भाजपा के बराबर सीटों की दावेदारी पर पहले से अडिग है। जाहिर है एनडीए के सभी घटक दल अपनी ताकत बढ़ाने की फिराक में हैं। सीटों के बंटवारे पर रार महागठबंधन में भी कम नहीं है। कांग्रेस पिछली बार की तरह इस बार भी 70 सीटों पर दावेदारी कर रही है। उधर, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी विधानसभा की 60 सीट और उप मुख्यमंत्री पद की मांग कई दफा सार्वजनिक रूप से कर चुके हैं। इस बीच 'बदलो सरकार-बदलो बिहार' यात्रा निकाल चुके वामदलों के नेता 45 सीटों की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले चुनाव में उन्हें 29 सीटें मिली थीं जिनमें 16 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि कांग्रेस 70 सीटों पर लड़कर महज 19 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। अगर इन दलों की मांग मान ली जाए तो क्या राष्ट्रीय जनता दल (राजद) महज 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी ? पिछली बार राजद 144 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जिसमें 78 सीटों पर जीत मिली थी। इसके अलावा राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष और रामविलास पासवान के छोटे भाई पशुपति कुमार पारस भी महागठबंधन के बैनरतले चुनाव मैदान में उतरने की जुगत खोज रहे हैं। उनकी लालू यादव और तेजस्वी से मुलाकात भी हो चुकी है। उधर, झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी 12 सीटों पर दावा किया है। झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य कहते हैं कि झारखंड में हमने राजद के एकमात्र विधायक को मंत्री बनाया क्योंकि हम गठबंधन के तहत चुनाव मैदान में थे। अब राजद और कांग्रेस को बड़ा दिल दिखाना चाहिए। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की भी इच्छा महागठबंधन के बैनरतले चुनाव में उतरने की है। उसके नेता तेजस्वी यादव और लालू यादव तक अपनी बात पहुंचा चुके हैं। हालांकि कांग्रेस उसे साथ लेने को राजी नहीं है। ऐसे में महागठबंधन में सीटों के बंटवारे में सिरफुटौव्वल तय है। चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने के लिए कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर भी अपनी जनसुराज पार्टी बनाकर मैदान में उतर चुके हैं। प्रशांत अपनी पार्टी में कई रिटायर्ड नौकरशाहों के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचन्द्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) को जोड़ चुके हैं। बिहार के चर्चित यू-ट्यूबर मनीष कश्यप भी भाजपा के रास्ते अब प्रशांत के साथ हो लिये हैं। प्रशांत का दावा है कि उनकी पार्टी सभी 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। उधर, वोट बैंक बढ़ाने के लिए आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस समेत तमाम दल किसी से तालमेल न हो पाने की स्थिति में अकेले मैदान में ताल ठोंकेंगे। ये दल भले ही चुनाव नहीं जीतें लेकिन दोनों गठबंधनों में किसी का खेल जरूर खराब करेंगे। इस बीच, राजद ने वरिष्ठ समाजवादी नेता मंगनीलाल मंडल को बिहार राजद का अध्यक्ष बनाकर अति पिछड़ों में पैठ बनाने का बड़ा दांव चल दिया है। मंडल धानुक जाति से आते हैं। वह जदयू के रास्ते से राजद में आये हैं। उनका व्यक्तित्व निर्विवाद रहा है। वे लोकसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। देखना दिलचस्प होगा कि मंडल अपनी जाति का कितना वोट राजद को ट्रांसफर करा पाते हैं। बिहार की सियासत में जाति एक कटु सच्चाई है। वहां जाति के आधार पर न सिर्फ नेता हैं बल्कि जाति केआधार पर दल भी बने हैं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव हों, चिराग पासवान हों या पशुपति पारस, मुकेश सहनी हों या जीतनराम मांझी, उपेन्द्र कुशवाहा हों या सम्राट चौधरी, नीतीश कुमार हों

अथवा रामचन्द्र प्रसाद सिंह, सभी की राजनीति जातीयता की धुरी पर ही टिकी है। उधर, चुनाव से चार महीना पहले एनडीए ने राज्य में वर्षों से खाली पड़े आयोग-बोर्डों के पदों को भर दिया है। कुल 13 आयोगों में से 8 का अध्यक्ष जदयू ने अपने नेताओं को बनाया है। 4 आयोग के अध्यक्ष भाजपा के नेता बनाए गए हैं, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता और चिराग पासवान के बहनोई मृणाल पासवान को अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। जीतनराम मांझी के दामाद देवेन्द्र कुमार को इसी आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है। उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी के हिस्से में महज सदस्य का पद मिला है। ऐसा करके टिकट के दावेदारों की भीड़ पर नियंत्रण करने का प्रयास किया गया है। हालांकि राजनीति के जानकार चुनावी साल में वर्षों से खाली पड़े आयोग के पुनर्गठन पर सवाल कर रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि क्या एनडीए सरकार को वापसी में संशय लग रहा है जो आयोग-बोर्डों में खाली पदों को भरने में तत्परता दिखाई!

सियासी गुणा-गणित से इतर भाजपा पिछले एक साल से चुनाव प्रचार में पूरी तन्मयता से जुटी है। एक साल में प्रधानमंत्री सात बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। इसमें पांच बार का दौरा तो जनवरी से जून तक हो चुका है। वह अपनी हर सभा में लालू-राबड़ी के शासनकाल पर हमला बोलते हैं और हजारों करोड़ की योजनाओं की घोषणा करते हैं। काश! वह योजनाएं सफलीभूत हो जातीं तो बिहार बदहाल नहीं रहता। भाजपा ने राज्य में चुनावी वार रूम का गठन कर दिया है। इसका प्रभारी दिल्ली के रोहन गुप्ता को बनाया गया है। उसमें 150 से अधिक सदस्य हैं। हरियाणा और दिल्ली के चुनाव में भी उन्होंने भाजपा वार रूम की कमान संभाली थी और पार्टी को विजय दिलाई थी। आनेवाले दिनों में भाजपा जिला स्तर तक वार रूम का गठन करेगी। लेकिन भाजपा की बड़ी दिक्कत बिहार में पार्टी का कोई अहम चेहरा न होना है जिसे मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट किया जा सके। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राजद, जदयू समेत कई दलों से घूमते हुए भाजपा में पहुंचे हैं। उनका अपना कोई जनाधार नहीं है। उनके पिता स्व. शकुनि चौधरी जरूर कद्दावर नेता थे लेकिन वह कांग्रेस और समाजवादी पृष्ठभूमि के थे। इसी तरह प्रदेश भाजपा के अधिकांश नेता आयातित ही हैं। ऐसे में भाजपा चुनाव के बाद कोई उलटफेर कर दे तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अपने पुराने जनाधार को संगठित करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। एक चर्चा यह भी है कि जदयू इस बार चिराग की दावेदारी वाले ब्रह्मपुर, दिनारा, कस्बा, हरनौत, कदवां, रुपौली, जगदीशपुर, रघुनाथपुर और ओबरा आदि सीटों पर नजर गड़ाए हुए है। इन सीटों पर पिछली बार चिराग की पार्टी के उम्मीदवार दूसरे नंबर पर रहे थे।

चिराग इस बार किंगमेकर बनने की चाहत लिये हुए हैं। उनकी कोशिश है कि बिना उनके समर्थन के बिहार में कोई सरकार नहीं बने। चुनाव की तैयारी में महागठबंधन भी पीछे नहीं है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार राज्य के कोने-कोने में घूम रहे हैं और मौजूदा सरकार की नाकामी उजागर कर रहे हैं। उन्होंने 'तेजस्वी डिजिटल फोर्स' का गठन कर युवाओं को उससे जुड़ने की अपील की है। तेजस्वी कहते हैं कि मुख्यमंत्री उम्रजनित बीमारियों के कारण अचेतावस्था में हैं और सहयोगी दलों के नेता नौकरशाहों के साथ मिलकर बिहार को लूट रहे हैं। अपराध चरम पर है और सरकार खामोश। आयोगों के पुनर्गठन में भाई-भतीजावाद का बोलबाला है। सीएम को लगे हाथ जमाई आयोग, दामाद आयोग और मेहरारू आयोग का भी गठन कर देना चाहिए।

कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी और वामदलों के नेता भी अपने पक्ष में जनमत बनाने के लिए अभियान चलाये हुए हैं। राहुल गांधी एक साल में पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। लब्बोलुआब यह कि गरमी के मौसम में बिहार में राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है।

पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम पर एफएटीएफ ने जारी की चेतावनी

भारत कर सकता है प्रतिबंध लगाने की मांग, फंसे शहबाज?

पेरिस/इस्लामाबाद, 21 जून (एजेंसियां)। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानि एफएटीएफ ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर गंभीर चेतावनी जारी की है। एफएटीएफ के लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है। इसमें 2020 में भारतीय सीमा शुल्क अधिकारियों की तरफ से जब्त किए गए पाकिस्तानी शिपमेंट का हवाला दिया गया है। भारतीय कस्टम अधिकारियों साल 2020 में पाकिस्तान के डबल यूज कंपोनेंट्स 'ऑटोक्लेव' जब्त किए थे। ये मिसाइल मोटर कोटिंग समेत बैलिस्टिक मिसाइल के अलग अलग पाट्र्स को बनाने में काम आने वाले थे। इन उपकरणों का संबंध पाकिस्तान के नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स यानि एनडीसी से था।

भारत ने इस मामले को लेकर अपनी रिपोर्ट एफएटीएफ को सौंपी थी और तमाम जरूरी सबूत दिए थे। अब एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने डबल यूज उपकरणों को लेकर जो निर्यात दस्तावेज पेश किए हैं, वो गलत तरीके से घोषित किए गये हैं और इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के खिलाफ हैं। 'ऑटोक्लेव' असल में इतने संवेदनशील होते हैं कि इन्हें सिर्फ वैज्ञानिक अभिकर्मक (रासायनिक प्रक्रिया का टेस्ट करने वाला मैटेरियल) या रॉकेट प्रोपेलेंट के साथ इस्तेमाल में लाया जाता है।

पाकिस्तान ने इसको लेकर जो जानकारियां एफएटीएफ को सौंपी थी, वो गलत थी। एफएटीएफ के अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान इसको लेकर गलत जानकारी दे रहा है, असल में वो इसका इस्तेमाल बैलिस्टिक मिसाइलों के निर्माण में करने वाला है।

एफएटीएफ ने अपनी रिपोर्ट में 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी, जिसमें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। एफएटीएफ की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि ऐसी हिंसा बिना आतंकी संगठनों को फंड जारी किए बगैर नहीं हो सकते हैं। आपको बता दें कि हमले के पीछे पाकिस्तान स्थिति आतंकवादी संगठन द रेसिस्टेंस फोर्स था, जिसने हमले के ठीक बाद आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। लेकिन बाद में पाकिस्तान के प्रेशर के बाद वो मुकर गया था। ये संगठन लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी संगठन है, जिसे पाकिस्तान के इशारे पर बनाया गया है। भारत इस रिपोर्ट को अब पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल करने की योजना पर काम कर रहा है।

भारत के शीर्ष अधिकारियों ने एफएटीएफ की वैश्विक नेटवर्क में शामिल करीब सभी 200 देशों को सारे दस्तावेज और इन सबूतों से अवगत कराया है, ताकि पाकिस्तान को फिर से ग्रे-लिस्ट में डलवाया जा सके । पाकिस्तान को अंतिम बार 2018 में एफएटीएफ की ग्रे-लिस्ट में रखा गया था और 2022 में उसे बाहर निकाला गया था। लेकिन इस साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद फिर से पाकिस्तान को ग्रे-लिस्ट में डालने की मांग तेजी से की जा रही है।

पाकिस्तान को अगर फिर से ग्रे-लिस्ट में डाला जाता है तो उसे आईएमएफ लोन मिलने से लेकर वर्ल्ड बैंक से ऋण मिलने में मुश्किल हो जाएगी। इसके अलावा विदेशी निवेशकों के लिए भी पाकिस्तान में निवेश करना और मुश्किल हो जाएगा। एफएटीएफ की फिर से इसी साल अक्टूबर में बैठक होने वाली है, जिसमें पाकिस्तान को लेकर फिर से फैसला लिया जा सकता है।

चीन में 12 दिनों तक क्या कर रहा था बांग्लादेश का पूर्व खुफिया चीफ

यूनुस राज में मौत की सजा से बचा, भारत के लिए समझें खतरा

ढाका, 21 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश में चीन की बढ़ती गतिविधियों से भारत की चिंता बढ़ गई है। हाल ही में बांग्लादेश पूर्व सैन्य खुफिया चीफ की चीन की 12 दिवसीय यात्रा ने नई दिल्ली को अलर्ट कर दिया है। मेजर जनरल रजाकुल हैदर चौधरी (रिटायर्ड) 6 जून को चीन के लिए रवाना हुए थे और 18 जून को ढाका लौट आए। सूत्रों के मुताबिक, चौधरी की यात्रा के दौरान यूनुस सरकार के एक वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी भी चीन पहुंचा था। रजाकुल हैदर चौधरी के संदिग्ध इतिहास को देखते हुए उनकी चीन यात्रा को गंभीरता से देखा जा रहा है।

रजाकुल हैदर चौधरी बांग्लादेश के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस और नेशनल सिक्योरिटी इंटेलिजेंस, दोनों के महानिदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। उन्हें साल 2004 में चटगांव बंदरगाह के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत और बांग्लादेश में विद्रोही समूहों के लिए हथियारों की एक बड़ी खेप की तस्करी में शामिल होने के लिए अवामी लीग शासन के दौरान जेल में डाल दिया गया था। चटगांव में हथियार जब्त किए जाने के तीन महीने के भीतर 2004 में ही तत्कालीन विपक्षी नेता और बाद में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की हत्या के प्रयास के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी। ढाका में अवामी लीग की रैली पर ग्रेनेड हमले में 24 लोग मारे गए थे। इस हमले में शेख हसीना बच गई थीं। चौधरी को बांग्लादेश में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के आदमी के रूप में देखा जाता है। आईएसआई ने पूर्वोत्तर भारत में विद्रोही समूहों का समर्थन किया है। बांग्लादेश पुलिस ने साल 2004 में चटगांव में 10 ट्रक हथियार जब्त कि थे, जिनमें 4930 बंदूकें (ज्यादातर असॉल्ट राइफलें), 27000 ग्रेनेड, 840 रॉकेट लॉन्चर, 2000 ग्रेनेड लॉन्चिंग ट्यूब, 300 रॉकेट, 6392 मैगजीन और 11,40,520 राउंड गोलियां थीं।

बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर एक जेटी पर जब दो जहाजों से ये खेप उतारी जा रही थी, उसी समय इसे जब्त कर लिया गया। इसमें अधिकांश हथियार चीनी कंपनी ने बनाए थे। इन हथियारों को उल्फा और पूर्वोत्तर भारत के अन्य विद्रोही समूहों के साथ-साथ जमात-उल-मुजाहिदीन जैसे इस्लामी आतंकवादी समूहों के लिए थे। चटगांव हथियार मामले में उल्फा के सैन्य प्रमुख परेश बरुआ को भी दोषी ठहराया गया और आजीवन कैद की सजा सुनाई गई। पिछले साल अगस्त में शेख हसीना के पतन के बाद आई मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने हथियार तस्करी के दोषी लोगों को रिहा कर दिया था। इस साल 16 जनवरी को बांग्लादेश हाई कोर्ट ने दोषी ठहराए गए छह लोगों को बरी कर दिया, जिनमें चौधरी और पूर्व गृह राज्य मंत्री लुत्फुर जमान बाबर शामिल थे। राज्य ने इस फैसले को चुनौती नहीं दी। हाई कोर्ट ने उल्फा नेता बरुआ समेत पांच अन्य लोगों की सजा भी कम कर दी। परेश बरुआ की सजा भी घटाकर 14 साल कर दी गई। वरिष्ठ पत्रकार सुबीर भौमिक ने इंडिया टुडे में लिखे एक लेख में बताया है कि भारतीय सुरक्षा हलकों में इन दोषियों के बरी किए जाने और कई इस्लामिक आतंकवादियों की रिहाई को लेकर चिंता है।

अमेरिका जंग में शामिल हुआ तो इसके खतरों से कोई नहीं बच पाएगा

ईरान की धमकी

इस्तांबुल, 21 जून (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने धमकी दी है कि अगर इस्राइल के साथ जंग में अमेरिका भी शामिल हुआ तो इसके गंभीर परिणाम होंगे और इसके खतरों से कोई भी देश नहीं बच पाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि अमेरिका, इस्राइल के समर्थन में संघर्ष में शामिल हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

'जब तक हमले जारी, तब तक नहीं होगी संघर्ष विराम पर बात'

ईरानी विदेश मंत्री ने जिनेवा में यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। हालांकि इस मुलाकात में संघर्ष विराम के लिए सहमति नहीं बन पाई।

जिनेवा से लौटते हुए इस्तांबुल में मीडिया से बात करते हुए अराघची ने ये बयान दिया। अराघची ने कहा कि वे आगे भी बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन ईरान का अमेरिका से बातचीत का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक इस्राइल की तरफ से हमले जारी रहेंगे, वे संघर्ष विराम को लेकर कोई बात नहीं करेंगे।

पाकिस्तान ने ट्रम्प को नोबेल प्राइज के लिए नॉमिनेट किया

कहा- भारत-पाक जंग रोकी, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- कुछ भी कर लूं नोबेल नहीं मिलेगा

इस्लामाबाद/वॉशिंगटन, 21 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 2026 के नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया है। पाकिस्तान का कहना है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की।

पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई।

पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे पर ट्रम्प की मध्यस्थता की पेशकश को भी सराहा और कहा कि जब तक कश्मीर का हल नहीं निकलता, तब तक क्षेत्र में स्थायी शांति नहीं आ सकती। हालांकि,

ट्रम्प ने कहा, 'मैं कितने भी युद्ध रोक लूं, कुछ भी कर लूं, मुझे नोबेल नहीं मिलेगा।'

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध टालने, रूस-यूक्रेन और ईरान-इजराइल जैसे विवादों को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन उन्हें नोबेल पीस प्राइज नहीं मिलेगा।

ट्रम्प ने शुक्रवार को 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए लिखा, "मैं जो भी कर लूं, नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। मैंने विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मिलकर कांगो-रवांडा युद्ध को रोकने के लिए शांति समझौता कराया है। यह दशकों से चल रहा खूनी संघर्ष था।"

इससे पहले ट्रम्प ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से बंद कमरे में मुलाकात की थी। दोनों ने व्हाइट हाउस के कैबिनेट रूम में साथ लंच किया था। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की।

बुधवार को ट्रम्प-मुनीर की मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई थी। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था।

आसिम मुनीर अभी अमेरिका के दौरे पर हैं। ट्रम्प से उनकी मुलाकात से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से 35 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी।

इस दौरान मोदी ने साफ कहा था कि 7 से 10 मई तक चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच बातचीत के बाद सीजफायर हुआ था। किसी बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से नहीं।

नोबेल प्राइज 2026 के लिए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन सितंबर में शुरू किए जाएंगे।

हालांकि, अभी अंतिम तारिख का ऐलान नहीं किया गया है। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 31 जनवरी थी।

ईरान-इजरायल संघर्ष विराम के लिए यूरोप की पहल

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने किया प्रस्ताव का खुलासा

पेरिस, 21 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विराम की कोशिशें शुरू हो गई हैं। यूरोप के देशों द्वारा इसे लेकर एक प्रस्ताव तैयार किया गया है।

मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस प्रस्ताव का खुलासा किया है, जिसके अनुसार, ईरान को यूरेनियम संवर्धन का काम रोकना होगा। साथ ही ईरान को अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को रोकना होगा और पूरे पश्चिम एशिया में सक्रिय उग्रवादी संगठनों को भी अपना समर्थन देना बंद करना होगा। ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर किए हुए हैं और ईरान यूरेनियम संवर्धन को अपना अधिकार बताता है। ईरान का कहना है कि उसका यूरेनियम संवर्धन करना अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वैध है। लेकिन बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव और खासकर इजरायल के ताजा हमलों के बाद ईरान पर परमाणु समझौता करने का दबाव बढ़ गया है। शुक्रवार को ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विराम के लिए फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के विदेश मंत्रियों ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से जिनेवा में मुलाकात की।

इजरायल-ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद पश्चिमी राजनयिकों की ईरान के मंत्री के साथ पहली मुलाकात है। हाल ही में अराघची ने इससे पहले अमेरिका के पश्चिम एशिया में विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ से भी फोन पर बात की। इस बातचीत में अराघची ने विटकॉफ से साफ कहा कि जब तक उन पर हमले जारी रहेंगे, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी।

तुर्की की ऐतिहासिक यात्रा पर पहुंचे आर्मेनियाई पीएम

आर्मेनिया और तुर्की के बीच सीमा मिलती है लेकिन यह 1990 के दशक से ही बंद है

अंकारा, 21 जून (एजेंसियां)। आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान एक दुर्लभ यात्रा पर अपने कट्टर शत्रु तुर्की की यात्रा पर पहुंचे हैं। पीएम निकोल ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से मुलाकात की है। आर्मेनिया ने पीएम निकोल ने इस यात्रा को क्षेत्रीय शांति के लिए 'ऐतिहासिक कदम' करार दिया है। वहीं एर्दोगन के ऑफिस ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच अंकारा के दोलमाबहसे महल में लंबी बातचीत हुई। आर्मेनिया और तुर्की के बीच सीमा मिलती है लेकिन यह 1990 के दशक से ही बंद है। दोनों देशों ने कभी भी औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित नहीं किया। विश्लेषकों का कहना है कि पीएम निकोल इस यात्रा के दौरान तुर्की के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में कदम उठाएंगे। तुर्की और आर्मेनिया के बीच रिश्ते प्रथम विश्वयुद्ध के दिनों से ही बहुत खराब रहे हैं। तुर्की के ऑटोमन साम्राज्य के दौर में बहुत बड़ी तादाद में आर्मेनियाई लोगों की हत्या कर दी गई थी। आर्मेनिया का कहना है कि यह नरसंहार की तरह से था। तुर्की इस आरोप को खारिज करता है। इसके अलावा तुर्की आर्मेनिया के दुश्मन अजरबैजान की खुलकर सैन्य और राजनयिक मदद करता है। आर्मेनिया के साथ चली लड़ाई के दौरान तुर्की ने अजरबैजान को बायरकतार टीबी-2 ड्रोन और अन्य हथियार दिए थे।

इन्हीं हथियारों की मदद से अजरबैजान को जीत मिली थी और नगर्नो कराबाख पर उसका कब्जा हो गया था। शीतयुद्ध के बाद यह किसी आर्मेनियाई पीएम की पहली तुर्की यात्रा है।

इजराइल ने ईरानी सेना के 3 कमांडरों को मारा

इस्फहान न्यूक्लियर साइट पर भी हमला, ट्रम्प बोले- इजराइल जीत रहा, उसे रोक नहीं सकते

तेहरान/तेल अवीव, 21 जून (एजेंसियां)। इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 9वां दिन है। इजराइली सेना ने शनिवार को ईरानी सेना के 3 कमांडरों को मारने का दावा किया है। इनमें ड्रोन यूनिट, आईआरजीसी कुद्स फोर्स और आईआरजीसी के फिलिस्तीनी मामलों से जुड़े अधिकारी शामिल हैं।

इजराइल ने ईरानी शहरों- खोरमाबाद, कोम, इस्फहान पर भी मिसाइलें दागीं। इसमें 5 लोगों की मौत और 4 घायल हो गए। वहीं, ईरान ने शनिवार सुबह इजराइल में तेल अवीव समेत दूसरे शहरों पर मिसाइल हमले किए। हालांकि, इनमें कोई हताहत नहीं हुआ। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे इजराइल को जंग रोकने के लिए नहीं कहेंगे। फिलहाल इजराइल जंग में आगे है। इस वजह से उसे रोकना मुश्किल है। इजराइल ने 13 जून की सुबह ईरान पर सबसे पहले हमला किया था। बीते 8 दिनों में ईरान में अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं।

भारत को तीन तरफ से घेरने का चीन का प्लान

दो कट्टर दुश्मनों को लेकर आया एक साथ, दिल्ली के लिए खतरे की घंटी

बीजिंग, 21 जून (एजेंसियां)। चीन ने भारत को तीन तरफ से घेरने के लिए अपनी योजना पर काम शुरू कर दिया है। बीजिंग ने पहली बार एक त्रिपक्षीय बैठक की मेजबानी की है, जिसमें कभी कट्टर दुश्मन रहे दो देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश के प्रमुख प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। गुरुवार को आयोजित बैठक में चीन के उप विदेश मंत्री सन वेइदोंग, बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव रूहुल आलम सिद्दीकी और पाकिस्तान के अतिरिक्त विदेश सचिव इमरान अहमद सिद्दीकी ने व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया। वहीं, पाकिस्तानी विदेश सचिव आमना बलूच वीडियो लिंक के माध्यम से चर्चा के पहले चरण में शामिल हुईं। चीन के कुनमिंग शहर में हुई इस बैठक ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि

गुरुवार को आयोजित बैठक में विदेश सचिवों ने व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा और समुद्री मामलों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में त्रिपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया है कि तीनों देश बैठक के दौरान बनी सहमति का पालन करने और उसे लागू करने के लिए एक कार्यसमूह का गठन करेंगे। इसमें दावा किया गया कि चीन-पाकिस्तान-बांग्लादेश सहयोग सच्चे बहुपक्षवाद और मुक्त क्षेत्रवाद का पालन करता है और किसी तीसरे पक्ष पर लक्षित नहीं है। बैठक में वीडियो लिंक से बोलते हुए पाकिस्तान की विदेश सचिव आमना बलूच ने त्रिपक्षीय बैठक के लिए चीन की तारीफ की। उन्होंने कहा, पाकिस्तान चीन और दक्षिण एशियाई देशों के बीच गहन जुड़ाव चाहता है। बलूच ने पाकिस्तान-चीन द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति का उल्लेख किया और कहा कि इस्लामाबाद कई क्षेत्रों में बांग्लादेश के साथ सहयोग बढ़ाने को तैयार है।

ईरान पर मेरे बयान को मीडिया ने तोड़-मरोड़कर पेश किया

ट्रंप की नाराजगी के बाद तुलसी गबार्ड की सफाई

वॉशिंगटन, 21 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी खुफिया विभाग की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने कहा है कि ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु हथियार बना सकता है, अगर वह तय कर ले कि उसे इसे अंतिम रूप देना है। इसके साथ ही उन्होंने सफाई दी कि उनके पुराने बयान, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान फिलहाल परमाणु बम नहीं बना रहा, को मीडिया ने गलत संदर्भ में पेश किया है। बता दें कि, इस बयान से कुछ दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गबार्ड की पुरानी रिपोर्ट को गलत करार दिया था। ट्रंप ने कहा था, 'अगर गबार्ड ऐसा कह रही हैं तो खुफिया एजेंसियां गलत हैं।' न्यू जर्सी में राष्ट्रपति ट्रंप से पत्रकारों ने तुलसी गबार्ड की मार्च में दिए गए बयान का जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान फिलहाल सक्रिय रूप से परमाणु हथियार नहीं बना रहा। इस पर ट्रंप ने सीधा जवाब दिया, 'तो फिर हमारी खुफिया एजेंसियां गलत हैं। किसने ऐसा कहा?' जब उन्हें बताया गया कि यह बयान तुलसी गबार्ड का था, तो ट्रंप ने कहा, 'वह गलत हैं।' इसके बाद तुलसी गबार्ड ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- 'बेईमान मीडिया मेरी गवाही को जानबूझकर तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है और झूठी खबरें फैला रही है ताकि जनता को भ्रमित किया जा सके।'

हांगकांग की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा अभी भी मौजूद

चीन के प्रशासनिक अधिकारी ने जताई आशंका

हांगकांग, 21 जून (एजेंसियां)। हांगकांग के मामलों की देखरेख करने वाले चीन के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को कहा कि हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे अभी भी बरकरार हैं। हांगकांग में कुछ वर्ष पहले विरोध प्रदर्शनों की लहर देखी गई थी। ये विरोध प्रदर्शन चीन द्वारा लागू किए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के खिलाफ हुए थे। जिसके बाद चीन ने विद्रोही नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की थी और कई को जेल में डाल दिया। हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू होने की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर हांगकांग में चीन के निदेशक जियो बाओलांग ने कहा कि अभी भी हांकांग में विरोध के स्वर बाकी हैं और ये नए रूपों में उभर सकते हैं।

जिया बाओलांग ने कहा कि हांगकांग में बाहरी ताकतों ने अभी भी अपना हस्तक्षेप बंद नहीं किया है। उन्होंने कहा कि 'हांगकांग अराजकता से व्यवस्था में बदल गया है। लेकिन अभी भी खतरे बरकरार हैं। बीजिंग और हांगकांग सरकारों ने 2019 में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद शहर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को आवश्यक माना। इसी कानून के तहत, अब बंद हो चुके 'एप्पल डेली' अखबार के संस्थापक जिमी लाइ सहित कई प्रमुख लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं पर मुकदमा चलाया गया। दर्जनों नागरिक समाज समूह भंग किए गए। इस महीने, अधिकारियों ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है, जिसमें लोकतंत्र समर्थक युवा कार्यकर्ता जोशुआ वोंग पर दूसरी बार कानून के तहत आरोप लगाए गए हैं, जिन्हें पिछले साल ही एक मामले में सजा सुनाई गई थी और एक मोबाइल गेम ऐप को निशाना बनाया गया। पिछले हफ्ते, हांगकांग में चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों और शहर की पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने के संदेह में छह लोगों के घरों पर छापेमारी की गई। चीन के आलोचकों का कहना है कि हांगकांग में पश्चिमी शैली की नागरिक आजादी, जो हांगकांग के ब्रिटिश उपनिवेश होने के दौरान थी, वह साल 1997 में हांगकांग पर चीनी शासन काबिज होने के बाद से सिकुड़ रही हैं।

लॉस एंजिलिस हिंसा के लिए जेडी वेंस ने डेमोक्रेट्स को ठहराया दोषी

सीनेटर एलेक्स पैडिला के लिए कही ये बात

लॉस एंजिलिस, 21 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में संघीय आव्रजन विभाग के छापों को लेकर हुई हिंसा के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम और लॉस एंजिलिस की मेयर करेन बास को दोषी ठहराया। इसके अलावा वेंस ने पहले लैटिन अमेरिकी सीनेटर एलेक्स पैडिला को जोस पैडिला कहा। जोस पैडिला राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के प्रशासन के दौरान अलकायदा आतंकवाद के एक दोषी साजिशकर्ता का नाम है। जिसे 20 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। सीनेटर जोस पैडिला को एक सप्ताह पहले अधिकारी जबरन

जमीन पर ले गए थे और हथकड़ी लगाई थी। क्योंकि उन्होंने लॉस एंजिलिस में आव्रजन छापों पर होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम के एक समाचार सम्मेलन के दौरान अपनी बात रखी थी।

वेंस ने कहा कि मुझे उम्मीद थी कि जोस पैडिला यहां सवाल पूछने के लिए आएंगे। मुझे लगता है कि उन्होंने इसलिए नहीं आने का फैसला किया क्योंकि वहां कोई थिएटर नहीं था। और बस यही बात है।वेंस ने कहा कि पैडिला अपने वामपंथी समूहों में वापस जाना चाहते हैं और कहना चाहते हैं, देखो, मैं सीमा प्रवर्तन के खिलाफ खड़ा हुआ था। मैं डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खड़ा हुआ था। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने लॉस एंजिलिस में मल्टीएजेंसी फेडरल जॉइंट ऑपरेशन सेंटर और मोबाइल कमांड सेंटर का दौरा किया। ट्रंप ने वेंस को लॉस एंजिलिस ऐसे समय में भेजा है जब इस्राइल-ईरान युद्ध और इसमें अमेरिका की भावी भूमिका को लेकर उथल-पुथल मची हुई है।

हलहारिणी अमावस्या 25 जून को

आषाढ़ अमावस्या पर करते हैं हल और कृषि उपकरणों की पूजा, इस दिन पौधे लगाने की है परंपरा

बुधवार, 25 जून को आषाढ़ मास की अमावस्या यानी हलहारिणी अमावस्या है। किसानों के लिए ये तिथि एक महापर्व की तरह है, क्योंकि इस दिन किसान हल और कृषि में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों की पूजा करते हैं। किसान हल से खेत जोतते हैं और फिर बीज बोते हैं। हलहारिणी अमावस्या से वर्षा ऋतु की शुरुआत मानी जाती है, ये समय नई फसल के बीज बोने के लिए सबसे अच्छा है।

इस पर्व पर पूजा-पाठ और पितरों के लिए धूप-ध्यान करने के साथ ही किसी सार्वजनिक जगह पर छायादार पेड़ का पौधा रोपना चाहिए। पौधा लगाने के साथ ही उस पौधे की देखभाल करने का भी संकल्प लेना चाहिए।

जानिए आषाढ़ अमावस्या पर कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

दिन की शुरुआत सूर्य पूजा से करना चाहिए। तांबे के लोटे में जल भरें और ॐ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए सूर्य को अर्घ्य चढ़ाएं।

घर के मंदिर में भगवान गणेश, महादेव, श्रीहरि, देवी पार्वती, श्रीकृष्ण आदि देवी-देवताओं का अभिषेक करें। जो लोग अमावस्या पर व्रत करना चाहते हैं, वे पूजा में व्रत करने का संकल्प लें।

दोपहर में पितरों की शांति और तृप्ति के लिए धूप-ध्यान, तर्पण और श्राद्ध कर्म करें। गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और पितरों का ध्यान करते हुए अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों को अर्पित करें।

किसी पवित्र नदी में स्नान करें या घर पर ही पानी में गंगाजल डालकर स्नान करें।

हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें। आप चाहें तो राम नाम का जप भी कर सकते हैं। समय हो तो सुंदरकांड कांड का पाठ भी किया जा सकता है।

जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल, अनाज, धन, या भोजन दान करें। अमावस्या की शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं और तुलसी की परिक्रमा करें।

शिवलिंग का विधिवत अभिषेक करें। तांबे के लोटे से शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल, दूर्वा, शमी के पत्ते चढ़ाएं। चंदन का लेप लगाएं। जनेऊ, अबीर, गुलाल आदि पूजन सामग्री चढ़ाएं। मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

यूपी का इटहिया मंदिर है मिनी बाबाधाम के नाम से प्रसिद्ध, नेपाल से भी यहां आते हैं भक्त

उत्तर प्रदेश का महराजगंज जिला यहां के अलग-अलग हिस्सों में स्थित धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के लिए जाना जाता है। वैसे तो जिले के कई हिस्सों में बहुत से धार्मिक स्थल मौजूद है लेकिन जब हम बात करते हैं। इटहिया शिव मंदिर की तो इसकी बात सबसे अलग है। यह प्राचीन इटहिया शिव मंदिर सिर्फ महराजगंज जिले के लोगों के लिए ही आस्था का बड़ा केंद्र नहीं है। बल्कि अब राष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी अलग पहचान बन रही है। अपने इस ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की वजह से भी इसे मिनी बाबा धाम के नाम से जाना जाता है। महराजगंज जिले के निचलौल क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति है। यह मंदिर स्थानीय लोगों के बीच श्रद्धा का केंद्र तो है ही इसके साथ ही एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में भी जाना जाता है।

जमीन से निकला पंचमुखी शिवलिंग

प्राचीन इटहिया शिव मंदिर के पुजारी ने बताया कि त्रेता युग में जब दक्षिण दिशा से काकभुशुंडी महाराज और उत्तर की दिशा से भगवान शिव आ रहे थे। काकभुशुंडी ने अपने मुंह में फल की झूठी गुठली ले रखी थी जो यही पर गिर गई। समय बितता गया और कलयुग के आखिरी चरण में यहीं पर एक पेड़ विकसित हुआ। इसके साथ ही पेड़ के पास सही पंचमुखी शिवलिंग भी धीरे-धीरे निकलने लगा। अब इसी जगह एक मंदिर का निर्माण हो चुका है जो प्राचीन इटहिया शिव मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर महराजगंज जिले के इटिया गांव में स्थित है। इटहिया शिव मंदिर पर सावन के पावन महीने में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती देखने को मिलती है।

पड़ोसी देश नेपाल से भी आते हैं श्रद्धालु

इसके साथ ही सावन के महीने में पूरे महीने मंदिर परिसर में एक बड़े मेले का आयोजन भी होता है। सावन के महीने में यहां महराजगंज जिले के साथ-साथ आसपास के जिलों के अलावा पड़ोसी देश नेपाल से भी श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या मंदिर में आते है। महीने भर चलने वाले इस मेले में स्थानीय दुकानदारों के साथ-साथ दूर-दराज के व्यापारी भी अपनी दुकानें लगाते हैं। यहां आने वाले श्रद्धालु सिर्फ पूजा-अर्चना ही नहीं करते हैं, बल्कि मेले में झूले, खाने-पीने और धार्मिक वस्तुओं की खरीददारी का आनंद भी लेते हैं।

रविवार के बाद सोमवार ही क्यों आता है? बुधवार या शनिवार क्यों नहीं

सप्ताह में 7 दिन होते हैं। रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार, ये सप्ताह के 7 दिन हैं। कैलेंडर में आपने देखा होगा कि सप्ताह की शुरूआत रविवार से होती है, जो शनिवार पर जाकर खत्म होता है। क्या आपने कभी सोचा है कि रविवार सबसे पहले क्यों आता है? रविवार के बाद सोमवार ही क्यों आता है? रविवार के बाद बुधवार, गुरुवार या शनिवार क्यों नहीं आता है? इस सवाल का जवाब वैदिक ज्योतिष में है, जो आपके मन की इस जिज्ञासा को शांत कर सकता है।

राज्यसभा सांसद और भाजपा के नेता डॉ। सुधांशु त्रिवेदी को राजनीति के साथ ज्योतिष, धर्म और अन्य विषयों पर भी अच्छी पकड़ है। एक वीडियो में उन्होंने बताया है कि सप्ताह में सबसे पहले रविवार का दिन क्यों आता है? रविवार से ही सप्ताह की शुरूआत क्यों होती है? सोमवार या गुरुवार से क्यों नहीं?

डॉ। सुधांशु त्रिवेदी कहते हैं कि सप्ताह में 7 दिन होते हैं, संडे के बाद मंडे, मंडे के बाद ट्यूजडे, ट्यूजडे के बाद वेडनेसडे, वेडनेसडे के बाद थर्सडे क्यों आता है? यह तो पूरी दुनिया मानती है। अब आप बताएं कि इसके पीछे कोई लॉजिक हो तो। संडे का सबसे पहले आना समझ में आता है कि सूर्य सबसे बड़ा ग्रह है इसलिए संडे पहले आता है, लेकिन जो हमसे कहते हैं कि आप भी तो 7 ही ग्रह मानते हैं, लेकिन ग्रह तो 9 होते हैं। आप भी तो सात ही दिन मानते हो, लेकिन सवाल हम से पूछते हो।

डॉ। सुधांशु त्रिवेदी आगे कहते हैं कि अगर सूर्य आकार के आधार पर सबसे बड़ा ग्रह है और उसे पहले होना चाहिए तो आकार के आधार पर दूसरा बड़ा ग्रह बृहस्पति है, इसलिए रविवार के बाद गुरुवार होना चाहिए, तीसरा बड़ा ग्रह शनि है, तो गुरुवार के बाद शनिवार होना चाहिए। यदि ग्रहों के निकटता के आधार पर देखा जाए तो सूर्य के पास बुध ग्रह है, तो रविवार के बाद बुधवार आना चाहिए। लेकिन ऐसा क्यों होता है?

वैदिक ज्योतिष में छिपा है सप्ताह के 7 दिनों के क्रम का राज

वो आगे बताते हैं कि इसका कारण विशुद्ध भारतीय ज्ञान है, वैदिक ज्योतिष में एक चीज है, जिसका नाम है होरा। जो लोग ज्योतिष में थोड़ा बहुत ज्ञान रखते हैं, वे समझते हैं इसके बारे में। होरा शब्द से ही ग्रीक का हॉरोस्कोप शब्द आया है, जिसका अर्थ राशिफल होता है।

होरा के अनुसार, अगर सूर्य की पहली होरा है तो 24 घंटे के बाद जब 25वां घंटा लगेगा तो वह चंद्रमा का होरा होगा। यानि दूसरे दिन जब पहली होरा लगेगी,

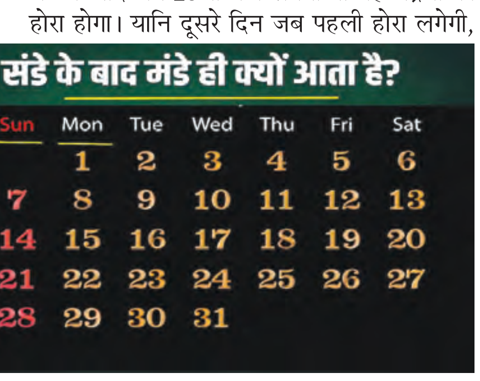

तो वह चंद्रमा की होरा होगी। फिर चंद्रमा के होरा के बाद जो 25वां घंटा प्रारंभ होगा, यानि तीसरे दिन जब पहली होरा होगी, वो मंगल की होरा होगी। ऐसे ही जब मंगल की होरा खत्म होगी और 25वां घंटा प्रारंभ होगा तो वह बुध की होरा होगी यानि की चौथे दिन की पहली होरा बृहस्पति की होगी।

इस आधार पर देखा जाए तो वैदिक ज्योतिष में होरा की जो गणना का क्रम है कि पहले सूर्य, फिर चंद्र, फिर बुध, फिर गुरु, शुक्र और शनि, उसी के क्रम में सप्ताह के ये 7 दिन रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार आते हैं।

डॉ। सुधांशु त्रिवेदी बताते हैं कि जब हम सब के घर में पंडित जी नवग्रह शांति का मंत्र पढ़ते हैं तो सभी ने सुना है ॐ ब्रह्मा मुरारि त्रिपुरांतकारी भानुः शशी भूमिसुतो बुधश्च। गुरुश्च शुक्रः शनि राहुकेतवः सर्वेग्रहाः शांतिकरा भवन्तु ॥ इस मंत्र में भी आप देखें तो सबसे पहले ग्रह आता है भानु यानि सूर्य, शशि यानि चंद्रमा, भूमि सुतो यानि भूमि पुत्र मंगल, उसके बाद बुध, फिर गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु। इसमें भी क्रम देखें तो पहले संडे, फिर मंडे, ट्यूजडे, वेडनेसडे का ही क्रम आता है।

चित्रकूट का पवित्र धाम श्री कामदगिरि

भारतीय संस्कृति में एक पूजनीय स्थान चित्रकूट धाम, धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। इस पवित्र स्थल के केंद्र में कामदगिरि पर्वत है , जिसे चित्रकूट का सबसे महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान राम, देवी सीता और भगवान लक्ष्मण ने अपने वनवास के दौरान यहीं निवास किया था। यह पवित्र पर्वत केवल एक प्राकृतिक संरचना नहीं है; यह लाखों भक्तों के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का एक गहन स्रोत है।

कामदगिरि पर्वत का धार्मिक महत्व

'कामदगिरि' दो शब्दों से मिलकर बना है- 'कामना' (इच्छा) और 'गिरि' (पर्वत)। ऐसा कहा जाता है कि इस पवित्र पर्वत की परिक्रमा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कामदगिरि का महत्व सिर्फ़ धार्मिक कहानियों तक सीमित नहीं है; यहाँ मिलने वाली आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति बेजोड़ है। चित्रकूट के विभिन्न मंदिरों में, कामदगिरि पर्वत का एक अलग ही स्थान है और इसकी परिक्रमा करना चित्रकूट आने वाले हर तीर्थयात्री के लिए एक ज़रूरी धार्मिक अनुष्ठान है।

कामदगिरि परिक्रमा: एक आध्यात्मिक यात्रा

कामदगिरि पर्वत के चारों ओर परिक्रमा लगभग 5 किलोमीटर तक फैली हुई है और इसे करने वालों को एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करती है। भक्तगण पूरी श्रद्धा के साथ नंगे पैर चलते हैं और कई प्राचीन मंदिरों और पवित्र स्थलों का दर्शन करते हैं। वातावरण भजन, प्रार्थना और मंत्रों से भरा होता है, जो आध्यात्मिक माहौल को बढ़ाता है।

परिक्रमा के दौरान मुख्य आकर्षण श्री कामता नाथ मंदिर है। भगवान राम के एक रूप भगवान कामता नाथ को समर्पित यह मंदिर वह स्थान है जहाँ भक्त अपनी समस्याओं के समाधान और अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। ऐसा माना जाता है कि जो लोग इस पवित्र परिक्रमा को करते हैं, उन्हें भगवान कामता नाथ का आशीर्वाद आसानी से मिल जाता है।

प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आध्यात्मिक शांति

कामदगिरि पर्वत के आस-पास का क्षेत्र हरियाली और शांत वातावरण से घिरा हुआ है, जो आध्यात्मिक शांति और प्राकृतिक सुंदरता दोनों प्रदान करता है। जब आप परिक्रमा पथ पर चलते हैं, तो शांत वातावरण, देवताओं की पवित्र उपस्थिति के साथ, मन और आत्मा दोनों पर एक शांत प्रभाव प्रदान करता है।

कामदगिरि पर्वतः आपकी चित्रकूट यात्रा का मुख्य आकर्षण कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा के बिना चित्रकूट धाम की कोई भी तीर्थयात्रा पूरी नहीं मानी जाती। यह पवित्र पर्वत न केवल गहरा धार्मिक महत्व रखता है बल्कि आंतरिक शांति और आध्यात्मिक उत्थान का भी प्रतीक है। परिक्रमा में भाग लेना हर भक्त के लिए एक अमूल्य अनुभव है, जो उनकी आस्था और ईश्वर से जुड़ाव को मजबूत करता है।

स्थानः कामदगिरि पर्वत चित्रकूट

में स्थित है , जो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर

स्थित एक शहर है। परिक्रमा कामता नाथ मंदिर के पास से शुरू होती है, जहाँ शहर के किसी भी हिस्से से आसानी से पहुँचा जा सकता है।

चित्रकूट कैसे पहुंचें:

हवाई मार्ग से:

निकटतम हवाई अड्डा खजुराहो हवाई अड्डा है , जो चित्रकूट से लगभग 175 किमी दूर स्थित है । हवाई अड्डे से आप चित्रकूट पहुँचने के लिए टैक्सी या बस ले सकते हैं।

ट्रेन द्वारा:

निकटतम रेलवे स्टेशन चित्रकूट धाम कर्वी है , जो इलाहाबाद, झांसी और दिल्ली जैसे प्रमुख शहरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। स्टेशन कामदगिरि पर्वत से लगभग 10 किमी दूर है , और ऑटो, टैक्सी और बस जैसे स्थानीय परिवहन विकल्प उपलब्ध हैं।

सड़क मार्गः

चित्रकूट उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

इलाहाबाद सेः सतना से 125 किमी : झाँसी से 75 किमीः वाराणसी से 275 किमीः 255 किमी

इन शहरों से बसें और निजी टैक्सियाँ उपलब्ध हैं, जिससे चित्रकूट तक पहुँचना आसान हो जाता है। एक बार जब आप शहर में पहुँच जाते हैं, तो छोटी यात्राओं के लिए ऑटो-रिक्शा और साइकिल रिक्शा जैसे स्थानीय परिवहन विकल्प उपलब्ध हैं।

यात्रा का सबसे अच्छा समयः

कामदगिरि पर्वत की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय सर्दियों के महीनों (अक्टूबर से मार्च) के दौरान होता है जब मौसम सुहावना होता है। राम नवमी और दिवाली जैसे त्यौहारों के दौरान , यह स्थान तीर्थयात्रियों से भरा होता है, जिससे एक जीवंत, भक्तिमय माहौल बनता है।

कहाँ ठहरें:

चित्रकूट में बजट होटलों से लेकर आश्रमों तक कई प्रकार के आवास उपलब्ध हैं।

आश्रम और धर्मशालाएँ: कई धार्मिक संस्थाएँ तीर्थयात्रियों के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराती हैं।

होटल: चित्रकूट में कई बजट और मध्यम श्रेणी के होटल उपलब्ध हैं। पीक सीजन के दौरान पहले से बुकिंग करवाना उचित है।

शनि वक्री का राशियों पर असर, जानें कब मिलेगी राहत!

13 जुलाई से शनि वक्री चाल में होंगे। जानें किन राशियों पर पड़ेगा सबसे ज्यादा प्रभाव, क्या सावधानियां रखें और क्या करें उपाय।

शनि, न्याय और कर्म के देवता। लेकिन जब वे वक्री चाल में जाते हैं, तो उनके निर्णय तेज, गहरे और अचूक हो जाते हैं। 2025 में शनि 13 जुलाई से 28 नवंबर तक वक्री रहेंगे। लोग इसे केवल खगोलीय घटना समझने की भून कतई न करें, यह एक कर्म पुनरावलोकन की घड़ी है। यानि आपने जो बोया है उसे काटने का समय आ गया है।

शनि वक्री को लेकर शास्त्र क्या कहते हैं?

'वक्रे शनि न्यायकर्ताऽस्ति, सः पूर्वकृतं समर्पयति।'

अर्थात, वक्री शनि पहले किए कर्मों का सीधा फल लौटा देते हैं, चाहे अच्छा हो या बुरा।

किसे हो सकता है असर?

मीन साढ़ेसाती का दूसरा चरण

मानसिक थकान, परिवारिक भ्रम, आध्यात्मिक उलझन

निर्णायक फैसलों से बचें

मेष (Aries) साढ़ेसाती शुरू

नौकरी में बाधा, बॉस से टकराव, कार्यों में बाधा

नया निवेश सोच समझकर करें

कुंभ साढ़ेसाती का अंतिम चरण

पुराने पापों का उभार, स्वास्थ्य और हड्डियों से जुड़ी समस्याएं

अटके कामों में गति आएगी। जॉब बदलने का योग

सिंह शनि की ढैय्या

पद प्रतिष्ठा में आघात, पिता से वैचारिक संघर्ष सामाजिक जीवन में दिक्कत, धन का व्यय

धनु ढैय्या का आरंभ

भूमि-वाहन विवाद, सरकारी अड़चनें

शिक्षा में बाधा, लव लाइफ में परेशानी

ज्योतिषीय दृष्टिकोण से शनि वक्री के परिणाम बृहत्पाराशर होरा शास्त्र कहता है

'शनि वक्री सदा दण्डकारी, पापयुक्ते विशेषतः।'

अर्थात, जब शनि वक्री होते हैं, तब वे विशेष रूप से उन लोगों को दंड देते हैं जिनके कर्म या संकल्प असत्य या अहंकारपूर्ण रहे हों।

फलदीपिका के अनुसार वक्री शनि कभी-कभी पूर्व जन्म के कर्मों का भी तत्काल प्रभाव दिखाते हैं, जैसे अचानक रोग, कोर्ट-कचहरी, या सामाजिक कलंक।

क्या करें उपाय?

किसे मिलेगा लाभ?

तुला, मकर, वृषभ, कन्या राशि के लोग यदि न्यायप्रिय हैं तो उन्हें अचानक न्याय, प्रोमोशन, विदेश यात्रा या आर्थिक सुधार मिल सकते हैं। वक्री शनि उन कर्मशील लोगों को अचानक वरदान भी दे सकते हैं जो अपने प्रयास में सच्चे रहे हैं।

घबराएं नहीं शनि वक्री 2025 कोई महासंग्राम नहीं यह आपके कर्मों की रिपोर्ट कार्ड है! इसलिए डरिए मत अगर आपने न्याय किया है तो अब शनि फील गुड कराने वाले हैं।

भारत का एक ऐसा चमत्कारी मंदिर जहां राहु देव की मूर्ति पर दूध चढ़ाकर केतु ग्रह के दुष्प्रभावों से मिलती है मुक्ति

वैदिक ज्योतिष के मुताबिक कुंडली के नौ ग्रहों में दो ग्रह राहु और केतु को छाया ग्रह माना गया है। अगर कुंडली में राहु और केतु खराब स्थिति में हों तो यह जातक के जीवन को परेशानियों से भर देते हैं। वैसे आपको बता दें कि कलयुग में इन दोनों ग्रहों का सबसे ज्यादा प्रभाव माना जाता है।

इसके पीछे की वजह यह है कि वैदिक ज्योतिष के मुताबिक, केतु आध्यात्मिक जीवन, दुष्कर्म, दंड, छिपे हुए शत्रु, खतरे और गुप्त विद्या को नियंत्रित करता है। इसके साथ ही यह गहरी सोच, ज्ञान की आकांक्षा, बदलती घटनाओं, आध्यात्मिक विकास, धोखाधड़ी और मानसिक रोग से भी जुड़ा हुआ है।

इसके साथ ही केतु को जातक के पिछले जन्म के कर्म का संकेतक भी माना जाता है और यह आपके वर्तमान जीवन की स्थितियों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

समस्याओं से छुटकारा पाने में मदद करता है केतु

ऐसे में केतु का कुंडली में अच्छा होना जातक की इच्छा पूर्ति, पेशेवर सफलता प्राप्त करने और समस्याओं से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके साथ ही बता दें कि केतु को ज्ञान का कारक, बुद्धि प्रदाता भी माना जाता है। हिंदू ज्योतिष के मुताबिक कुंडली का शुभ केतु परिवार में समृद्धि लाता है। वह जातक को अच्छा स्वास्थ्य और धन प्रदान करता है। केतु तीन नक्षत्रों का स्वामी है, जो अश्विनी, मघा और मूल हैं।

केतु ग्रह के स्वामी भगवान गणेश और अधिपति भगवान भैरव हैं। भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं और केतु के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए उनकी पूजा की जाती है।

केतु रहस्य, तंत्र, और आध्यात्मिकता से जुड़ा हुआ है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक केतु का मुख्य दिन मंगलवार माना जाता है। इसलिए केतु के प्रभाव मंगल के समान हैं।

केतु की पूजा करने से नकारात्मक प्रभाव समाप्त

ऐसे में दक्षिण भारत में एक मंदिर है जहां केतु की पूजा की जाती है और जो जातक वहां जाकर पूजा में शामिल होता है। उसकी कुंडली से केतु के नकारात्मक प्रभाव समाप्त होते हैं और उसे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

ऐसा ही एक प्रसिद्ध मंदिर तमिलनाडु के कीझापेरुमपल्लम गांव में स्थित हैं जिसे नागनाथस्वामी मंदिर या केति स्थल के नाम से भी जाना जाता है। कावेरी नदी के तट पर बसा यह मंदिर केतु देव को समर्पित है और इस मंदिर के मुख्य देव भगवान शिव है।

ईरान की धमकी और इजराइल की जिद

पुतिन ने इन 20 देशों को दे दी ये हिदायत

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल वॉर अपने चरम पर है। जहां ईरान अपनी ताकत दिखाने और धमकी देने से बाज नहीं आ रहा है। वहीं दूसरी ओर इजराइल भी ईरान को पूरी तरह से नेस्तानाबूत करने की जिद पर अड़ा है। जिसके लिए उसने बीते कुछ दिनों में अरबों डॉलर फूंक दिए हैं। इसी बीच दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में शुमार रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का बयान सामने आ गया है। पुतिन ने दुनिया के 20 देशों को हिदायत दे दी है। साथ ही कहा है कि कोई एक्शन लेने की जरुरत नहीं है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर पुतिन ने कौन से 20 देशों को हिदायत दी है और अपनी हिदायत में उन्होंने क्या कहा है? आपको बता दें कि रूस खुद यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। ऐसे रूसी राष्ट्रपति का बयान काफी अहम माना जा रहा है।

पुतिन की 20 देशों को हिदायत

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को सेंट पीटर्सबर्ग इकोनॉमिक फोरम को कहा है कि ईरान और इज़राइल के बीच संघर्ष के कारण तेल की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, और तेल उत्पादकों के ओपेक+ ग्रुप को तेल बाजारों में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है। जी हां, इस ओपेक प्लस देशों में कुल 22 देश हैं। जिसमें ईरान भी शामिल हैं। ईरान इस समय युद्ध में उलझा हुआ है।

ऐसे में रूस का अपने बाकी 20 ओपेक देशों को ये हिदायत देना काफी कम हैं। इन 20 देशों में अल्जीरिया, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, सऊदी अरब, यूएई, वेनेजुएला, अजरबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कजाकिस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, दक्षिण सूडान और सूडान शामिल हैं।

हुआ है कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा

इजराइल और ईरान के बीच एक हफ्ते से चल रहे हवाई युद्ध के बढ़ने और संभावित अमेरिकी भागीदारी के बारे में अनिश्चितता के कारण निवेशकों में बेचैनी बनी हुई है, जिससे तेल की कीमतों में उछाल आया है, ब्रेंट क्रूड वायदा जनवरी के अंत से अपने हाईएस्ट लेवल पर पहुंच गया है। पुतिन ने कहा कि तेल की कीमत अब लगभग 75 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि संघर्ष बढ़ने से पहले यह 65 डॉलर प्रति बैरल थी। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट की मौजूदा स्थिति और ईरान और इजराइल के संघर्ष के बीच कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि हमारे विशेषज्ञों की राय में यह वृद्धि महत्वपूर्ण नहीं है। ईरान पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन के सदस्यों में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। शत्रुता से इसकी तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है और इससे कीमतें बढ़ सकती हैं। पुतिन ने यह भी कहा कि ओपेक प्लस जो दुनिया के लगभग आधे तेल का उत्पादन करता है – तेल उत्पादन बढ़ा रहा है, लेकिन ऐसा धीरे-धीरे कर रहा है, ताकि तेल बाजार में संतुलन और "आरामदायक" कीमतें सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने कहा, "हम सब मिलकर देखेंगे कि स्थिति कैसे सामने आती है। अभी तक तत्काल किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देने की जरुरत नहीं है। कुछ दिन पहले इराक के डिप्टी पीएम ने एक बयान में कहा था कि अगर ईरान और इजराइल के बीच युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतें 200 से 300 डॉलर हो सकती है। अगर ऐसा हुआ तो पूरी दुनिया में महंगाई का जबरदस्त विस्फोट देखने को मिल सकता है। ग्लोबल इंफ्लेशन 16 से 20 फीसदी के बीच देखने को मिल सकता है। जिसे संभालना दुनिया के किसी भी ताकतवर देश के लिए काफी मुश्किल होगा।

पतंजलि बचाएगा भारत के 9 लाख करोड़, मलेशिया से कर डाली बड़ी डील

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। भारत का इंपोर्ट बिल सिर्फ क्रूड ऑयल या फिर गोल्ड ही नहीं बल्कि क्रूड एडिबल ऑयल से भी काफी बढ़ता है. एक अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2025 भारत का एडिबल ऑयल इंपोर्ट 104 बिलियन डॉलर यानी 9 लाख करोड़ रुपए तक हो सकता है. अब आप समझ सकते हैं कि भारत में एडिबल ऑयल की कितनी डिमांड है. वो भी तब जब भारत भी इस मोर्चे पर प्रोडक्शन में कोई कमी नहीं छोड़ रहा, लेकिन अपनी खुद की डिमांड पूरी करने के लिए भारत को एडिबल ऑयल का इंपोर्ट करना पड़ता है. अब पतंजलि ने इस खर्च को कम करने या फिर खत्म करने का जिम्मा उठाया है. पतंजलि ने मलेशिया की सरकार के साथ एक बड़ी डील की है. जिसके तहत वहां भी सरकार ने पाम ऑयल के बीज लेकर पतंजलि भारत में प्रोडक्शन करेगी. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर ये डील क्या है और भारत को इससे कितना फायदा हो सकता है.

क्या हुई पतंजलि और मलेशिया की डील?

मलेशिया की सरकारी एजेंसी सावित किनाबालु समूह के साथ पतंजलि के साथ 5 साल का कांट्रैक्ट किया है. इस कांट्रैक्ट के तहत मलेशियाई कंपनी पतंजलि को 40 लाख पाम ऑयल के बीज सप्लाई करेगी. कंपनी अभी तक पतंजलि को 15 लाख पाम ऑयल सप्लाई कर चुकी है. ये कांट्रैक्ट साल 2027 में खत्म होने जा रहा है. खास बात तो ये है कि मलेशियाई कंपनी हर साल पाम के एक करोड़ से ज्यादा बीज प्रोसेस्ड करती है. खास बात तो ये है कि कृषि विशेषज्ञों द्वारा उत्पादन स्थल का दौरा किया जाएगा और रोपित बीजों की क्वालिटी की निगरानी की जाएगी. जानकारी के अनुसार पहली बार मलेशियाई सरकार की ओर से ऐसा कांट्रैक्ट जिसके तहत पाल बीजों की सप्लाई करेगी.पतंजलि ग्रुप, पूर्वोत्तर भारत में पाम तेल मिल स्थापित करने की योजना बना रहा है, जिसके 2026 तक चालू होने की उम्मीद है. भारत में वर्तमान में लगभग 3,69,000 हेक्टेयर भूमि पर पाम की खेती होती है, जिसमें से करीब 1,80,000 हेक्टेयर पर पाम लगभग तैयार है. खेती का क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है जो 2024 तक लगभग 375,000 हेक्टेयर तक पहुंच गया. निकट भविष्य में इसमें 80,000 से 1,00,000 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र जुड़ने की उम्मीद है. सरकार का लक्ष्य इसे 2030 तक 66 लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करना है, जिससे 28 लाख टन पाम तेल का उत्पादन हो सकेगा.वित्त वर्ष 2021-22 में शुरू किया गया नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल्स-पाम ऑयल (एनएमईओ-ओपी) पाम की खेती को बढ़ावा देने की केंद्र सरकार की प्रमुख योजना है. इसके तहत मुख्य तौर पर पूर्वोत्तर भारत और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है.भारत के पाम तेल के कुल उत्पादन में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल की 98 प्रतिशत हिस्सेदारी है.पतंजलि का ये प्लान भारत के 9 लाख करोड़ रुपए के एडिबल ऑयल इंपोर्ट बिल को कम करने में मदद करेगा. रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का एडिबल ऑयल इंपोर्ट बिल 104 बिलियन डॉलर यानी 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकता है.

सौर ऊर्जा नवाचार के लिए एमएनआरई का नेशनल स्टार्टअप चैलेंज; जीतने वालों को क्या मिलेगा?

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स स्टार्टअप चैलेंज लॉन्च किया है। मंत्रालय ने कहा कि इस अनूठी राष्ट्रीय चुनौती का उद्देश्य भारत की छतों पर सौर ऊर्जा (आरटीएस) और वितरित अक्षय ऊर्जा (डीआरई) तंत्र के लिए सफल सामाधानों की पहचान करना और उन्हें समर्थन देना है। इस प्रतियोगिता में नवप्रवर्तकों और स्टार्टअप्स आवेदन कर सकते हैं।

इस चुनौती में ग्रीन टेक, आईओटी, एआई,ब्लॉकचेन, निर्माण, ऊर्जा हार्डवेयर, फिनटेक और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में स्टार्टअप्स की एक विस्तृत श्रृंखला का स्वागत किया गया है।

इन्हें इन चार प्रमुख श्रेणियों पर फोकस करना होगा;

वहनीयता - कम और मध्यम आय वाले घरों के लिए सौर ऊर्जा पैनल ज्यादा किफायती कैसे बनाएं।

लचीलापन- विशेष रूप से कमजोर और दूरदराज के क्षेत्रों के लिए डिजास्टर-प्रूफ, ग्रिड स्थिर और साइबर सुरक्षित सोलर सिस्टम।

समावेशिता- समुदाय आधारित सोलर, वर्चुअल नेट मीटरिंग से दूर-दराज इलाकों में भी पहुँच। पर्यावरणीय स्थिरता- सोलर पैनलों की रीसाइकलिंग, जमीन बचाने वाले सिस्टम, और हाइब्रिड ऊर्जा मॉडल ।

विजेताओं को धनराशि के साथ मिलेगा एमएनआरई का समर्थन

इसमें प्रथम स्थान पाने वाले को एक करोड़ रुपये का पुरस्कार मिलगा। वहीं, द्वितीय पुरस्कार के लिए 50 लाख , तृतीय पुरस्कार के लिए 30 लाख रुपये और पांच-पांच लाख रुपये के 10 सांत्वना पुरस्कार शामिल हैं। इसके साथ ही विजेताओं को एमएनआरई और राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) से सपोर्ट मिलेगा, इन्क्यूबेशन सहायता, पायलट कार्यान्वयन के अवसर और डोमेन विशेषज्ञों और निवेशकों का मार्गदर्शन मिलेगा।

20 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन

इसमें भाग लेने के लिए आप स्टार्टअप इंडिया की वेबसाइट पर आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2025 है और परिणाम 10 सितंबर, 2025 को घोषित किया जाएंगे।

'पिक्चर अभी बाकी है...', 2029 में अपनी भूमिका पर पूछे गए सवाल पर नितिन गडकरी का जवाब

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को 2029 आम चुनाव में अपनी भूमिका पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में जो कुछ देखा गया, वह सिर्फ एक न्यूज रील था। असली फिल्म अभी आनी बाकी है। हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि पार्टी ही अपने पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों के बारे में फैसला करती है। ऐसे में आलाकमान जिस भी पद के लिए तय करेंगे, वह काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, 'अभी तक जो हुआ है, वह तो न्यूज रील थी। असली फिल्म शुरू होना अभी बाकी है। गडकरी ने कहा, 'कार्यकर्ता की जिम्मेदारी और वह क्या काम करेगा, यह पार्टी तय करती है। मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, मैं उसे पूरा करूंगा।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने कभी अपना राजनीतिक बायोडेटा आगे नहीं बढ़ाया। इसके अलावा उन्होंने कभी भी समर्थकों से हवाई अड्डों पर उनके लिए भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भी नहीं कहा। गडकरी ने कहा कि उनकी व्यक्तिगत इच्छा विदर्भ में किसानों की आत्महत्या को रोकने की दिशा में काम करना है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, 'आजकल मैं सड़क निर्माण के बजाय कृषि और अन्य सामाजिक पहलों पर अधिक काम करता हूं।' यह पूछे जाने पर कि भारत की प्रति व्यक्ति आय दुनिया में शीर्ष 10 में क्यों नहीं है? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसके लिए देश की जनसंख्या जिम्मेदार है। जनसंख्या नियंत्रण विधेयक का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा, 'यह कोई धार्मिक या भाषाई मुद्दा नहीं है। यह एक आर्थिक मुद्दा है। इतना विकास होने के बावजूद परिणाम नहीं दिख रहे हैं। इसका कारण बढ़ती जनसंख्या है।' उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) नेता सुधाकर बडगुजर के भाजपा में शामिल होने के सवाल को यह कहकर टाल दिया कि वह उन्हें नहीं जानते और उनसे कभी मिले भी नहीं हैं। साक्षात्कार के दौरान गडकरी ने मोदी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों पर विस्तार से बात की।

ट्रंप ने ईरान को क्यों दी 14 दिन की मोहलत?

क्या है 'टैको' प्लान का राज?

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को दो सप्ताह की मोहलत देकर वैश्विक कूटनीति में हलचल मचा दी है। यह मोहलत ईरान-इजराइल के बीच चल रहे तनाव और इजराइल की सैन्य कार्रवाइयों के बीच अमेरिका के संभावित हस्तक्षेप से बचने के लिए दी गई है। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि ईरान के पास अधिकतम दो सप्ताह हैं, वरना अमेरिका हवाई हमलों पर विचार कर सकता है। लेकिन इस "14 दिन की समयसीमा और इसके पीछे छिपे 'टैको प्लान' की चर्चा ने सवाल खड़े किए हैं। क्या यह वाकई कूटनीति का मौका है या ईरान को भ्रमित करने की रणनीति? अगर अमेरिका ईरान पर सीधे तौर पर हमला करता है, इसका पूरी दुनिया की इकोनॉमी पर क्या असर होगा उसे भी समझते हैं। ट्रंप का यह बयान तब आया जब इजराइल ने दावा किया कि उसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को कम से कम दो साल पीछे धकेल दिया है। ट्रंप ने इजराइल को हमले रोकने के लिए कहने से इनकार कर दिया, क्योंकि उनके मुताबिक जो जीत रहा है, उसे रोकना मुश्किल है। उन्होंने यूरोपीय मध्यस्थता को भी खारिज करते हुए कहा कि ईरान केवल अमेरिका से बात करना चाहता है। यह बयान ट्रंप की उस टिप्पणी के बाद आया जिसमें उन्होंने पहले कहा था कि वह दो सप्ताह में फैसला लेंगे कि अमेरिका को सैन्य कार्रवाई करनी है या नहीं।कई विशेषज्ञ इसे ट्रंप की 'ट्रिक ऑर टैको' रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। "टैको" शब्द यहां एक रूपक के तौर पर देखा जा रहा है, जो उनकी अप्रत्याशित और भ्रमित करने वाली कूटनीति को दर्शाता है। कुछ का मानना है कि यह समयसीमा ईरान को दबाव में लाने की रणनीति है, ताकि वह अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करे। दूसरी ओर, यह भी हो सकता है कि ट्रंप इस समय का उपयोग अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करने और क्षेत्र में दूसरा विमानवाहक पोत तैनात करने के लिए कर रहे हों, जैसा कि कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है।

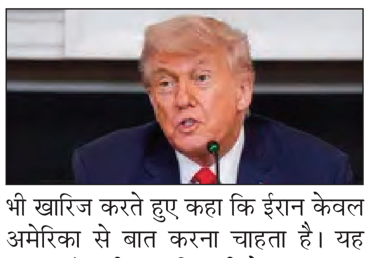

1 जुलाई से दिल्ली में पुराने वाहन वालों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। कमीशन ऑफ एयर क्वालिटी मैनेज्मेंट (सीएक्यूएम) ने घोषणा की है कि 1 जुलाई से दिल्ली के फ्यूल पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरों के माध्यम से पहचाने गए सभी एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) व्हीकल्स को फ्यूल भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) वाहन 10 साल से अधिक पुराना कोई भी डीजल वाहन और 15 साल से अधिक पुराना पेट्रोल वाहन है। सीएक्यूएम के अनुसार, यह प्रतिबंध 1 नवंबर से गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत तक फैल जाएगा और 1 अप्रैल, 2026 से एनसीआर के बाकी हिस्सों को कवर करेगा। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सीएक्यूएम ने किस तरह का ऐलान किया है।

3.63 करोड़ से अधिक वाहनों की जांच

सीएक्यूएम के मेंबर डॉ वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि दिल्ली भर में 500 फ्यूल स्टेशनों पर एएनपीआर कैमरे लगाए गए हैं, जिससे वाहनों के डेटा की रीयल-टाइम ट्रैकिंग संभव हो गई है। अब तक, सिस्टम ने 3.63 करोड़ से अधिक वाहनों की जांच की है, जिनमें से 4.90 लाख को एंड-ऑफ-लाइफ के रूप में चिह्नित किया गया है। शर्मा ने यह भी कहा कि 29.52 लाख वाहनों ने अपने प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) का नवीनीकरण कराया है, जिसके परिणामस्वरूप 168 करोड़ रुपए के चालान जारी किए गए हैं।

100 इंफोर्समेंट टीमें करेंगी काम

इसके अलावा, इंफोर्समेंट बढ़ाने के लिए, दिल्ली परिवहन विभाग ने डेटा की निगरानी करने, सबसे ज़्यादा फ़्लैग किए गए वाहनों वाले फ्यूल स्टेशनों की पहचान करने और सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए 100 समर्पित टीमों को तैनात किया है। शर्मा ने कहा कि दिल्ली और एनसीआर की हवा को साफ करने के लिए पुराने बीएस मानक वाले वाहनों को हटाना बहुत ज़रूरी है। ये वाहन वायु प्रदूषण में बड़ी भूमिका निभाते हैं। अब जब एक पारदर्शी, डिजिटल और जवाबदेह सिस्टम लागू हो गया है, तो इस सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए टोल सेंटर्स पर भी इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

ईरान के पड़ोसी देश में कितना हो जाता है भारत का 100 रुपये

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल के बीच में जंग लगातार चल ही रही है। इस बीच आपने दोनों देशों की मजबूती और कमजोरी के बारे में भी देखा होगा। उनकी करेंसी के बारे में भी चर्चाएं सुनी होंगी। लेकिन क्या आपको पता है कि ईरान के पड़ोसी मुल्क इराक की करेंसी क्या है। उसकी वैल्यू अभी कितनी है और तो और भारत के 100 रुपये इराक में वहां की करेंसी की कितनी वैल्यू के बराबर होंगे।

इराक, ईरान का पड़ोसी मुल्क है। इराक में इराकी दीनार नाम की करेंसी चलती है। जिसकी वैल्यू फिलहाल भारतीय रुपये से बहुत कम है। 1 इराकी दीनार की वैल्यू भारतीय रुपये में करीब 0.066 पर ठहरती है। आइए आपको बताते हैं, कि इराक में भात के 100 रुपये को वैल्यू कितनी होगी। अगर आप इराक घूमने-फिरने जा रहे हैं, तो आपके लिए यह जानना जरूरी है कि इंडिया के रुपये की वैल्यू इराक में जाकर कितनी होगी। अपने सफर में आपको कितने रुपये खर्च करने होंगे। अगर अभी के डेटा के हिसाब से देखें तो 100 रुपये भारतीय करेंसी की वैल्यू इराक में 1513.88 इरानी दीनार के बराबर होगी। आप भारत के 100 रुपये इराक में जाकर 1513.88 इराकी दीनार में बदलवा सकते हैं। मिडिल ईस्ट इन दिनों ईरान और इजराइल के बीच छिड़ी भयानक जंग से जूझ रहा है। ग्लोबल टेंशन बढ़ रहा है। दुनिया भर की इकोनॉमी पर इसका सीधा असर देखने को भी मिल रहा है। ईरान और इजराइल की करेंसी पर पर इसका तनाव दिखाई दे रहा है।

ईरान-इजरायल युद्ध में अनोखी चोरी

इजरायली हैकर्स ने आठ सौ करोड रुपये की क्रिप्टोकरेंसी चुराकर 'जला' दी

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल का युद्ध अब डिजिटल तौर पर आर्थिक नुकसान की ओर बढ़ गया है। प्रीडेटरी स्पैरो नाम के इजरायली हैकिंग ग्रुप ने ईरान के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज नोबिटेक्स से 90 मिलियन डॉलर से ज्यादा (करीब 800 करोड़ रुपये) चुराने का दावा किया है। इस ग्रुप को गोंजेशके दरंदे के नाम से भी जाना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पैसे रखने के बजाय उसे नष्ट कर दिया। उनका मकसद एक राजनीतिक संदेश देना था। फॉर्च्यून के मुताबिक इजरायल से जुड़े हैकर्स ने ईरानी क्रिप्टो एक्सचेंज पर हमला किया। यह हमला ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के समय हुआ है। हैकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'ये साइबर हमले इस वजह से किए गए हैं क्योंकि नोबिटेक्स आतंकवाद को वित्तीय सहायता देने और प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के लिए एक प्रमुख शासन उपकरण बन गया है।' हैक के बाद नोबिटेक्स ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि अधिकांश करेंसी कोल्ड वॉलेट्स में सुरक्षित हैं और इस हमले से प्रभावित नहीं हुई हैं।हैकर्स ने एक भी पैसा नहीं रखा। क्रिप्टो एनालिटिक्स फर्म एलिप्टिक ने बताया कि प्रीडेटरी स्पैरो ने 90 मिलियन डॉलर के बिटकॉइन, डॉगकॉइन और 100 से ज्यादा अलग-अलग क्रिप्टोकरेंसी चुराए। लेकिन उन्होंने इन फंड्स को भुनाने के बजाय नष्ट कर दिया। क्रिप्टो की भाषा में इसे 'बर्न' करना कहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वे एक राजनीतिक संदेश भेजना चाहते थे। फॉर्च्यून के अनुसार, ब्लॉकचेन एड्रेस या डेटाबेस में वे स्थान जो रेकॉर्ड करते हैं कि किसके पास कितना पैसा है। ये आमतौर पर बेतरतीब ढंग से बनाए जाते हैं। इनमें संख्याओं और अक्षरों का एक उलझा हुआ क्रम होता है। लेकिन इस ऑपरेशन के लिए, प्रीडेटरी स्पैरो ने हैक किए गए फंड को उन एड्रेस पर भेजा जिनमें 'एफ-आई आर जीसीटेररिस्ट्स' वाक्यांश शामिल था। आईआरजीसी का मतलब इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स है, जो ईरानी सेना की एक शाखा है। एलिप्टिक के लीड क्रिप्टो थ्रेट रिसर्चर अर्दा अकार्टुना ने रिपोर्ट में बताया कि इस तरह के विशेष शब्दों वाले इतने सारे एड्रेस जनरेट करने के लिए इतनी ज्यादा कंप्यूटिंग पावर की जरूरत होगी कि यह किसी भी सामान्य जीवनकाल में संभव नहीं होगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 05-46
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त 18-48
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	05-16 बजे
चंद्र-	मेष में	कर्क...	07-29 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह---	09-40 बजे
बुध-	मिथुन में	कन्या...	11-47 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला----	13-54 बजे
शुक्र-	मेष में	वृश्चिक...	16-02 बजे
शनि-	मीन में	धनु......	18-16 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	20-26 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	22-13 बजे
		मीन....	23-51 बजे
		मेष......	01-27 बजे
		वृष....	03-56 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 01-22 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - आषाढ़ कृष्ण , रविवार 22 June
नक्षत्र - भरणी 17-38 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - सुकर्मा 16-57 तक उप धृति
करण- कौलव 14-56 तक उप तैतिल
विशेष:- योगिनी एकादशी व्रत वै निम्बार्क
व्रत त्यौहार - कर्क मे बुध रात से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:14 से 18:52 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	05:46 - 07:23	अशुभ	शुभ	18:48 - 20:14	शुभ
चंचल	07:23 - 09:01	शुभ	अमृत	20:14 - 21:35	शुभ
लाभ	09:01 - 10:40	शुभ	चंचल	21:35 - 22:57	शुभ
अमृत	10:40 - 12:18	शुभ	रोग	22:57 - 00:18	अशुभ
काल।	12:18 - 13:57	अशुभ	काल	00:18 - 01:40	अशुभ
शुभ।।	13:57 - 15:35	शुभ	लाभ	01:40 - 03:01	शुभ
रोग	15:35 - 17:14	अशुभ	उत्पात	03:01 - 04:23	अशुभ
उत्पात	17:14 - 18:48	अशुभ	शुभ	04:23 - 05:46	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपको आगे जाने से पहले अपने वित्तीय और कैरियर से संबंधित योजनाओं के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों नतीजों पर विचार करना होगा । आपको कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने कैरियर से संबंधित योजना का एक खाका तैयार करना होगा जिससे आप लाभ और हानि का विश्लेषण कर सके ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है इसलिए चालाकी से काम ले ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपको अपने काम से प्यार है और आप अच्छा कार्य कर रहे हैं। हालांकि, विपरीत ग्रह आपके कार्यस्थल में अस्थायी गड़बड़ी का कारण बन सकते है। इन क्षणिक भावनाओं के आधार पर किसी भी आवेगी निर्णय लेने से बचे । आप अपने कार्यस्थल पर अपने गुस्से को काबू रखे और विचलित करने वाली स्थितियों को दरकिनार करे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योंकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

श्री पंचांगुली ज्योतिष केन्द्र

'राज्यपाल को केंद्रीय सुरक्षा मुहैया कराने का प्रस्ताव नहीं'

विरोध प्रदर्शन को लेकर राजभवन की सफाई

तिरुवनंतपुरम, 21 जून (एजेंसियां)। केरल में भारत माता तस्वीर को लेकर चल रहे विवाद के बीच विरोध प्रदर्शन को लेकर राजभवन ने सफाई दी है। राजभवन ने मीडिया रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि राज्यपाल के लिए केंद्रीय बलों की सुरक्षा मांगने का कोई प्रस्ताव नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि युवा और छात्र संगठनों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर राज्यपाल ने केंद्रीय बलों से सुरक्षा मांगी है। राजभवन ने कहा कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को केरल पुलिस की कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी के निर्वहन में उनकी दक्षता पर पूरा भरोसा है। वे अपना कर्तव्य बहुत अच्छे ढंग से और राजभवन की संतुष्टि के अनुसार निभा रहे हैं। राजभवन केरल राज्यपाल को किसी भी प्रकार के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष खतरे की संभावना को दृढ़ता से खारिज करता है। राजभवन ने कहा कि मीडिया में सामने आ रहीं रिपोर्ट बेबुनियाद और केवल अटकलें हैं। मीडियाकर्मियों से अनुरोध है कि वे ऐसी निराधार खबरों को प्रकाशित या प्रसारित करके जनता को गुमराह करने से बचें। वामपंथी छात्र और युवा संगठनों ने राज्यपाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है, क्योंकि उन्होंने राजभवन में सरकारी कार्यक्रमों सहित सभी कार्यक्रमों के दौरान भारत माता का चित्र लगाने की बात कही है। केरल में विवाद तब शुरू हुआ जब राजभवन ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम में 'भारत माता' की तस्वीर का उपयोग किया। इसका राज्य के कृषि मंत्री और सीपीआई नेता पी. प्रसाद ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया था। कृषि मंत्री पी प्रसाद ने कहा था कि धर्मनिरपेक्ष केरल में इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस पर राज्यपाल आर्लेकर ने कहा कि 'भारत माता' कोई विवाद का विषय नहीं हो सकता, यह सबके ऊपर है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी की सोच और विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन सब भारतीय एक-दूसरे के भाई-बहन हैं।

साइबर फ्रॉड का मास्टरमाइंड निकला इंजीनियर

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की टीम ने झारखंड के जामताड़ा से ऑपरेट होने वाले एक साइबर गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है। जो केवाईसी के नाम पर लोगों को ठगा करता था। आरोपी ने खनन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है। एक पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जामताड़ा साइबर धोखाधड़ी गिरोह के एक खनन इंजीनियर को एक ऑपरेशन के दौरान पकड़ा है। आरोपी ने दिल्ली की एक महिला से आठ लाख 10 हजार रुपये की ठगी की थी। आरोपी का नाम अजय कुमार मंडल बताया जा रहा है, जो झारखंड के जामताड़ा से पकड़ा है। आरोपी को झारखंड समेत पश्चिम बंगाल और मिजोरम में की गई जांच के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी ने केवाईसी सत्यापन के बहाने बैंक अधिकारी बनकर दिल्ली की एक महिला से ठगी की थी। आरोपी ने पीड़िता को एक रिमोट-एक्सेस एप्लिकेशन इंस्टॉल करने के लिए कहा था।

सीएम सैनी ने योग को बताया जीवन जीने की कला

सरकारी दफ्तरों में की 5 मिनट के 'योग ब्रेक' की घोषणा

बाबा रामदेव के साथ योगाभ्यास करते सीएम नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र, 21 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को योग गुरु बाबा रामदेव के साथ कुरुक्षेत्र में योगाभ्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है और लोगों को इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। नायब सैनी ने यह भी घोषणा की कि सभी सरकारी कार्यालयों में पांच मिनट का 'योग ब्रेक' कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यहां ब्रह्मसरोवर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस सत्र का नेतृत्व योग गुरु रामदेव ने किया। इस मौके पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, राज्य की आयुष एवं स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव और सांसद नवीन जिंदल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री सैनी ने घोषणा की कि राज्य में 100 नए योग केंद्र एवं व्यायामशाला स्थापित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 27 मई से शुरू हो गया था और राज्यभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सीएम सैनी ने कहा कि इस वर्ष योग दिवस की थीम 'एक विश्व, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है और यह मानवता के कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा, "योग केवल कसरत नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन जीने का एक महत्वपूर्ण विज्ञान भी है।" मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में योग विषय पर शोध को प्रोत्साहित करने के लिए 'योग लेखक प्रोत्साहन योजना' शुरू की जाएगी, जिसके तहत हर वर्ष उत्कृष्ट लेखकों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे और हरियाणा के खेल विभाग में 40 योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में एक अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्र के लिए सभागार का निर्माण किया जाएगा।

'21 तारीख को ही हमने बड़ा योग किया था', डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे पर तंज

मुंबई, 21 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए 21 जून 2022 की याद दिला दी। शिंदे ने कहा कि हमने भी 21 तारीख को बड़ा योग किया था। वो मैराथन योग था, जिसने महाराष्ट्र की राजनीति की दिशा ही बदल दी। दरअसल, शिंदे उस दिन याद कर रहे थे जब उनके नेतृत्व में शिवसेना में बगावत हुई थी और उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महाविकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी। शिंदे ने दावा किया कि उसी योग की वजह से राज्य में राजनीतिक स्थिरता और विकास का नया दौर शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सीएम देवेंद्र फडणवीस और वह राज्य के विकास के लिए काम कर रहे हैं। शिंदे के इस बयान को उद्धव ठाकरे

खेमे पर सीधा हमला माना जा रहा है, जो अब शिवसेना (यूबीटी) नाम से जाना जाता है। जून 2022 में शिंदे के विद्रोह से शिवसेना दो धड़ों में बंट गई थी। यह राजनीतिक संकट इतने बड़े स्तर का था कि उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा और बीजेपी-शिंदे गुट ने मिलकर सरकार बनाई। तब से अब तक दोनों गुटों के बीच सत्ता की लड़ाई जारी है। शिवसेना के दोनों गुटों में नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर कानूनी लड़ाई भी चली, हालांकि आखिरी में पुरानी शिवसेना वाला चुनाव चिह्न शिंदे गुट वाली शिवसेना को ही मिला। एकनाथ शिंदे ने योग दिवस की भी शुभकामनाएं दीं और प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हीं के प्रयासों से योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हर दिन योग करते हैं, इसलिए वह स्वस्थ हैं और देश को मजबूती से आगे ले जा रहे हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को भी सबक सिखाया है। साथ ही शिंदे ने पीएम मोदी को राष्ट्र की शक्ति और स्थिरता का प्रतीक बताया। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम थी योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ, जो भारत के वैश्विक स्वास्थ्य और समरसता के दृष्टिकोण को दर्शाती है।

युवती ने सामूहिक दुष्कर्म की रची ऐसी कहानी पुलिस भी रह गई हैरान, मां भी साजिश में शामिल

छिंदवाड़ा, 21 जून (एजेंसियां)। देहात थाना क्षेत्र में एक युवती की गुमशुदगी और उसके बाद सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत ने पुलिस को भी उलझन में डाल दिया था। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, परत-दर-परत साजिश का पर्दाफाश होता गया। पूरा मामला फर्जी निकला और कड़ाई से पूछताछ हुई तो पता चला कि सामूहिक दुष्कर्म की फर्जी शिकायत कराने के लिए युवती को उसकी मां, आदिवासी संगठन का नेता और गुलाबी गैंग की लीडर ने प्रेरित किया था। अब पुलिस इनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी में है। जानकारी में देहात टीआई गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि गत एक जून को थाना क्षेत्र में रहने वाली 18 साल की युवती के परिजनों ने शिकायत की थी कि उनकी बेटी बाजार जाने की बात कहकर निकली थी और लापता हो गई। दो जून को पुलिस ने शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया। पुलिस ने पतासाजी शुरू की तो पता चला कि 13 जून को युवती लौट आई और बयान दिए

रुपयों की गड्डियां लेकर कब्रिस्तान के पास खड़ा था तभी जबलपुर में मिली नकली नोट की फैक्ट्री

जबलपुर, 21 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर पुलिस ने एक नकली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो अपने ही घर फेक करेंसी छाप कर आप आसपास के जिलों में सप्लाई किया करता था। पुलिस ने इस गिरोह के छह सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 18 लाख रुपए के नकली नोट भी बरामद किए हैं। गिरोह का सरगना बीबीए पास है। नगर पुलिस अधीक्षक सुनील नेमा ने बताया कि 16 जून को थाना प्रभारी धीरज राज को मुखबिर से सूचना मिली थी की रवि दहिया नाम का युवक नकली नोटों के साथ कब्रिस्तान के पास खड़ा है। पुलिस टीम ने जब रवि दाहिया को 2 लाख 94 हजार के नकली नोटों के साथ मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान के पास से पकड़ा। पूछताछ में रवि ने नकली नोटों के पीछे एक बड़े गिरोह के बारे में जानकारी दी। इसी आधार पर पुलिस ने 17 जून को नकली नोट बनाने के मुख्य सरगना ऋतुराज विश्वकर्मा को अधारताल क्षेत्र के यशवंत नगर स्थित किराए के मकान से गिरफ्तार किया। जहां ऋतुराज के घर से पुलिस को नकली नोट तैयार 9 महीने से नकली नोट छाप रहा था

इस गिरोह के मुख्य सरगना कमती इमलिया गोटेगांव नरसिंहपुर निवासी 36 वर्षीय ऋतुराज विश्वकर्मा ने बताया कि वह पिछले 8-9 महीनों से नकली नोट छापने का काम कर रहा है। वह असली नोटों के बदले 1-3 के अनुपात में नकली नोट लोगों को देता था। उसके इस काम मे 20 वर्षीय धीरज मनवानी द्वारका नगर लालमाटी जबलपुर, 44 वर्षीय गौरव तिवारी बृजमोहन नगर रामपुर छापर जबलपुर, इसके साथ ही बिंझिया तिराहा कोतवाली मंडला के रहने वाले 55 वर्षीय संतोष श्रीवास्तव और 42 वर्षीय आंजय नवेरिया के साथ साथ शाहपुरा जबलपुर निवासी सत्यम पटेल शामिल थे। ऋतुराज विश्वकर्मा बीबीए पास है। मण्डला निवासी संतोष श्रीवास्तव और अजय नवेरिया को 12.5 लाख रुपए नकली नोट देकर बदले में 4 लाख असली नोट लिए थे। वहीं शहपुरा के रहने वाले जमना प्रसाद पटेल को भी 3 लाख रुपए के नकली नोट दिए गए थे। जांच में अजय नवेरिया के कब्जे से 9 लाख रुपए के नकली नोट और जमनाप्रसाद पटेल से 3 लाख रुपए के नकली नोट बरामद किए गए। पुलिस ने ऋतुराज विश्वकर्मा के घर से एक कलर प्रिंटर, नकली नोट छापने का सामान, लैपटॉप, कागज कुछ कलर और एक कटर भी जब्त किया है। पूछताछ में यह पता चला है कि घर में ही पेंट एप एवं विकिपीडिया की मदद से लैपटॉप में नकली नोट डिजाइन करते थे फिर कलर प्रिंटर के सहारे नकली नोट छाप कर जबलपुर नरसिंगपुर एवं मंडला सहित आसपास के जिलों में सप्लाई किया करते थे। हनुमानताल के नगर पुलिस अधीक्षक सुनील नेमा ने बताया कि पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी हुई है

योगेश और प्रिया की तीन साल पहले फेसबुक पर हुई थी दोस्ती

रेवाड़ी, 21 जून (एजेंसियां)। शनिवार को सिविल अस्पताल की मोर्चरी में करनाल के थाना सदर बाजार गोशाला रोड निवासी प्रिया के परिजन करनाल से पहुंचे। प्रिया के परिवार वालों ने योगेश के साथ उसके रिश्ते को लेकर कई खुलासे किए हैं। साथ ही यह भी बताया कि किन कारणों की वजह से योगेश और प्रिया के बीच में हमेशा लड़ाई हुआ करती थी। पलवल निवासी योगेश को प्रिया के बच्चे पसंद नहीं थे। वह नहीं चाहता था कि उसके बच्चे भी उसके साथ रहें। इस बात को लेकर दोनों में हमेशा अनबन रहती थी। प्रिया अपने तीनों बच्चों को साथ रखना चाहती थी। दोनों की 3 साल पहले फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। पिछले वर्ष ही दोनों धारूहेड़ा में रहने के लिए आए थे। प्रिया ने अपने पति को 3 साल पहले तलाक दे दिया था। योगेश की पत्नी से तलाक का केस अभी कोर्ट में चल रहा है। योगेश की पत्नी से उसका तलाक नहीं हुआ था। प्रिया के परिजनों का कहना है कि वह हमेशा दोनों की आपसी लड़ाई को लेकर समझाया बुझाया करते थे। दोनों को कहा था कि वह करनाल चले आएं। यहां पर रहेंगे तो अच्छा रहेगा। मगर दोनों ने एक भी नहीं सुनी। परिवार का यह भी कहना है कि धारूहेड़ा में प्रिया रह रही है, उसने कभी उन्हें पता भी नहीं बताया था। प्रिया के तीन बच्चे हैं। वहीं, योगेश ने प्रिया की हत्या कर खुद सुसाइड कर लिया था। बता दें कि 6 जून को योगेश का शव धारूहेड़ा के हाउसिंग बोर्ड में किराए के कमरे में मिला था। योगेश ने फंदा लगाया हुआ था। उसी जगह पर बेड के अंदर 19 जून को प्रिया का शव मिला है। योगेश के पिता जब सामान लेने के लिए कमरे में आए तो बदबू आने पर पता चला कि बेड के अंदर महिला की लाश पड़ी हुई है। प्रिया की हत्या को करीब 18 दिन बीत चुके हैं। शव बुरी तरह से गल चुका है। फोरेंसिक एक्सपर्ट ना होने की वजह से शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई में भेजा गया है।

लोकसभा चुनाव 2024- भाजपा ने 1494 करोड़ खर्च किए

कांग्रेस 620 करोड़ के साथ दूसरे नंबर पर; आप-बीजेपी ने चुनाव आयोग को देरी से ब्योरा दिया

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के लोकसभा और साथ में हुए विधानसभा चुनावों में सबसे ज्यादा पैसा खर्च किया। पार्टी ने लगभग 1,494 करोड़ खर्च किए, जो कुल चुनावी खर्च का 44.56% है। कांग्रेस ने 620 करोड़ खर्च किए और खर्च के मामले में दूसरे स्थान पर रही, जो कुल खर्च का 18.5% है। ये जानकारी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट में कुल 32 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों के खर्च का विश्लेषण किया गया। 16 मार्च से 6 जून 2024 के बीच लोकसभा और चार राज्यों (आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम) में हुए चुनाव में कुल 3,352.81 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इसमें से केवल राष्ट्रीय दलों का खर्च 2,204 करोड़ रहा, जो कुल का 65.75% है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रचार-प्रसार पर सबसे ज्यादा पैसा खर्च किया गया। सभी दलों ने मिलकर प्रचार पर 2,008 करोड़ खर्च किए, जो कुल खर्च का 53% से ज्यादा है।

इसके बाद यात्रा खर्च दूसरे नंबर पर रहा, जिसमें 795 करोड़ खर्च किए गए। इस राशि में से 765 करोड़ सिर्फ स्टार प्रचारकों की यात्रा पर खर्च किए गए, जबकि बाकी कार्यकर्ताओं और प्रचारकों पर सिर्फ 30 करोड़ खर्च हुए। चुनाव आयोग को हर दल को खर्च का ब्योरा 90 दिनों के भीतर देना होता है, लेकिन कई पार्टियों ने देरी की। आप ने अपनी रिपोर्ट 168 दिन बाद जमा की। वहीं, बीजेपी की रिपोर्ट में 139 से 154 दिन की देरी हुई। केवल कांग्रेस ने लोकसभा और विधानसभा दोनों का ब्योरा समय से दिया

एडीआर ने यह चिंता जताई कि कई पार्टियों की रिपोर्टें चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं थीं। इनमें एनसीपी, सीपीआई, जेएमएम, शिवसेना (यूबीटी) जैसी पार्टियां शामिल हैं। इसके अलावा कुछ दल जैसे पीडीपी और केरल कांग्रेस (एम) ने चुनाव लड़ने के बावजूद शून्य खर्च दिखाया है। रिपोर्ट में बताया गया कि 690 गैर-पहचानी पार्टियों ने लोकसभा चुनाव में हिस्सा लिया था, लेकिन उनकी खर्च की जानकारी रिपोर्ट में शामिल नहीं है।

शराबबंदी वाले गुजरात में नशे में धुत मिला एक पुलिसकर्मी

दूसरे को एसीबी ने तस्कर से रिश्वत लेते पकड़ा

अहमदाबाद, 21 जून (एजेंसियां)। 1 मई 1960 को बॉम्बे से अलग होकर गुजरात नाम से नए राज्य का निर्माण हुआ था। इसी दिन से गुजरात में शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद यहां पुलिसकर्मी ही शराब के नशे में धुत नजर आते हैं। ताजा मामला गुजरात के साबरकांठा का है, जहां पुलिसकर्मियों के अवैध शराब के धंधे में लिप्त होने की दो घटनाएं सामने आई हैं। पहली घटना में एक पुलिसकर्मी को शराब तस्कर से रिश्वत लेते पकड़ा गया। इसके अगले दिन ही दूसरा पुलिसकर्मी सड़ पर शराब के नशे में धुत पाया गया। शराब के नशे में धुत पुलिसकर्मी का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में पुलिसकर्मी कार के अंदर नजर आ रहा है। वह ड्राइवर की सीट पर बैठा है, लेकिन नशे में लगभग बेहोश हो चुका है। पुलिसकर्मी की कार रास्ते में खड़ी थी। इस वजह से सड़क में जाम भी लग गया। ऐसे में स्थानीय लोगों ने धक्का लगाकर कार को सड़क के किनारे किया और घटना का वीडियो बना लिया। वायरल वीडियो में नजर आ रहा पुलिसकर्मी इदर थाने में तैनात है। उसके ऊपर शराब के नशे में तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने का भी आरोप लगा है। एसीबी ने खेडब्रह्मा थाने में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को पूर्व शराब तस्कर से रिश्वत लेते पकड़ा था। पीड़ित ने आरोप लगाया कि वह पहले शराब तस्कर था, लेकिन नवंबर 2024 में उसने यह काम बंद कर दिया था। तस्करी के दौरान उसकी तीन एक्टिवा स्कूटी और दो सहकर्मी भी पकड़ाए थे। ऐसे में उसने कोर्ट में जुर्माना भर दिया था, लेकिन थाने से उसे एक्टिवा स्कूटी नहीं मिल रही थीं। आरोपी पुलिसकर्मी उससे रिश्वत मांग रहा था। शराब कारोबारी ने इंस्पेक्टर से शिकायत की तो उससे रिश्वत के पैसे देने के लिए कहा गया। इसके बाद पीड़ित ने एसीबी के पास शिकायत की। एसीबी ने जाल बिछाया और आरोपी पुलिसकर्मी को रिश्वत वाले पैसों के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया।

सोनम रघुवंशी से भी 10 कदम आगे निकली ये बीवी

प्रेमी संग मिलकर पति को मार डाला फिर जंगल में फेंकी लाश

देहरादून, 21 जून (एजेंसियां)। इस वक्त राजा रघुवंशी और सौरभ राजपूत हत्याकांड से पूरा देश सहमा हुआ है। दोनों की बीवियों ने प्रेमियों की खातिर पतियों को ही मार डाला। वो भी इतनी बेरहमी से कि जिसे जान हर कोई सन्न रह गया था। अब इसी तरह का मामला उत्तराखंड के कोटद्वार से भी सामने आया है। यहां कलयुगी पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति को बेरहमी से मार डाला। पुलिस ने इस पूरे हत्याकांड का खुलासा किया है। दरअसल, कुछ दिन पहले कोटद्वार में रविंद्र कुमार नामक शख्स का शव मिला था। रविंद्र यूपी के मुरादाबाद में रह रहे थे। पुलिस ने जांच शुरू की तो पत्नी की करतूत सामने आई। पचा चला पत्नी रीना सिंधु ने प्रॉपर्टी और खुद के अन्य व्यक्ति पारितोष से अवैध संबंधों के चलते पति की हत्या कर दी थी। फिर लाश को कोटद्वार के जंगल में फेंक दिया था। पुलिस ने शव बरामद कर जांच करते हुए आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पूछताछ में रीना ने बताया- मुरादाबाद में पति रविंद्र का एक बड़ा मकान था जिसकी कीमत 3 करोड़ थी। उस मकान को वो बेचना चाहता था लेकिन वह इसके खिलाफ थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात फिजियोथेरेपी के बहाने पेशेंट बनकर आने वाले परितोष कुमार से हुई। दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए फिर दोनों ने रविंद्र को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। रविंद्र की उम्र 56 वर्ष उम्र थी, वहीं रीना सिंधु की उम्र 36 के करीब है। रविंद्र पहले उत्तराखंड के डोईवाला में किराए पर रहता था। वहीं, पर रविंद्र की मुलाकात रीना से हुई। इसके बाद 2011 में रविंद्र ने रीना से शादी कर ली। रीना और रविंद्र के दो बच्चे भी हैं। इसी बीच रविंद्र ने दिल्ली के रजोकरी में पुश्तैनी जमीन बेचकर मुरादाबाद में एक तीन मंजिला घर खरीद लिया, जिसकी कीमत 3 करोड़ के आसपास थी। यह मकान मुरादाबाद के राम गंगा विहार में सोनकपुर स्टेडियम के पास स्थित है। यह पूरा इलाका पॉश है। यहां से लाखों रुपए का किराया मृतक के पास आता था। जानकारी के अनुसार, रविंद्र पर काफी कर्ज हो गया था। कर्ज को चुकाने के लिए वह मकान बेचना चाहता था। लेकिन बीवी नहीं चाहती थी कि वो मकान बेचे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच हमेशा अनबन होती रहती थी। बस फिर उसने प्रेमी संग मिलकर खौफनाक कदम उठा लिया। पड़ोसियों ने बताया- लंबे समय से पति-पत्नी डोईवाला के घर में किराए पर रहा करते थे। उनकी एक छोटी 11 वर्ष की बेटी है, लेकिन बीच में घर पर एक व्यक्ति बार-बार आया करता था। वो खुद को महिला का रिश्तेदार बताता था। फिलहाल, मृतक के परिवार में कोहराम बचा हुआ है। पुलिस ने हत्या करने वाली महिला को गिरफ्तार करते हुए सलाखों के पीछे भेजने का काम किया है।

184 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी मामले में दो गिरफ्तार

पीएनबी के सीनियर मैनेजर-कंपनी के कर्ताधर्ता को कोलकाता से ट्रांजिट रिमांड पर इंदौर लाए

इंदौर, 21 जून (एजेंसियां)। मप्र जल निगम लि. (एमपीजेएनएल) की 974 करोड़ की तीन सिंचाई परियोजनाओं के लिए 184 करोड़ रुपए की फर्जी बैंक गारंटी से जुड़े मामले में सीबीआइ ने दो आरोपियों गोविंदचंद्र हंसदा और मोहम्मद फिरोज खान को गिरफ्तार किया है। गोविंदचंद्र पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का सीनियर प्रबंधक है। दोनों को टीम ने कोलकाता से गिरफ्तार किया है। सीबीआई की टीम उसे ट्रांजिट रिमांड पर इंदौर लेकर आई है।

वर्ष 2023 के इस घोटाले में जांच एजेंसी ने 19 और 20 जून को मप्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, गुजरात और झारखंड में 23 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इंदौर स्थित तीर्थ गोपी कॉन कंपनी ने इन परियोजनाओं को हासिल करने के लिए आठ फर्जी बैंक गारंटी जमा की थीं, जिनकी कुल राशि 183.21 करोड़ रुपए थी। तीर्थ गोपी कॉन कंपनी मूल रूप से गुजरात के अहमदाबाद की है। इंदौर में रावजी बाजार थाना क्षेत्र के पागनीसपागा स्थित अमर मेट्रो भवन में इसका ऑफिस है। कंपनी के एमडी महेश भाई कुंभानी, डायरेक्टर चंद्रिकाबेन कुंभानी और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर पल्लव कुंभानी हैं। यह कंपनी सरकार के सिविल इंजीनियरिंग वर्कर्स के टेंडर लेती है। कंपनी ने इंदौर, उज्जैन, छतरपुर सहित कई शहरों में प्रोजेक्ट लिए हैं। इंदौर नगर निगम के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से जुड़े कई काम भी यह कंपनी कर रही है। सीबीआई अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक मप्र जल निगम लिमिटेड का टेंडर कंपनी को मिला। इसके लिए उसने पंजाब नेशलन बैंक कोलकाता की 24 परगना ब्रांच ने 183.21 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी दी थी। 25 अप्रैल को कंपनी को जल निगम से नोटिस भेजा गया था कि आपकी बैंक गारंटी फर्जी है। इस पर कंपनी हाईकोर्ट पहुंची और बताया कि उन्हें उक्त गारंटी बैंक अधिकारियों ने ही दी है। कंपनी का आरोप है हमें जल निगम के नोटिस के बाद पता चला ये गारंटी फर्जी है। धोखाधड़ी तो बैंक अधिकारियों ने हमारे साथ की है। इसकी शिकायत इंदौर के रावजी बाजार थाने में दर्ज भी करवाई गई थी। इसी के बाद कोर्ट ने सीबीआई को मामले में जांच के आदेश दिए थे। साथ ही एक माह में कंपनी को नई गारंटी देने के लिए कहा और तब तक उन पर कार्रवाई के लिए रोक के भी आदेश दिए थे। जांच में सामने आया कि जल निगम को पंजाब नेशनल बैंक के आधिकारिक ई-मेल डोमेन की तरह दिखने वाले एक हूबहू फर्जी मेल से गारंटियों की पुष्टि भेजी गई थी। इन फर्जी पुष्टियों के आधार पर ही जल निगम ने परियोजनाओं के कॉन्ट्रैक्ट संबंधित कंपनी को दे दिए। मप्र हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने 9 मई 2025 को तीन केस दर्ज किए थे। जांच में पता चला है कि कोलकाता स्थित एक गिरोह सरकारी परियोजनाओं को हासिल करने के लिए फर्जी बैंक गारंटी बनाने में सक्रिय है। यह गिरोह देश के कई राज्यों में इसी तरह की धोखाधड़ी कर चुका है। फिलहाल मामले में सीबीआई की जांच जारी है। इंदौर में स्मार्ट सिटी के कई प्रोजेक्ट पर एक साथ काम कर रही अहमदाबाद की कंपनी तीर्थ गोपी कॉन के खिलाफ हाई कोर्ट ने एक माह पहले सीबीआई जांच का आदेश दिया था। मामला जल निगम में 184 करोड़ रुपए की फर्जी बैंक गारंटी देकर टेंडर लेने से जुड़ा है। मप्र हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा था कि सीबीआई जांच में यह तय हो जाएगा कि कंपनी दोषी है या खुद ठगी की शिकार हुई है। इस संबंध में हाई कोर्ट ने 30 जून तक जांच रिपोर्ट मांगी गई है। इस बीच सीबीआई ने मैनेजर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मप्र में पानी के अलग-अलग प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जल निगम द्वारा जारी टेंडर के लिए कंपनी से 184 करोड़ की ई-बैंक गारंटी मांगी थी। बैंक गारंटी मिलने के बाद जल निगम ने आपत्ति ले कर कंपनी को नोटिस दिया था। जिस पर कंपनी ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर खुद को पीड़ित और बैंक को जिम्मेदार बताया। एडवोकेट सिद्धार्थ शर्मा ने कोर्ट को बताया था कि एक व्यक्ति, जिसने खुद को बैंक अधिकारी बताया था उसी ने फर्जी गारंटी दी थी।

गोरखपुर में सीएम तो लखनऊ में डिप्टी सीएम ने किया योग

आयोजित हुए सैकड़ों कार्यक्रम

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रदेश भर में धूमधाम से मनाया गया। राजनीतिक दलों के लोगों से लेकर आम आदमी तक ने इन कार्यक्रमों में शिरकत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में योग किया तो वहीं डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में योगाभ्यास किया।
गोमती नगर स्थित अंबेडकर पार्क में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा नेता नीरज सिंह एमएलसी मुकेश शर्मा, संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह मौजूद रहे।
राज्यपाल आंनदीबेन पटेल ने राजभवन में किया योग। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप नगर विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में 100 से अधिक योग पार्क विकसित किए हैं।
इन पार्कों में योग और संबंधित गतिविधियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहीं। अंबेडकर पार्क में बड़ी संख्या में योग करने आए लोग।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है, तभी व्यक्ति अपने सपनों को पूरा कर सकता है। उन्होंने कहा कि योग सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मा की शक्ति को बढ़ाने का माध्यम है। यह हमारे ऋषियों की परंपरा है, जिसे वेदों, पुराणों और शास्त्रों ने आज तक जीवित रखा है। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने सभी से अपील की कि वे योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं ताकि शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहें।
नगर निगम कार्यालय के सेकेंड फ्लोर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग करते महापौर, नगर आयुक्त, अधिकारी और कर्मचारीगण।।

3500 एनसीसी कैडेट्स ने किया योग

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार की सुबह 5 बजे से ही लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में भारी संख्या में एनसीसी कैडेट्स उमड़ पड़े। पार्क में लखनऊ के सबसे बड़े तिरंगे के नीचे हो रहे इस आयोजन में करीब साढ़े तीन हजार कैडेट्स शामिल हुए।
यहां पर लखनऊ एनसीसी ग्रुप हेडक्वार्टर के अंतर्गत आने वाले आर्मी विंग के 19, 20, 63, 64 व 67 बटालियन के साथ ही 3 यूपी नेवल और 5 यूपी एयर स्क्वॉड्रन के कैडेट्स मौजूद रहे। साथ ही यूपी एनसीसी के एडीजी मेजर जनरल विक्रम कुमार, लखनऊ ग्रुप के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव, अर्जुना अवार्डी रचना गोविल और योग गुरु डॉ. नवीन हलप्पा के अलावा कई एनसीसी अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। मीडिया ऑफिसर 67 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रत्नाकर द्विवेदी ने बताया कि इस आयोजन को लेकर एक महीने से तैयारियां चल रही थी।

नीतीश कुमार सरकार का बड़ा एलान

वृद्ध, दिव्यांग के साथ विधवा महिलाओं का पेंशन बढ़कर 1100 किया गया

पटना, 21 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहारवासियों के लिए बड़ा एलान किया है। सीएम नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। सीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को अब हर महीने 400 रुपये की जगह 1100 रुपये पेंशन मिलेगी। सभी लाभार्थियों को जुलाई महीने से पेंशन बढ़ी हुई दर पर मिलेगी।

इतने लाभार्थियों को मिलेगी मदद

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि सभी लाभार्थियों के खाते में यह राशि महीने की 10 तारीख को भेजना सुनिश्चित किया जाएगा। इससे एक करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थियों को काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वृद्धजन समाज का अनमोल हिस्सा हैं और उनका सम्मानजनक जीवन-यापन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयत्नशील रहेगी। इस मामले को लेकर लगातार तेजस्वी यादव सीएम नीतीश कुमार को घेरते रहे हैं। विधानसभा बजट सत्र के दौरान भी तेजस्वी यादव ने कहा था कि हमलोग चाहते हैं सरकार बजट में वृद्धा पेंशन, दिव्यांगों के लिए पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाए। पिछले 20 साल में सीएम नीतीश कुमार ने इस 400 रुपये की राशि नहीं बढ़ाई है। महंगाई इतनी बढ़ गई है लेकिन सरकार ने गरीब बुजुर्गों को मिलने वाली राशि में बढ़ोतरी नहीं हुई। तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार को भारत सरकार का डाटा पढ़ना चाहिए। नेशनल फैमल हेल्थ सर्वे के अनुसार, देश में सबसे अधिक 65 फीसदी माताएं-बहनों को खून की कमी है। सबसे ज्यादा बौनेपन के शिकार बिहार के बच्चे ही हो रहे हैं।
महंगाई सबसे ज्यादा है। हर घर से एक युवा पलायन कर रहा है। सारा घर का भार महिलाओं पर ही है। हालांकि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव घोषणा कर चुके हैं कि अगले विधानसभा चुनाव में अगर राजद की सरकार बनती है, तो बुजुर्गों को 1,500 रुपये प्रति माह पेंशन दी जाएगी। यह योजना वृद्धावस्था पेंशन योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत लागू की जाएगी।

खोदाई में मिली मूर्ति किसकी?

बौद्ध और जैन धर्म के अनुयायियों के अपने-अपने दावे, पुरातत्व विभाग करेगा फैसला

फिरोजाबाद, 21 जून (एजेंसियां)। शिकोहाबाद रोड स्थित रिजोर में खोदाई में प्राचीनकाल की एक मूर्ति मिली है। इस मूर्ति को बौद्ध धर्म के अनुयायी भगवान बुद्ध की बता रहे हैं, तो जैन धर्म के लोग भगवान महावीर स्वामी की बता रहे हैं। प्राचीनकाल की इस मूर्ति की जांच को प्रशासन ने आगरा के पुरातत्व विभाग को सूचना भेज दी है।
मुख्यालय से 12 किमी की दूरी पर शिकोहाबाद रोड स्थित कस्बा रिजोर में पानी की व्यवस्था को ओवरहेड टैंक का निर्माण होना है। इसके लिए रिजोर के पुराने जर्जर किले के पास खोदाई का काम चल रहा है। शुक्रवार को खोदाई करते समय मजदूरों को प्राचीनकाल की एक मूर्ति मिली। इसकी खबर फैलते ही सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्रित हो गए। बौद्ध धर्म के अनुयायी इसको भगवान बुद्ध की मूर्ति होने का दावा कर रहे हैं। रिजोर गांव में जैन धर्म के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं। साथ ही पास ही फफोतू गांव में जैन समाज के लोग रहते हैं और एक बहुत बड़ा प्राचीन जैन मंदिर है। प्राचीन मूर्ति मिलने की खबर पर जैन धर्म के लोग भी मौके पर पहुंच गए और मूर्ति को भगवान महावीर स्वामी की होने का दावा करने लगे।
खोदाई में प्राचीनकाल की प्रतिमा मिलने की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। इस पर प्रशासन ने प्रतिमा की जांच कराने के लिए आगरा के पुरातत्व विभाग की टीम को बुलाया है। सीओ सकीट कीर्तिका सिंह ने बताया कि मूर्ति निकलने की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसको सुरक्षित स्थान पर रखवाते हुए पुरातत्व विभाग की टीम को सूचना दी गई है। उनके आने के बाद ही इसके बारे में सही जानकारी मिल सकेगी।

पटना के पोस्टरों में एनडीए और आरजेडी में भिड़ंत

चिराग को जीजा फस्ट वाला बताया गया, तेजस्वी के पोस्टर में लिखा गया-मेरा बाप चारा चोर है

पटना, 21 जून (एजेंसियां)। पटना की सड़कों पर शनिवार को पोस्टर वॉर देखने को मिल रहा है। सत्ताधारी एनडीए और विपक्षी गठबंधन दोनों के नेता अब एक-दूसरे पर निजी और पारिवारिक स्तर तक पहुंचकर हमले कर रहे हैं। एक ओर एनडीए को दामादवादी और परिवारवाद का प्रतीक बताया जा रहा है। वहीं, दूसरी ओर राजद को चारा घोटाले और वंशवाद से जोड़कर कटघरे में खड़ा किया जा रहा है।
इन्होंने क्या दिया बिहार को, सब कुछ दिया अपने परिवार को
एक पोस्टर में पूर्व मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की तस्वीर लगी है। साथ में भारत सरकार की एक आधिकारिक अधिसूचना लगाई गई है। पोस्टर में यह आरोप है कि उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट के पैनल लिस्ट में एडवोकेट के रूप में नियुक्त करवा दिया। इसमें दो लोगों के नाम और पते स्पष्ट रूप से दिखाए गए हैं – जिन्हें उनके परिवार से जोड़ कर परिवारवाद का आरोप लगाया गया है और लिखा है कि इन्होंने क्या दिया बिहार को सब कुछ दिया अपने परिवार को।

'एनडीए–नेशनल दामादवादी अलायंस'

पटना के चौक चौराहों पर एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जीतनराम मांझी और चिराग पासवान की तस्वीरें हैं। एनडीए को नए अर्थ को पेश किया गया है – नेशनल दामादवादी अलायंस, जो यह दर्शाता है कि एनडीए की राजनीति कथित दामादवाद यानी रिश्तेदारों को सत्ता में भागीदारी देने पर आधारित है।

'बिहार फर्स्ट की जगह जीजा जी फर्स्ट है'

दूसरा पोस्टर भी विपक्षी गठबंधन की ओर से लगाया है। इसमें व्यंग्यात्मक चित्र और संवाद के जरिए एनडीए नेताओं पर कटाक्ष किया गया है। एक चित्र में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को दिखाया गया है। जिसमें वह सीना चीर कर मोदी को दिखाते हुए दिख रहे हैं। साथ ही यह लिखा गया है कि इनके लिए बिहार फर्स्ट की जगह जीजा जी फर्स्ट है। वहीं दूसरी तरफ जीतन राम मांझी और अशोक चौधरी की तस्वीर लगाई गई है और लिखा है कि इनका तो पूछिए हिम्मत दामाद फर्स्ट वह भी आरएसएस कोटे से। यह पूरा गठबंधन केवल जुमला आधारित है। बिहार को जीजा और दामाद के साथ मिलकर लूटने वाले लोग जनता 2025 में ऐसा सबक सिखाएगी की हमेशा याद रहेगा।
'मेरा बाप चारा चोर, मुझे वोट दो'
दूसरी ओर पोस्टर के जरिए लालू यादव और तेजस्वी यादव पर हमला किया गया है। दोनों को कार्टून रूप में दिखाया गया है। लालू यादव को भैंस की सवारी करते हुए और मुंह में चारा चबाते हुए दिखाया गया है, वहीं तेजस्वी यादव उनके आगे बैठे हैं। पोस्टर का नारा है मेरा बाप चारा चोर, मुझे वोट दो, जो सीधे तौर पर चारा घोटाले को लेकर राजद पर हमला करता है।

चलती ट्रेन में युवक की पीट-पीटकर हत्या

बागपत, 21 जून (एजेंसियां)। यूपी के बागपत में चलती ट्रेन में सीट को लेकर एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। युवक सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन से बागपत आ रहा था। फखरपुर स्टेशन के पास सीट पर बैठने को लेकर उसका विवाद हो गया। इसके बाद 15 से 20 लोगों ने मिलकर उसे लात-घूंसों और बेल्ट से पीटा।
बागपत से 10 किमी पहले खेकड़ा स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो आरोपी उतरकर फरार हो गए। ट्रेन में सवार युवक के एक साथी ने जीआरपी और परिवार को फोन किया। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे।

कर्मचारी संगठनों ने बनाई रणनीति

> 24 को करेंगे भूख हड़ताल; पुरानी पेंशन बहाल समेत कई हैं मांगें

आगरा, 21 जून (एजेंसियां)। आगरा में कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर समस्त घटक संगठन 18 मांगों को पूरा कराने के लिए 24 को सदर तहसील परिसर में भूख हड़ताल करेंगे। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश टीबी डिमास्ट्रेशन सेंटर पर बैठक कर रणनीति बनाई गई।
हड़ताल में 40 से अधिक विभागों के कर्मचारी शामिल होंगे। अध्यक्ष सुभाष बघेल ने कहा कि सरकार निजीकरण करती जा रही है। विभागों में 75 फीसदी आउट सोर्स कर्मचारी हैं, जिन्हें कम मानदेय मिल रहा है। ठेकेदार और बिचौलियों का कमीशन बंधा है। जिलामंत्री अजय शर्मा ने कहा कि सभी पदों पर नियमित भर्तियां करते हुए पुरानी पेंशन बहाली की जाए। ठेकेदारी व्यवस्था खत्म हो, कर्मचारियों के भत्ता सेवा बहाल करने समेत 18 मांगों के लिए भूख हड़ताल की जाएगी। मंडल अध्यक्ष राजीव उपाध्याय ने सरकार से आठवें वेतन आयोग के अध्यक्ष का चयन कर एक जनवरी 2026 से लागू करने की मांग की। बैठक में केके शर्मा, डॉ. रविंद्र सिंह राना, आनंद शर्मा, भारत सिंह, सतीष त्यागी, मनकेश्वर शर्मा, रामनरेश परमार, संतोश कुशवाह, विमल शर्मा, प्रवेंद्र सिंह, डॉ. पारुल गोयल, सुमनलता आदि मौजूद रहे।

एक लाख का इनामी डकैत एनकाउंटर में ढेर

बुलंदशहर, 21 जून (एजेंसियां)। यूपी एसटीएफ ने बुलंदशहर में एक लाख के इनामी डकैत विनोद गड़ेरिया को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। एसटीएफ नोएडा यूनिट और डकैत के बीच देर रात को बुलंदशहर के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में मुठभेड़ हुई। जवानों ने उसे सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन उसने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। एसटीएफ जवानों ने खुद को बचाते हुए जवाबी फायरिंग की। इसी दौरान गोली लगने से विनोद गड़ेरिया घायल हो गया।

अखिलेश को अक्ल नहीं, वह नकल भी नहीं कर पाए

ओपी राजभर ने कहा-नेताजी ने कहा था नकल करो तो अक्ल आएगी

सुलतानपुर, 21 जून (एजेंसियां)। 'नेता जी (मुलायम सिंह यादव) ने कहा था-नकल करो, तब अक्ल आएगी। लेकिन अखिलेश यादव तो नकल भी नहीं कर पाए, इसलिए उन्हें अक्ल भी नहीं आई। सपा सरकार में 800 दंगे हुए थे। सपा पिछड़ों का हक लूटने वाली पार्टी है। 86 में से 46 यादवों को सीडीएम बना दिया गया।'
यह बात सुभासपा प्रमुख और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कही। उन्होंने सुल्तानपुर के पर्यावरण पार्क में योग किया। इसके बाद मीडिया कर्मियों से बातचीत में कहा- अखिलेश 5 साल तक मुख्यमंत्री रहे, लेकिन कुछ कर नहीं पाए। साढ़े 22% आरक्षण मायावती ने दिया था, लेकिन अखिलेश अपने लोगों को वह भी नहीं दिला पाए। यूपी में क्राइम बढ़ रहा है? इस सवाल पर राजभर ने योगी सरकार का बचाव किया। कहा- केवल हल्की-फुल्की घटनाएं सामने आ रही हैं, स्थिति नियंत्रण में है। वहीं, बिजली संकट पर मंत्री ने कहा- भीषण गर्मी के चलते यह समस्या गंभीर हो गई है।

योग हर व्यक्ति के लिए बेहद जरूरी

आज सभी ब्लॉकों और तहसीलों में योग चल रहा है। यह हम लोगों का प्रयास है। पंचायती राज विभाग सेंटर खोल रहा है, ताकि लोग वहां आकर योगाभ्यास करें। योग से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन भी प्राप्त होता है, जो हर व्यक्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। पूरी दुनिया स्वस्थ, खुशहाल और निरोग रहे तथा योग करे, यही संदेश हमारे देश के प्रधानमंत्री का है। 11 साल पहले प्रधानमंत्री ने जो प्रयास भारत में शुरू किया, वह आज पूरी दुनिया में फैल चुका है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री का जो विजन है, उसे अब पूरी दुनिया मान रही है। 15-20 साल पहले हम सब खुले में शौच करते थे। जब प्रधानमंत्री ने लाल किले से शौचालय की बात की, तो देश में बहुत लोगों को बुरा लगा कि प्रधानमंत्री को लाल किले जैसे मंच से यह मुद्दा नहीं उठाना चाहिए था।

डीएम की चौपाल से पहले वर्चस्व को लेकर दो पक्षों में मारपीट

गोंडा, 21 जून (एजेंसियां)। यूपी के गोंडा में शनिवार को डीएम की चौपाल शुरू होने से पहले वर्चस्व कायम करने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। मामला डीएम के पास पहुंचा तो दोनों पक्षों से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है।
मामला नवाबगंज क्षेत्र के तुलसीपुर माझा गांव का है। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लालजी सिंह और अनिल सिंह के बीच कहासुनी के बाद हाथापाई शुरू हो गई थी।
डीएम के चौपाल शुरू होने से पहले अपना वर्चस्व कायम करने के लिए दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। डीएम के आने से पहले पुलिस कर्मियों ने दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। डीएम नेहा शर्मा को चौपाल में मारपीट की जानकारी हुई तो कार्रवाई करने को कहा।

पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, दो गिरफ्तार

> शराब पीते 5 और लोग भी आए गिरफ्त में

खगड़िया, 21 जून (एजेंसियां)। खगड़िया के परबत्ता थाना क्षेत्र में रात को पुलिस ने नशे और अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी गुड्डु सिंह उर्फ टाइगर की गिरफ्तारी के लिए श्रीरामपुर ठुठी गांव में छापेमारी की। एसपी राकेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि गुप्त सूचना मिली थी कि गुड्डु सिंह अपने दो साथियों के साथ पल्सर बाइक से गांव आया है। इसी आधार पर परबत्ता पुलिस सशस्त्र बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस को देख तीनों अपराधी बाइक से भागने लगे और तेमथा करारी गांव के पास एक चिमनी के निकट बाइक छोड़कर खेत की ओर भागते हुए पुलिस पर फायरिंग करने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और इलाके की घेराबंदी कर दो अपराधियों सेन्टु कुमार और राकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों बिहपुर थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव के रहने वाले हैं। मौके से दो लोडेड देसी कट्टा, चार जिंदा कारतूस, चार मोबाइल फोन और एक पल्सर बाइक बरामद की गई है। मुख्य आरोपी गुड्डु सिंह उर्फ टाइगर अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस मामले में परबत्ता थाना में कांड संख्या 226/25 दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

शराब पार्टी की तैयारी कर रहे पांच युवक भी गिरफ्तार

गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ में जानकारी मिली कि वे टोमधा कराटी स्थित निषाद टोला में लक्ष्मण कुमार के घर शराब पार्टी की योजना बना रहे थे। इस सूचना पर पुलिस ने लक्ष्मण कुमार के ठिकाने पर छापेमारी की और वहां से नशे की हालत में पांच युवकों को 10 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवकों में लक्ष्मण कुमार, विकास मंडल, मुकेश कुमार, ललन मंडल और सिन्दु मंडल शामिल हैं। सभी खगड़िया जिले के निवासी हैं। इस मामले में परबत्ता थाना में कांड संख्या 227/25, दिनांक 20.06.2025 को बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

बेटे की हत्या केस में गवाही से पहले पिता की भी हत्या

सीवान, 21 जून (एजेंसियां)। सीवान जिले के लकड़ी नवीगंज थाना क्षेत्र के खवासपुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव खवासपुर पुल के नीचे पड़ा मिला। शव की पहचान मदारपुर निवासी रोज दिन हाशमी के रूप में हुई है, जो बीती रात से लापता थे। जानकारी के मुताबिक, रोज दिन हाशमी शनिवार रात जानकीनगर बाजार से अपने घर लौट रहे थे।
लेकिन देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की, पर कोई सुराग नहीं मिला। सुबह जब कुछ लोग टहलने के लिए खवासपुर पुल के पास पहुंचे तो उन्होंने पुल के नीचे रोज दिन का शव पड़ा देखा। इसकी सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान की और हत्या का आरोप लगाया।

संभल में मस्जिद पर चला बुलडोजर

सीडीएम के साथ पहुंचे सीओ अनुज चौधरी, 6 बीघा जमीन पर है अतिक्रमण

संभल, 21 जून (एजेंसियां)। संभल के चंदौसी में बनी रजा-ए-मस्जिद को बुलडोजर से तोड़ा गया है। शुक्रवार को मस्जिद के फाउंडेशन को गिराया गया था। आज नगर पालिका की साढ़े 6 बीघा जमीन पर बनी मस्जिद और 34 मकानों को ढहाया गया है। अतिक्रमण के बीच चंदौसी के एसडीएम विनय कुमार मिश्रा और सीओ अनुज चौधरी मौके पर हैं।
लक्ष्मणगंज स्थित वारिस नगर इलाके में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस और पीएसी तैनात है। प्रशासन की तरफ से 15 दिन पहले नोटिस जारी किया गया था, जिसका समय पूरा होने पर आज नगर पालिका परिषद की टीम पहुंची। मस्जिद कमेटी ने चार दिन पहले ही मस्जिद को खाली कर ढहाना शुरू किया था। चंदौसी के एसडीएम विनय कुमार मिश्रा ने बताया कि नगर पालिका की जमीन पर अवैध रूप से मस्जिद का निर्माण किया गया था। इसे हटाने के लिए नगर पालिका परिषद की ओर से 15 दिन का नोटिस जारी किया गया था, जिसका समय गुरुवार शाम को पूरा हो गया था। निर्माण को खुद हटाने की प्रक्रिया बहुत धीमी रही। अब तक केवल 15 से 20 प्रतिशत ही ढांचा हटाया गया है। इसी क्रम में नगर पालिका ने आज कार्रवाई की तैयारी की, जिसके लिए पुलिस फोर्स और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। मैनेजमेंट कमेटी की ओर से प्रशासन से शाम तक का समय मांगा गया है।

साल 2022 में डीएसपी को घायल करने के मामले में फंसे 'निर्मल चौधरी', पेपर देते वक्त हिरासत में लिया

जयपुर, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी के निवर्तमान छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। राजस्थान विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र का फोर्थ सेमिस्टर का एग्जाम देने आए निर्मल चौधरी को पुलिस जीप में पकड़कर ले गई। इस दौरान कांग्रेस विधायक अभिमन्यु पूनिया भी पेपर देन आए हुए थे। डीसीपी जयपुर ईस्ट तेजस्विनी गौतम का कहना है कि कांग्रेस विधायक अभिमन्यु पूनिया के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वे खुद पुलिस की जीप में बैठे थे।

निर्मल चौधरी को 2022 के उस मुकदमे में डिटेन किया गया है जिसमें उन्होंने पुलिस की जीप तोड़ कर डीएसपी मुकेश चौधरी को घायल किया था। छात्र नेता निर्मल चौधरी पर साल 2022 में एक मुकदमा गांधी नगर पुलिस थाने में दर्ज हुआ था। जिसमें एसएचओ की वर्दी फाड़ने, राजकार्य में बाधा पहुंचाने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं।

छात्र नेताओं ने पुलिस पर किया हमला

22 अगस्त 2022 को राजस्थान यूनिवर्सिटी में चुनावों से पहले नामांकन के पहले दिन रैली निकाली जा रही थी। इस दौरान पुलिस और छात्रों की नोक-झोंक हुई थी। बताया गया कि छात्र और नेता बिना अनुमति के रैली निकाल रहे थे। जिसके बाद पुलिस ने एक्शन लिया था। इस हिंसक झड़प में डीएसपी मुकेश चौधरी का सिर फूट गया था। वहीं, पुलिस ने भी स्टूडेंट्स पर जमकर लाठियां भांजी थी। कई स्टूडेंट्स को भी चोट आई थी।

निर्दलीय जीते निर्मल चौधरी

साल 2022 में राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष चुनाव में निर्मल चौधरी ने निर्दलीय जीत दर्ज की थी। उन्होंने एकतरफा जीत हासिल करते हुए निकटतम प्रतिद्वंदी मंत्री मुरारी लाल मीणा की बेटी निहारिका जोरवाल को 1465 मतों से हराया था। एनएसयूआई की प्रत्याशी रितु बराला तीसरे स्थान पर रही जबकि एबीवीपी के नरेंद्र यादव चौथे स्थान पर रहे।

निर्मल चौधरी को हिरासत में लिए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- 'यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक अभिमन्यु पुनिया एवं निर्मल चौधरी को परीक्षा देते समय हिरासत में लेना अन्यायपूर्ण व लोकतंत्र का उल्लंघन है। भाजपा सरकार ने पहले डॉ राकेश विश्नोई के परिजनों की बात तक नहीं सुनी और जब इन जनप्रतिनिधियों ने उनके साथ न्याय के लिए धरना-प्रदर्शन किया तो इन पर ही मुकदमा दर्ज कर लिया। जनप्रतिनिधियों को जनहित में आवाज उठाने का अधिकार है। राज्य सरकार अविलंब इन्हें रिहा करे।'

वन रक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में बांसवाड़ा से एक और आरोपी गिरफ्तार, जयपुर ले गई टीम

बांसवाड़ा, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2020 के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सरकारी कर्मचारी गोविंद तेतरवाल को बांसवाड़ा से गिरफ्तार किया है। उसे पूछताछ के लिए जयपुर ले जाया गया है।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भवानी शंकर ने बताया कि वनरक्षक भर्ती से संबंधित प्रकरण सबसे पहले बांसवाड़ा के राजतालाब थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ था।

शुरू में इसकी जांच स्थानीय पुलिस कर रही थी, लेकिन पेपर लीक के तथ्य सामने आने के बाद मामला एसओजी को सौंपा गया। एसओजी की जांच में सामने आया कि पेपर लीक का मास्टरमाइंड जबराराम जाट था। गोविंद तेतरवाल, जो कि जोधपुर में वाणिज्य कर विभाग में वरिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत था,

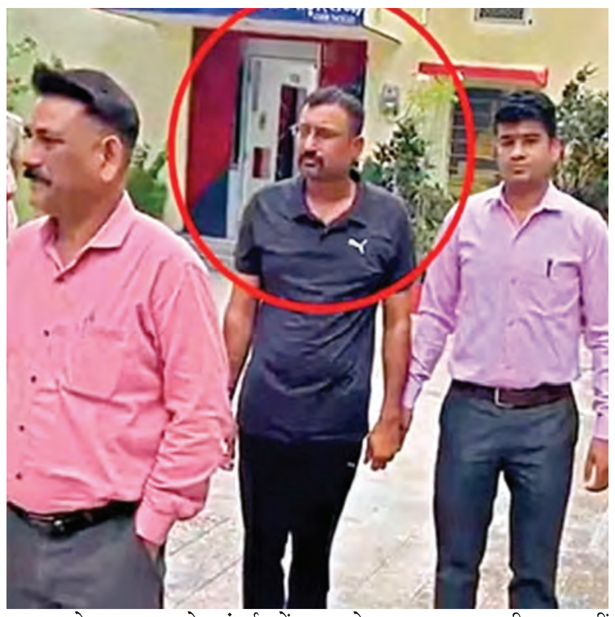

2013 से जबराराम के संपर्क में था।

लंबी छुट्टी के बाद नहीं लौटा ड्यूटी पर

गोविंद ने मार्च महीने में कुछ दिनों की छुट्टी ली थी, लेकिन इसके बाद वह ड्यूटी पर नहीं लौटा। लगातार अनुपस्थिति के चलते विभाग ने नोटिस जारी किए, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। अंततः विभाग ने वेतन रोकने की कार्रवाई की। एसओजी की टीम ने गोविंद को गिरफ्तार कर बांसवाड़ा की अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे 11 दिन के रिमांड पर एसओजी को सौंप दिया, जिसके बाद उसे जयपुर ले जाया गया।

सरकारी नौकरी से पहले चलाता था शराब की दुकान

भवानी शंकर ने बताया कि गोविंद को 2018 में सरकारी नौकरी मिली थी। इससे पहले वह कल्याणपुरा में शराब की दुकान चलाता था।

उसकी दुकान पर हीराराम नामक एक सेल्समैन काम करता था। हीराराम की बहन प्यारी और भाई ओमप्रकाश को गोविंद ने 3.5-3.5 लाख रुपए लेकर पेपर पढ़ाया था। इसी तरह, अपने चचेरे भाई सुरेंद्र को भी इसी राशि में पेपर दिलाया। यह पूरी राशि जबराराम को दी गई थी। एसओजी ने इस मामले में प्यारी को भी गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

सांसद राजकुमार रोत ने मंत्री किरोड़ी लाल से की मुलाकात

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की

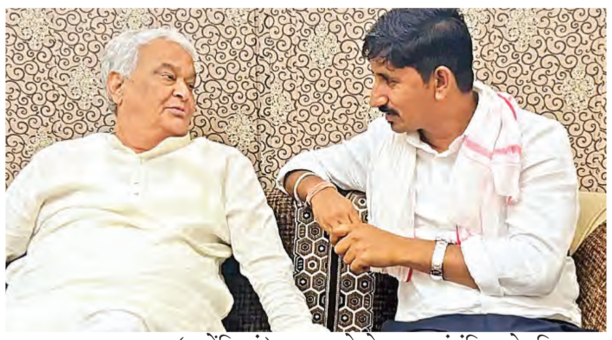

जयपुर, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना एक के बाद जगह खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर छापेमार कार्रवाई कर रहे है। इसी कड़ी किरोड़ी लाल मीना ने उदयपुर में दूसरे दिन भी खाद बनाने वाली फैक्टरियों पर छापे मारे। कृषि अधिकारियों ने पांच फैक्टरियों में जांच-पड़ताल कर सैंपल एकत्रित किए। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत ने किरोड़ी लाल मीना द्वारा की जा रही कार्रवाई को सराहनीय बताया।

किरोड़ी लाल की कार्रवाई सराहनीय- रोत

राजकुमार रोत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि 'उदयपुर सर्किट हाउस में वर्तमान कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा से शिष्टाचार मुलाकात हुई। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। उनके द्वारा उदयपुर में फर्जी खाद बीज गोदामों पर की जा रही कार्रवाई सराहनीय है।'

कृषि टीम ने लिए 29 नमूने

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना की अगुवाई में कृषि विभाग की टीमों ने उदयपुर में विभिन्न फैक्टरियों से 29 सैंपल एकत्रित किए। सभी सैंपल जांच के लिए लेबोरेट्री में भेजे जाएंगे। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित फैक्टरी मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। साथ ही ऐसी फैक्टरियों का लाइसेंस भी निरस्त किए जाएंगे।

सीएम भजनलाल ने बॉर्डर के पास धोरों में किया योग, बोले- योग से दूर होता है तनाव

जैसलमेर, 21 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जैसलमेर के खुहड़ी क्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने योगाभ्यास कर प्रदेशवासियों को स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इस बार 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' थीम पर आयोजित योग कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जैसलमेर के खुहड़ी के रेतीले धोरों पर आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशवासियों को संबोधन से हुई, जिसे हजारों लोगों ने ध्यानपूर्वक सुना। इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने योग साधना की और कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो तन-मन को स्वस्थ रखने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, पूर्व सांसद मानवेंद्रसिंह जसोल, भाजपा पदाधिकारी, जिला प्रशासन, सुरक्षा बलों के जवान और हजारों स्थानीय नागरिक शामिल हुए। खुहड़ी की प्राकृतिक रेतीली पृष्ठभूमि ने इस आयोजन को और आकर्षक बनाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि योग से तनाव दूर होता है और मन को शांति मिलती है। आज पूरी दुनिया में योग दिवस का कार्यक्रम हुआ, स्वस्थ रहना जीवन की परंपरा है। यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो हमारा देश, प्रदेश आगे बढ़ेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से योग ने वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई है। साथ ही, उन्होंने जैसलमेर के विकास को प्राथमिकता देने और इस वर्षा काल में 10 करोड़ पौधे लगाने की प्रतिबद्धता जताई। योग कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित मातेश्वरी तनोट माता मंदिर में दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने बीएसएफ जवानों से मुलाकात कर सीमा की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और प्रदेश की खुशहाली के लिए मन्नत मांगी।

ठगी का अनोखा तरीका, 8 पैर वाला कछुआ दिखाकर ठगे लाखों रुपए, पुलिस ने दबोचे 3 आरोपी

श्रीगंगानगर, 21 जून (एजेंसियां)। गंगापुरसिटी के वजीरपुर थाना क्षेत्र में ठगी का एक अनोखा मामला सामने आया है। कुछ लोगों ने एक जने को झांसा देकर आठ पैरों वाला कछुआ दिखाकर तीन लाख रुपए ठग लिए। वजीरपुर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से कई दिनों की मशक्कत के बाद तीन आरोपियों को दबोच लिया है। साथ ही अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोपी पीसी रिमाण्ड पर लिए गए हैं।

थाना प्रभारी टीनू सोगरवाल ने बताया कि एक पखवाड़े पहले कुछ लोग गांव में एक कछुए को लेकर घूम रहे थे। इस दौरान बड़ौली का पुरा निवासी लोहड़े लाल पुत्र मीठया लाल बैरवा उनके संपर्क में आया। आरोपियों ने उससे आठ पैरों वाले कछुए के बारे में बताया। कहा कि बाजार में इसकी कीमत करीब 40 लाख रुपए है। यह सात लाख रुपए में मिल जाएगा। चार लाख का इंतजाम तो हो गया है। तीन लाख रुपए की जरूरत है। इस बहकावे में आकर लोहड़े ने तीन लाख रुपए का इंतजाम कर लिया। इस पर आरोपी उसे बाइक पर बैठाकर गंगापुरसिटी ले आए।

जहां एक कार में बैठे लोगों के हाथ में आठ पैर वाला कछुआ दिखा दिया। इतना ही नहीं पीड़ित को विश्वास दिलाने के लिए आरोपियों ने दूसरी कार से एक फर्जी चिकित्सक को भी बुला लिया। उसने उसे स्वस्थ तथा आठ पैरों वाला बताया। इस झांसे में आकर पीड़ित अपने पुत्र के साथ कार में बैठ गया। आरोपी उसे पिपलाई की तरफ ले गए जहां रास्ते में दोनों को मारपीट कर मोबाइल छीनकर भगा दिया। इसके बाद पीड़ित ने मामला दर्ज कराया। पुलिस ने इस ऑपरेशन को कछुआ नाम दिया।

आरोपियों में संजय पुत्र चंदालाल मोग्या बागरिया, प्यारसिंह पुत्र चंदालाल तथा कजोड़ पुत्र हनुमान मोग्या निवासी खेड़ला थाना मण्डावरी, दौसा हैं। तीनों को बापर्दा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उनको पीसी रिमाड पर सौंपा गया है।

यह ठगी का अनोखा मामला आया है। आरोपियों की पहचान करना मुश्किल हो गया था। सीसीटीवी के आधार पर तीन लोगों को पकड़ा है।

परबतसर मेगा हाइवे पर भीषण सड़क हादसा, तीन लोगों की मौत

3 अन्य लोग गंभीर घायल

नागौर, 21 जून (एजेंसियां)। नागौर जिले में परबतसर से होकर गुजरने वाले मेगा हाइवे पर सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन लोगों की मौत और तीन अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं।

बता दें कि यह हादसा बस और दो कारों की आपस में टक्कर से हुआ है। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर रेफर किया गया है। वहीं, सूचना पर पहुंची पुलिस तीनों मृतकों की शिनाख्त में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि ओवरटेक करते समय कार बस से टकरा गई।

वहीं, आनन-फानन में सभी घायलों को परबतसर उप जिला अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां उनकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उन लोगों को अजमेर रेफर किया गया है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर हाइवे को सुचारू करवाया।

रील का नशा : पटरी पर लेट गया शख्स, ट्रेन ऊपर से गुजरने के बाद लिया हिरासत में

बाड़मेर, 21 जून (एजेंसियां)। बालोतरा में एक युवक ने रेल की पटरी पर सोकर रील बनाई और फिर उसको सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। सोशल मीडिया पर शेयर होते ही पुलिस हरकत में आ गई।

बता दें कि वायरल वीडियो का पता लगाते हुए पुलिस ने रेल की पटरी पर सोकर रील बनाने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने युवक की ओर से माफी मांगने और पुलिस कार्रवाई करने का वीडियो भी शेयर किया है। फिलहाल, पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है।

इतने सेकेंड का है वीडियो

सोशल मीडिया पर शेयर वीडियो 18 सेकेंड का है। इसमें युवक मोबाइल लेकर रेल की दोनों पटरियों के बीच में उल्टा सो रहा है। ट्रेन आती देख मुंह को नीचे छुपा लेता है और ट्रेन के नीचे चलते हुए का वीडियो शूट करता है। ट्रेन जाने के बाद हंसते हुए खड़ा होता है।

पुलिस लगातार कर रही कार्रवाई

सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर गहन साइबर पेट्रोलिंग कर सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने और किसी प्रकार की फेक, भ्रामक पोस्ट, गलत टिप्पणी और गैन कानूनी पोस्ट करने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई जारी है। स्पेशल अभियान के नोडल प्रभारी एएसपी गोपाल सिंह भाटी के नेतृत्व में की जा रही है।

एसपी ने क्या बताया

बालोतरा एसपी अमित जैन ने बताया, 20 जून को एक युवक की ओर से रेलवे पटरी पर सोकर अपने जीवन को खतरे में डालकर अपने ऊपर से ट्रेन गुजरने की रील बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड किया। रेलवे ट्रैक पर इस तरह की रील का खतरनाक तरीके से बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करने के मामले में गंभीरता से लिया गया।

इंस्टाग्राम आईडी से हुई पहचान

इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर युवक की पहचान कमलेश पुत्र शिवलाल निवासी तिलवाड़ा पुलिस थाना जसोल के रूप में हुई है। बालोतरा टीम ने एएसआई राकेश कुमार मय पुलिस जाब्ते ने युवक को डिटेन कर लिया। घटनाक्रम रेलवे पुलिस इलाके का होने से आगे की कार्रवाई के लिए आरपीएफ बालोतरा को सुपुर्द कर दिया गया है।

आटिया नाले में कार बही, हादसे में 2 की मौत, एक लापता

ग्रामीणों ने महिला को सुरक्षित बाहर निकाला

जोधपुर, 21 जून (एजेंसियां)। परिचितों के साथ मथानिया क्षेत्र स्थित राधा रानी मंदिर के दर्शन के लिए निकले प्लाईवुड व्यवसायी की कार बहते नाले में गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, एक व्यक्ति लापता है, जबकि एक महिला को ग्रामीणों ने जिंदा बचा लिया।

जोधपुर निवासी प्लाईवुड व्यवसायी हरि भंडारी अपने परिचितों के साथ मथानिया क्षेत्र के राधा रानी मंदिर के दर्शन के लिए निकले थे। दर्शन के बाद लौटते समय दईजर क्षेत्र में तेज बारिश के कारण आटिया नाले में पानी का बहाव तेज हो गया था। भंडारी ने सोचा कि कार आराम से निकल जाएगी और उन्होंने वाहन को बहते पानी में उतार दिया लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि उनका कार पर से नियंत्रण छूट गया और वह पुलिया से नीचे गिर गई।

कार के गिरते ही वह तेज बहाव में बहने लगी। घटना के समय ग्रामीण मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने तुरंत रेस्क्यू का प्रयास किया। इस दौरान दो लोगों हरि भंडारी और उर्मिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सूरज कंवर नामक महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। कार में सवार चौथे व्यक्ति संपत कुमार की तलाश अब भी जारी है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने किया सुसाइड : सॉरी के साथ 8 पन्नों का लिखा नोट, पुलिस ने कब्जे में लिया मोबाइल-लैपटॉप

कोटा, 21 जून (एजेंसियां)। कोटा के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र की देवाशीष सिटी में एक 35 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से निजी कर्ज और सूदखोरों की प्रताड़ना से परेशान था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाने के एएसआई मोहम्मद हुसैन के अनुसार मृतक की पहचान दुष्यंत पांडे के रूप में हुई है जो कि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर था और अपने सेवानिवृत्त माता-पिता के साथ देवाशीष सिटी में रहता था। उसकी दोनों बहनें शादीशुदा हैं। बताया गया कि गुरुवार दोपहर वह घर के ऊपरी हिस्से में स्थित अपने कमरे में गया था लेकिन बाहर नहीं आया। परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने दरवाजा खटखटाया। जब भीतर से कोई जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो दुष्यंत संदिग्ध अवस्था में मृत मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया और बाद में परिवार को सौंप दिया गया।

परिजनों ने बताया कि उन्होंने एक परिचित के माध्यम से लाखेरी निवासी व्यक्ति से कर्ज लिया था जिसके बदले दुष्यंत के बैंक अकाउंट से जुड़े 14 लाख रुपए के चेक दिए गए थे। बाद में कर्ज चुका देने के बावजूद वह व्यक्ति चेक वापस नहीं कर रहा था और दूसरों को दे दिए। इससे कई नए लोग भी दुष्यंत पर पैसे के लिए दबाव बनाने लगे। यहां तक कि लाखेरी की अदालत में उनके खिलाफ केस भी दर्ज करवा दिया गया। दुष्यंत ने मरने से पहले 8 पन्नों का बड़ा सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उसने अपनी परेशानियों और लेन-देन का पूरा विवरण दिया है। उसने "सॉरी" शब्द कई बार लिखा और आरोप लगाया कि कोटा के केशवपुरा निवासी नरेंद्र नागर, रवि और लाखेरी के शंकर राय व रामभगत जैसे लोग लगातार उसे मानसिक रूप से परेशान कर रहे थे। इतना ही नहीं, उसने सूदखोरों से हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग एक पेन ड्राइव में सेव की और उसका मेल आईडी व पासवर्ड भी सुसाइड नोट में लिखा ताकि जांच में सारे सबूत के रूप में काम आ जाए। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है और सूदखोरों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। थाना प्रभारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि मृतक के मोबाइल और लैपटॉप में कुछ सूदखोरों की जानकारी हो सकती है। इसी आधार पर पुलिस ने मोबाइल और लैपटॉप को कब्जे में लेकर उनकी फॉरेंसिक जांच शुरू कर दी है। पुलिस का मानना है कि इन उपकरणों से सूदखोरों के नाम, लेन-देन और दबाव की परिस्थितियों का खुलासा हो सकता है। जांच के बाद जैसे ही किसी व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है ताकि मृतक को न्याय मिल सके।

ऑटो चालक पर जानलेवा हमला करके मोबाइल और नकदी लूटे

हमलावरों में एक युवती भी

अलवर, 21 जून (एजेंसियां)। जिले के भिवाड़ी में बदमाशों ने एक ऑटो चालक पर जानलेवा हमला कर उसकी जेब में रखे सारे पैसे और मोबाइल फोन लूट लिया। हमलावरों में एक युवती भी शामिल बताई जा रही है, जिसने अपने साथियों के साथ इस लूट को अंजाम दिया। घटना भिवाड़ी के फूलबाग थाना क्षेत्र स्थित रीको चौक और फूलबाग के बीच की है।

जानकारी के अनुसार महेंद्रगढ़ जिले के कोटिया कनीना का निवासी धर्मेंद्र यादव भिवाड़ी में ऑटो चलाता है। बीती रात वह सवारी छोड़कर घर वापस लौट रहा था, तभी रास्ते में दो युवकों और एक युवती ने उससे लिफ्ट मांगी और धर्मेंद्र के ऑटो रोकते ही तीनों उसमें सवार हो गए।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का खुलासा

अटारी बॉर्डर से राजस्थान-पंजाब में होती थी सप्लाई

कुचामन शहर, 21 जून (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया है। मामले में दुबई से जुड़े तस्कर अमरजीत सिंह को पंजाब गिरफ्तार किया है। डीडवाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत गहन जांच के बाद यह कार्रवाई की है।

बता दें कि अब तक चार तस्करों को पकड़ा जा चुका है। इस नेटवर्क का संचालन दुबई से हो रहा था। अटारी बॉर्डर के रास्ते ड्रग्स की खेप भारत लाकर राजस्थान और पंजाब में सप्लाई होती थी। डीडवाना पुलिस ने मामले की जांच कर खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, ड्रग्स नेटवर्क दुबई से चलता था। गिरफ्तार अमरजीत सिंह इस गिरोह का अहम हिस्सा था। दुबई के असगर अली के साथ मिलकर काम करता था। ये लोग अटारी बॉर्डर के जरिए हेरोइन और अन्य मादक पदार्थ भारत में ले आते थे।

डीडवाना में मो. इलियास, अरबाज और आदिल नामक युवा स्थानीय तस्करों के जरिए राजस्थान और पंजाब में बेचते थे। इनका पूरा नेटवर्क करोड़ों रुपए की ड्रग्स तस्करी करता था। सोने की तस्करी में कम मुनाफा होने के कारण अमरजीत और असगर ने ड्रग्स का कारोबार शुरू किया। असगर दुबई से नेटवर्क को निर्देश देता था और अमरजीत अटारी बॉर्डर से ड्रग्स लेकर डीडवाना में इलियास को सप्लाई करता था।

पुलिस ने ऐसे की कार्रवाई

डीडवाना पुलिस नशे के खिलाफ अभियान चला रही है। हाल ही में पुलिस ने अफीम की अवैध खेती और नशीली दवाओं की बड़ी खेप पकड़ी थी। इस दौरान आदिल, अरबाज और इलियास को गिरफ्तार किया गया था। इन लोगों की मदद से अमरजीत तक पहुंचने में पुलिस ने सफलता हासिल की।

पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। अमरजीत से पूछताछ जारी है, पुलिस दुबई से संचालित इस तस्करी के और राज खोलने में जुटी हुई है। राजस्थान और पंजाब में इसके अपराधिक संबंधों की भी जांच की जा रही है।यह कार्रवाई नशे के खिलाफ पुलिस की सख्ती का नतीजा है।

'योग आंध्र' कार्यक्रम सुपरहिट रहा : चंद्रबाबू नायुडू

विशाखापट्टनम, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज विशाखापट्टनम में आयोजित योग दिवस सफल रहा। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि 'योग आंध्र' कार्यक्रम सुपरहिट रहा। उन्होंने यह भी कहा कि शहर में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कर एक नया इतिहास रचा गया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर समय पर 3 लाख 3 हजार से अधिक लोग पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह पहली बार हुआ है कि एक ही समय में दो गिनीज रिकॉर्ड बने हैं। उन्होंने कहा कि यह सफलता जन जागरूकता से मिली है। नायुडू ने कहा कि प्रकृति ने भी दया दिखाई है।

उन्होंने कहा कि 20 दिन पहले ही बारिश होने की संभावना जताई गई थी, इसलिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'योग आंध्र' को इतना लोकप्रिय बनाया है कि सभी देश इसे मान्यता दे रहे हैं। उन्होंने सभी को बधाई दी, जिन्होंने तकनीकी सहायता से बिना किसी कठिनाई के इतने बड़े समारोह को सफल बनाया।

नायुडू ने कहा कि हर उम्र के लोग आधी रात को उठकर योग आंध्र के आह्वान के साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि 26 जिलों में 26 थीम आधारित योग का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि 100 पर्यटन स्थलों में से 101 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि एक लाख से अधिक स्थानों पर ढाई करोड़ लोगों ने योग किया। इस अवसर पर सीएम ने विशाखापट्टनम में 10 साल पहले आए हुद हुद चक्रवात के घटनाक्रम को याद किया। नायुडू ने कहा कि 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन पर विशेष घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस उत्सव को तार्किक निष्कर्ष दिया जाएगा, जो गेम चेंजर बन गया है। उन्होंने कहा कि योग परिवार पर बोझ नहीं है और यह राज्य पर बोझ नहीं है। उन्होंने कहा कि योग आंध्र को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिल गेट्स फाउंडेशन के साथ मिलकर डिजिटल हेल्थ कार्ड को लेकर नए ट्रेंड बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य को बनाए रखते हुए चिकित्सा खर्च को काफी कम करने के लिए यह परियोजना तैयार की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मंत्री लोकेश के नेतृत्व वाली कैबिनेट उप-समिति के प्रदर्शन के कारण जनता में जागरूकता बढ़ी है। प्रधानमंत्री तथ्यों के बिना नहीं बोलेंगे, सीएम चंद्रबाबू ने कहा और प्रधानमंत्री की सराहना के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

पुलिस ने विधायक कौशिक रेड्डी को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम हुआ है। बीआरएस पार्टी के नेता और हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारंगल सुबेदारी पुलिस ने उन्हें शमशाबाद एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें वारंगल ले जाया गया। पाडी कौशिक रेड्डी के खिलाफ बीएनएस एक्ट की धारा 308(2), 308(4), 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है। कमलापुरम मंडल के वंगापल्ली में खदान चलाने वाले ग्रेनाइट व्यापारी के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि विधायक कौशिक रेड्डी ने उन्हें धमकाया और 50 लाख रुपये मांगे। इस शिकायत के आधार पर सुबेदारी थाने में कौशिक रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, कौशिक रेड्डी ने इस साल अप्रैल में तेलंगाना उच्च न्यायालय में मामले को खारिज करने के लिए याचिका दायर की थी। 16 जून को मामले की सुनवाई करने वाली अदालत ने याचिका खारिज कर दी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पाडी कौशिक रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि चाहे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कितने भी षड्यंत्र रच लें, वे झुकेंगे नहीं और उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें रेवंत रेड्डी द्वारा बेनामी के माध्यम से चलाए जा रहे खदान कार्य पर सवाल उठाने के लिए गिरफ्तार किया जा रहा है। कौशिक रेड्डी ने यह टिप्पणी उस समय की जब पुलिस उन्हें शमशाबाद हवाई अड्डे पर अवैध रूप से गिरफ्तार कर रही थी। रेड्डी ने आलोचना की कि बिना कोई नोटिस दिए उन्हें हवाई अड्डे पर गिरफ्तार करना अवैध है। उन्होंने कहा कि चाहे सरकार कितनी भी साजिशें रच ले और कितने भी अवैध मामले दर्ज कर ले, ईमानदारी नहीं झुकेगी। उन्होंने टिप्पणी की कि जिस तरह से उन्हें शमशाबाद में गिरफ्तार किया गया वह लोकतंत्र पर हमला है। रेवंत रेड्डी अपनी साजिशों और अवैध मामलों से मुझे रोकने की सोच रहे हैं। यह उनकी मूर्खता और उनके अक्षम शासन और अवैध राजनीति को दर्शाता है।

स्कूलों में बाल सुरक्षा पर बैठक आयोजित

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय सभागार में माधापुर एलएंडओ डीसीपी डॉ. विनीत की देखरेख में स्कूल सुरक्षा क्लब और बाल सुरक्षा पर बैठक आयोजित की गई। साइबराबाद पुलिस ने बच्चों के लिए एक संरचित सुरक्षा वातावरण बनाने के लिए स्कूलों में सुरक्षा क्लबों के गठन की पहल की है। ये क्लब शारीरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, नशीली दवाओं के दुरूपयोग और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करेंगे। प्रत्येक वर्टिकल का नेतृत्व एक प्रशिक्षित संकाय सदस्य द्वारा किया जाएगा और नामित बालमित्र शिक्षकों द्वारा समर्थित किया जाएगा। स्कूलों को नियमित सुरक्षा-संबंधी गतिविधियां आयोजित करने और सामूहिक रूप से बाल सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ लेने का निर्देश दिया गया है। माधापुर ज़ोन के स्कूल प्रिंसिपलों और प्रबंधन प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, डीसीपी डॉ. विनीत ने सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल में बाल-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने छात्रों की बात सुनने, उन्हें सुरक्षा निर्णयों में शामिल करने और किसी भी घटना की रिपोर्ट करने के लिए सुरक्षित चैनल प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। डीसीपी ने स्कूलों में बच्चों की आत्महत्या, बदमाशी, नशीली दवाओं के दुरूपयोग और यौन उत्पीड़न पर बढ़ती चिंताओं को उजागर किया। अपराधियों में कर्मचारी, साथी छात्र, परिवहन कर्मी, बाहरी लोग या यहां तक कि परिवार के सदस्य भी शामिल हो सकते हैं। ये मुद्दे बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं, जिससे निवारक उपायों और अधिक जागरूकता की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया जाता है।

उन्होंने स्कूलों को शारीरिक, मौखिक या ऑनलाइन रैगिंग और बदमाशी के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता की नीति लागू करने का निर्देश दिया। स्कूलों को एंटी-रैगिंग कमेटियों की स्थापना करनी चाहिए, छात्रावासों और परिवहन सुविधाओं जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी करनी चाहिए और छात्रों को बिना किसी डर के समस्याओं की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ड्रॉप बॉक्स और हेल्पलाइन जैसी गुमनाम शिकायत प्रणाली स्थापित करनी चाहिए। छात्रों में नशीली दवाओं का दुरूपयोग भी एक बढ़ती हुई चिंता है।

महाप्रबंधक ने काजीपेट स्टेशन पर नए क्रू रनिंग रूम का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद मंडल के काजीपेट रेलवे स्टेशन पर नए रनिंग रूम और अन्य सुविधाओं का उद्घाटन किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक भरतेश कुमार जैन और मुख्यालय और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद से काजीपेट तक रियर विंडो निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने ट्रैक, पुलों और सिग्नलिंग सिस्टम के रखरखाव से संबंधित सुरक्षा पहलुओं की जांच की। उन्होंने ट्रेन के चलने के दौरान लोको कर्मचारियों की ड्यूटी और सतर्कता की भी जांच की। काजीपेट में महाप्रबंधक ने नए क्रू रनिंग रूम, पावर कंट्रोल रूम और नए डाइनिंग हॉल का उद्घाटन किया। उन्होंने नए रनिंग रूम और डाइनिंग हॉल में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण भी किया।

महाप्रबंधक ने अन्य अधिकारियों के साथ रनिंग रूम में हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण किया। बाद में, अरुण कुमार जैन ने काजीपेट स्टेशन पर रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) प्रणाली का निरीक्षण किया और रिले रूम में अपनाई जाने वाली सभी सुरक्षा और तकनीकी पहलुओं और प्रक्रियाओं की समीक्षा की। उन्होंने सिग्नलिंग उपकरणों, बक्सों और बिंदुओं का निरीक्षण किया और मंडल अधिकारियों द्वारा कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

गणपति ने तेलंगाना ईडीसीईटी 2025 में किया टॉप

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एजुकेशन कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईडीसीईटी) 2025 के शनिवार को घोषित नतीजों में हैदराबाद के एक छात्र ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। 126.839991 अंकों के साथ हैदराबाद के गौलीपुरा के वज्जा गणपति शास्त्री ने पहला स्थान हासिल किया है। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः सिकंदराबाद के गैरेपेल्ली शरत चंद्र और वारंगल के कौडागानी नागराजू रहे। यह जानना दिलचस्प था कि कुल 26,304 महिलाओं ने प्रवेश परीक्षा दी, जो पुरुषों (5,801) की तुलना में लगभग 4.5 गुना अधिक थी। हालांकि, शीर्ष 10 में सात स्थान पुरुषों ने हासिल किए।

तेलंगाना बटालियन ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी, हैदराबाद ग्रुप द्वारा 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भव्यता के साथ मनाया गया। 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल के. सुन्दर पांडियन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शहर के चार प्रमुख स्थानों पर आयोजित इस कार्यक्रम में बटालियन के लगभग 1000 एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न शिक्षण संस्थानों के एनसीसी अधिकारियों, पीआई, जीसीआई, सिविल कर्मचारियों द्वारा नगरद्वय के प्रतिष्ठित संजीवय्या पार्क एवं सिकंदराबाद स्थित बाइसन ट्रेनिंग ग्राउंड में योग प्रोटोकॉल के तहत भाग लिया। इस योग दिवस को एक पर्व की तरह लोक कल्याण, सदभाव एवं वैश्विक मन:शांति हेतु आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य एकता और विविधता को अपनाते हुए जीवन को निरोग बनाते हुए हमारी प्राचीन धरोहर को आगे बढ़ाना है। उन्होंने आगे कहा कि इस दौरान कैडेट्स ने प्रतिज्ञा ली, कि वे इस योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे और हमारी प्राचीन पद्धति एवं सभ्यता को आगे बढ़ाएंगे। इस योग दिवस का समापन "लोक समस्त सुखिनो भवन्तु" के साथ संपन्न हुआ।

इमारत में लगी आग, 12 लोगों को बचाया गया

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह आसिफनगर में आग लगने वाली एक इमारत से 12 लोगों को बचा लिया गया। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग एक इमारत में लगी, जहां फर्नीचर बनाने और मरम्मत करने वाली एक कार्यशाला है। सुबह करीब 4.20 बजे कर्मचारियों ने कार्यशाला से धुआं निकलता देखा और अग्निशमन विभाग को सूचित किया।

विभिन्न दमकल केंद्रों से दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने तथा बचाव कार्य शुरू किया। हैदराबाद के जिला अग्निशमन अधिकारी टी वेंकन्ना ने बताया, तहखाने, भूतल और पहली मंजिल पर फर्नीचर की कार्यशाला चल रही है, जबकि ऊपरी दो मंजिलों पर 12 कर्मचारी रह रहे हैं। मौके पर पहुंचकर हमने इमारत में फंसे कर्मचारियों को बचाया। अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रिक पैनल बोर्ड में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। अग्निशमन अधिकारियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया।

हैदराबाद में योग और फिटनेस स्टूडियो चेन नेचर क्लब ने संजीवय्या पार्क में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। मुख्य अतिथि गोपाल बलदावा योग गुरु और नेचर क्लब के संस्थापक डॉ. सोमनाथ मजूमदार, किरीट लखानी, विवेक, के. श्रीनिवास और उनकी टीम ने योग कार्यक्रम को शानदार बनाया। इस अवसर पर नेचर क्लब स्टूडियोज के के. श्रीधर और मिस पी. भारती मौजूद थे।

जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल एवं भाजपा प्रदेश महासचिव प्रेमेंद्र रेड्डी, प्रदेश कार्यालय सचिव उमा शंकर, अमरसिंह, आधारी राज कुमार, अध्यक्ष जामबाग, महेंद्र, पी. कुमार, जनार्दन, संदीप जैन, हरिनाथ, श्रीकांत, महेश यादव, अशोक और कई समर्पित भाजपा कार्यकर्ताओं ने योगदिवस पर योग दिवस मनाया।

गवर्नमेंट गर्ल्स आई स्कूल मारेडपल्ली में योगा दिवस पर योगाभ्यास की कार्यशाला में छात्राओं के साथ प्रेक्षाध्यान की निर्मला बैद।

योग से शारीरिक और मानसिक शांति : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि प्रतिदिन योग करने से शारीरिक और मानसिक शांति मिलती है। शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिला अपर कलेक्टर दीपक तिवारी, एम. डेविड, कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव, जिला अधिकारी और कर्मचारियों ने भाग लिया और योग आसनों का अभ्यास किया।

डॉ. प्रीति राठी को पीएच.डी. की उपाधि

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. प्रीति राठी को उनके शोध विषय 'ह्यूमन रिसोर्स एण्ड स्टॉफ रिटेंशन इन प्राइवेट यूनिवर्सिटी इन दि स्टेट ऑफ तेलंगाना एण्ड आन्ध्र प्रदेश' के लिए पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी। आई.सी.एफ.ए.आई. यूनिवर्सिटी (जयपुर) से प्रोफेसर डॉ.एच.पी. सिंह के मार्गदर्शन में प्रीति राठी ने 'ह्यूमन रिसोर्स एण्ड स्टॉफ रिटेंशन इन प्राइवेट यूनिवर्सिटी इन दि स्टेट ऑफ तेलंगाना एण्ड आन्ध्र प्रदेश' विषय पर गहन शोध कर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। राष्ट्रपति ने उनको पीएच.डी. उपाधि को मान्यता प्रदान कर सम्मानित किया।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के हस्तक्षेप के बाद भाजपा ने जीएचएमसी सीमा में मुहर्रम की व्यवस्था सुनिश्चित की

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष और भारत सरकार के कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हैदराबाद में मुहर्रम 2025 के सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उनकी पहल के बाद, भाजपा के पूर्व राज्य प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता मीर फिरासथ अली बाकरी ने सीसी कॉम्प्लेक्स में जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन से मुलाकात की और व्यवस्थाओं पर उचित कार्रवाई के लिए ज्ञापन दिया। पत्र की एक प्रति क्षेत्रीय आयुक्त, दक्षिण क्षेत्र (चारमीनार) को भी सौंपी गई। ज्ञापन में 26 जून से 3 सितंबर के बीच व्यापक नागरिक कार्यों के साथ अलावा बीबी, डबीरपुरा और जीएचएमसी चारमीनार क्षेत्र की सीमा के तहत अन्य आशूरखानों में अस्थायी शेड की मांग की गई है। आयुक्त आरवी कर्णन ने आश्वासन दिया कि मुहर्रम से संबंधित सभी कार्यों का मूल्यांकन जीएचएमसी और नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्रालय (एमएयूडी) के मानदंडों के अनुसार किया जाएगा।

धम्माईगुडा स्थित अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजस्थानी मित्र मंडल धम्माईगुडा द्वारा आयोजित योगा कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, मोटाराम, मगाराम बर्फा, करण, महेन्द्र गेहलोत, प्रकाश सोयल, सुरेश सीरवी, नेमाराम, खेताराम काग, देवाराम, परबत सोलंकी, जिया गेहलोत व अन्य।

एनएमडीसी में विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय, हैदराबाद में कार्मिकों के लिए विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। रुद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने इस विशेष हिंदी कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निदेशक (कार्मिक) श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी ने प्रशिक्षण का भरपूर लाभ उठाकर राजभाषा प्रयोग में प्रगति करने का आह्वान किया है। उन्होंने संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित श्रीमती नीलिभा तिवारी का परिचय प्रतिभागियों से कराया।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में रुद्रनाथ मिश्र ने भारत सरकार की राजभाषा नीति पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। द्वितीय सत्र में श्रीमती नीलिभा तिवारी ने हिंदी पत्राचार एवं शब्दावली पर सत्र लिया।

कार्यशाला के अगले सत्र में राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने राजभाषा हिंदी के आसान उपयोग के विषय में अवगत कराया। सुश्री सुरेखा एवं सुश्री शाइस्ता, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया।

केन्द्रीय विद्यालय पिकेट में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय विद्यालय पिकेट, सिकंदराबाद में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें केन्द्रीय विद्यालय संगठन, हैदराबाद संभाग के सहायक आयुक्त एवं सभी कर्मचारीगण, विद्यालय प्राचार्य एवं विद्यालय के समस्त कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठतम सहायक आयुक्त टी. प्रभुदास के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया, जिसने पूरे वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। इसके उपरांत, गायत्री परिवार और दिया फाउंडेशन के अनुभवी प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों और प्राणायामों का अभ्यास कराया। प्रशिक्षकों ने न केवल आसनों के सही तरीक़ों का मार्गदर्शन किया, बल्कि उनके लाभों के बारे में भी विस्तार से बताया, जिससे उपस्थित सभी लोग योग के महत्व को गहराई से समझ सकें। इस गरिमामय कार्यक्रम में सहायक आयुक्त टी. प्रभुदास, रेज़ी वी. आर. नाथ, जी. कृष्णा वेणी और क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद संभाग के अन्य समस्त कर्मचारियों एवं विद्यालय के प्राचार्य रूपिंदर सिंह उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों ने भी इस योग सत्र में सक्रिय रूप से भाग लेकर एक स्वस्थ और संतुलित जीवन शैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई।

जीएचएमसी आयुक्त ने 27 नगर नियोजन कर्मचारियों का किया तबादला

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने शनिवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 27 नगर नियोजन कर्मचारियों का तबादला कर दिया। सहायक नगर नियोजक, नगर नियोजन अधिकारी, नगर नियोजन पर्यवेक्षक और जीएचएमसी नगर नियोजन विंग में कार्यरत अन्य कर्मचारियों सहित कुल 27 कर्मचारी इस अभ्यास का हिस्सा थे। स्थानांतरण आदेश में कहा गया था कि स्थानांतरित कर्मचारियों को तत्काल उस क्षेत्र में रिपोर्ट करना होगा जहां उन्हें स्थानांतरित किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

शुभमन गिल पर लगेगा भारी जुर्माना?

कप्तान बनते ही तोड़ा आईसीसी का नियम

लंदन, 21 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की है. मैच के पहले दिन कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने शानदार शतक लगाकर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचा दिया है. इस दौरान कप्तान शुभमन गिल शतक बनाने के बावजूद बड़ी मुसीबत में घिरते हुए नजर आ रहे हैं. उन पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल बड़ी कार्रवाई कर सकता है, क्योंकि गिल ने ICC का एक बड़ा नियम तोड़ दिया है. इसके लिए उन पर भारी जुर्माना लग सकता है.

गिल ने कौन सा नियम तोड़ा?

टीम इंडिया के नए कप्तान शुभमन गिल ने हेडिंग्ले टेस्ट के दौरान शानदार शतक बनाकर अपनी कप्तानी की शानदार शुरुआत की, लेकिन इस दौरान वो एक बड़ी गलती कर बैठे. वो जब बल्लेबाजी करने के लिए उतरे तो उन्होंने सफेद मोजों की जगह काले मोजे पहन रखे थे, जबकि टेस्ट मैचों में सफेद मोजे पहनने का नियम है. ये नियम मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब की सिफारिश पर लागू किया गया है, जो क्रिकेट के नियमों का निर्धारण करता है. अब गिल को ड्रेस कोड नियमों का उल्लंघन करने के लिए ICC के गुस्से का सामना करना पड़ सकता है. स्काई स्पोर्ट्स ने गिल के मामले में एक ट्वीट भी किया है.

काले मोजों के बारे में क्या कहता है नियम?

कपड़ों को लेकर आईसीसी के नियम 19.45 में बताया गया है कि एक खिलाड़ी को टेस्ट मैच के दौरान सफेद ड्रेस, क्रीम या हल्के भूरे रंग के मोजे पहनने चाहिए, लेकिन शुभमन गिल ने काले मोजे पहने हुए थे, जो आईसीसी के नियमों का उल्लंघन है. ये नियम मई 2023 में लागू किया गया था.

क्या गिल पर लगेगा जुर्माना?

गिल पर जुर्माना लगाने का फैसला मैच रेफरी करेंगे. अगर हेडिंग्ले टेस्ट के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन इस मामले पर ध्यान देते हैं और इसे ये जानबूझकर किया गया लेवल 1 का अपराध मानते हैं तो शुभमन गिल को जुर्माने के तौर पर मैच फीस का लगभग 10 से 20 फीसद का भुगतान करना पड़ सकता है. हालांकि, अगर गिल का फैसला आकस्मिक था या उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनके सफेद मोजे गीले थे तो वे जुर्माने से बच सकते हैं, लेकिन ये मैच रेफरी पर निर्भर करता है. गिल के अलावा भी कई खिलाड़ी ड्रेस

40 साल के डुप्लेसी ने एमएलसी में ठोक दिया शतक

फिर भी 29 साल के क्रिकेटर के आगे हो गए पस्त

खेल डेस्क, 21 जून (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से केवल 22.44 की औसत से रन बनाने वाले साउथ अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी ने अमेरिका के मेजर लीग क्रिकेट में शानदार शतक ठोककर सबको हैरान कर दिया.

इस लीग में टेक्सास सुपर किंग्स की कप्तानी कर रहे 40 साल के इस बल्लेबाज ने 51 गेंदों में शतक लगाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 29 साल के एक खिलाड़ी ने डुप्लेसी की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और अपनी टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स (SF) को सात विकेट से जीत दिला दी. इस लीग में टेक्सास की ये पहली हार है.

डुप्लेसी ने खेली शानदार पारी

एमएलसी के 10वें मैच में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के खिलाफ टेक्सास सुपर किंग्स के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने 51 गेंदों में 6 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 100 रन बनाए. इस लीग में ये उनका दूसरा शतक है. इससे पहले साल 2024 में भी उन्होंने शतक ठोका था. डुप्लेसी की इस शानदार पारी की मदद से टीएसकेकी टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 198 रन बनाए. लेकिन ये लक्ष्य एसएफ के लिए काफी छोटा साबित हुआ.

शॉर्ट और फिन ने डुप्लेसी के उम्मीदों पर फेरा पानी

199 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी SF के सलामी बल्लेबाजों मैथ्यू शॉर्ट और फिन एलन ने 51 गेंदों पर 117 रनों की साझेदारी निभाकर TSK को जीत से दूर कर दिया. SF इस मुकाबले को 16.1 ओवर में तीन विकेट खोकर जीत लिया. मैथ्यू शॉर्ट ने 29 गेंदों में 6 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 61 रन बनाए, जबकि फिन एलन ने 35 गेंदों में 4 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी. इस लीग में टीएसके की ये पहली हार है. वो पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है. सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स अपने सभी मैच जीतकर टॉप पर बनी हुई है.

फ्लॉप रहे डुप्लेसी

इससे पहले आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलने वाले फाफ डुप्लेसी ने अपने प्रदर्शन से टीम को काफी निराश किया था. उन्होंने इस सीजन के 9 मैचों में केवल 22.44 की औसत से 202 रन बनाए थे. इसमें 2 अर्धशतक शामिल थे. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट केवल 123 का था.

नीरज चोपड़ा के 11 सर्वश्रेष्ठ थ्रो, पेरिस डायमंड लीग जीतने के लिए 88.16 मीटर दूर फेंका भाला

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग का खिताब जीत लिया है। इस टूर्नामेंट में वह पहले स्थान पर रहे। नीरज का प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन वह यहां 90 मीटर का आंकड़ा नहीं छू सके। नीरज ने इसी साल मई में 90 मीटर का आंकड़ा पहली बार छुआ था। अब नीरज जुलाई में एनसी क्लासिक जेवलिन थ्रो टूर्नामेंट में खेलते दिखेंगे।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग का खिताब अपने नाम किया। नीरज ने कड़े मुकाबले में जर्मन प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर को हराकर दो साल में अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता। 27 वर्षीय नीरज का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 88.16 मीटर का रहा। उन्होंने पहले ही राउंड में यह दूरी हासिल की, लेकिन बाद के पांच थ्रो में वह 90 मीटर का आंकड़ा नहीं छू सके। नीरज का दूसरा थ्रो 85.10 मीटर का रहा और फिर उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 82.89 मीटर दूर भाला फेंका। उनके तीन प्रयास फाउल रहे। वेबर 87.88 मीटर के अपने शुरुआती थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि ब्राजील के लुइस मौरिसियो दा सिल्वा 86.62 मीटर के अपने तीसरे राउंड प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

नीरज ने इसी साल मई में दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पहली बार छुआ था। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन नीरज 90 मीटर पार करने वाले दुनिया के 25वें और एशिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए थे। पेरिस ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम (92.97 मीटर) और चीनी ताइपे के चाओ सुन चेंग (91.36 मीटर) ही एशिया के दो अन्य खिलाड़ी हैं जो 90 मीटर से अधिक का थ्रो फेंक चुके हैं। वहीं, वेबर ने भी दोहा डायमंड लीग टूर्नामेंट में पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था। हम आपको नीरज के 11 सर्वश्रेष्ठ थ्रो के बारे में बता रहे हैं...

नीरज चोपड़ा के सर्वश्रेष्ठ थ्रो

1. दोहा डायमंड लीग, 2025

नीरज चोपड़ा ने आखिरकार 90 मीटर की बाधा पार करके 90.23 मीटर का थ्रो फेंका, लेकिन डायमंड लीग के दोहा चरण में जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। वेबर ने अपने आखिरी प्रयास में 91.06 मीटर का थ्रो फेंका, जबकि नीरज ने तीसरे प्रयास में ऐसा किया था। यह नीरज का अब तक का सर्वश्रेष्ठ थ्रो है।

2. स्टॉकहोम डायमंड लीग 2022

नीरज चोपड़ा ने स्वीडन में डायमंड लीग 2022 में 89.94 मीटर के जेवलिन थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इस थ्रो के साथ, उन्होंने फिनलैंड में पावो नुरमी गेम्स में सेट किए गए अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.30 मीटर को बेहतर किया।

3. पेरिस ओलंपिक फाइनल, 2024

नीरज का पेरिस ओलंपिक के फाइनल में 89.45 मीटर का थ्रो, उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा। हालांकि, इसके बाद वह एक बार भी वैध थ्रो नहीं कर सके।

4. दोहा डायमंड लीग, 2023

नीरज के 88.67 के थ्रो ने उन्हें 2023 में दोहा डिमोंड लीग में फिर से स्वर्ण पदक दिलाया। नीरज ने अपने पहले प्रयास में स्वर्ण पदक जीता।

5. विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023

88.17 मीटर का थ्रो किया और स्वर्ण पदक जीता। इसी प्रतियोगिता के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने।

6. पेरिस डायमंड लीग, 2025

नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग में अपनी पहली ही कोशिश में शानदार थ्रो करते हुए 88.16 मीटर दूर भाला फेंक कर खिताब अपने नाम किया। यह उनका दूरी के हिसाब से छठा सर्वश्रेष्ठ थ्रो है।

7. विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2022

नीरज ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 88.13 मीटर के प्रयास के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया।

8. एशियन गेम्स, 2018

नीरज ने 2018 में एशियाई खेलों में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 88.06 मीटर का थ्रो कर इतिहास रचा था।

9. डायमंड लीग फाइनल 2024

नीरज ने ब्रसेल्स डायमंड लीग फाइनल में 87.86 मीटर का थ्रो किया। वह दूसरे स्थान पर रहे और खिताब से चूक गए।

10. लुसान डायमंड लीग, 2023

नीरज ने 87.66 मीटर थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। यह उन्होंने पांचवें प्रयास में जाकर थ्रो किया और सीधे स्वर्ण पदक पर निशाना साधा। उनके गोल्डन आर्म का जादू एक बार फिर चला।

11. टोक्यो ओलंपिक, 2020

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर नीरज रातोंरात सनसनी बन गए थे। अपने दूसरे थ्रो में उन्होंने 87.58 मीटर की दूरी तय की और भारत को ओलंपिक का पहला ट्रैक एंड फील्ड गोल्ड दिलाया।

न धोनी, न एबी डिविलियर्स ऋषभ पंत ने हासिल की यह खास उपलब्धि

ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे विकेट कीपर

खेल डेस्क, 21 जून (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच के पहले दिन भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ा, इसी के साथ उन्होंने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की है।

पंत टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे तेज 3,000 रन पूरे करने वाले विकेट कीपर बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 76वीं पारी में हासिल की है। इस लिस्ट में टॉप पर ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट हैं। जिन्होंने 63 पारियों में यह कारनामा किया था। पंत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 102 गेंदों में नाबाद 65 रन बना लिए। इस दौरान उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 138 रनों की मजबूत साझेदारी भी की।

गौरतलब है कि ऋषभ पंत ने 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ही अपने टेस्ट करियर का आगाज किया था। वह अब तक 44 टेस्ट मैच खेले चुके हैं, जिसकी 76 पारियों में 42 से अधिक की औसत और 73 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 3,000 से अधिक रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 6 शतक और 15 अर्धशतक जड़े हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 159 रन का रहा है। वह विकेट के पीछे भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 164 शिकार कर चुके हैं।भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने तीन विकेट के नुकसान पर 359 का स्कोर बना लिया है। क्रीज पर ऋषभ पंत नाबाद 65 और शुभमन गिल शतक जड़कर नाबाद 127 रन पर खेल रहे हैं। भारत के लिए इससे पहले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शतकीय पारी खेली थी। जायसवाल 159 गेंदों में 16 चौके और 1 छक्का की मदद से 101 रन बनाकर आउट हुए।

यशस्वी जायसवाल के शतक पर झूम उठे वैभव सूर्यवंशी

समस्तीपुर, 21 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ पहली अग्निपरीक्षा में भारतीय बल्लेबाज पास होते हुए दिखाई दे रहे हैं. पहले टेस्ट मैच के पहले दिन भारत ने तीन विकेट खोकर 359 रन बना लिए हैं. कप्तान शुभमन गिल 127 और ऋषभ पंत 65 रन बनाकर खेल रहे हैं. इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ शतक ठोककर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई. जैसे ही जायसवाल ने शतक बनाया, वैसे ही राजस्थान रॉयल्स के उनके साथी वैभव सूर्यवंशी भी खुशी से झूम उठे. उन्होंने अपने घर पर इस शतक का जश्न मनाया. इस दौरान उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर स्टोरी भी लगाई है.

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी पारी की शुरुआत करते थे. दोनों ने कई मैचों में टीम को तेज शुरुआत दिलाई थी. इस दौरान दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई थी. इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान जब जायसवाल ने शतक लगाया तो वैभव सूर्यवंशी खुशी से उझल पड़े.

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक स्टोरी लगाई है, जिसमें यशस्वी जायसवाल के शतक पूरा होने के बाद खुशी जताने का वीडियो और फोटो अपलोड किया है. इस पर उन्होंने कैप्शन लिखा है, "बहुत बढ़िया शुरुआत". इससे पहले आईपीएल 2025 में जब वैभव ने तूफानी शतक ठोका था तो जायसवाल ने उनकी खूब तारीफ की थी.

आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी शतक ठोक दिया था. उन्होंने केवल 35 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया था, जबकि यशस्वी जायसवाल ने उस मैच में शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी. जिसकी बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को हराया था.

मैच के बाद जायसवाल ने कहा था कि ये एक शानदार पारी थी. ये उन बेहतरीन पारियों में से एक है, जो मैंने देखी है. मैं वैभव को लगातार यही कह रहा था कि बस खेलते रहो. उसने आज बेहतरीन खेल दिखाया. उसके पास खेल, धैर्य और मानसिकता तीनों हैं. मैं उसके लिए शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह आगे भी इसी तरह का अच्छा प्रदर्शन करेगा.

अब इंग्लैंड में यशस्वी जायसवाल के अच्छा प्रदर्शन करने पर उनके साथी वैभव सूर्यवंशी खुश जता रहे हैं. जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन 159 गेंदों में 16 चौकों और एक छक्का की मदद से 101 रनों की पारी खेली थी. ये उनका इंग्लैंड की धरती पर पहला शतक था.

आगामी टेस्ट सीरीज के लिए बदल गया साउथ अफ्रीका का कप्तान

टेम्बा बावुमा हुए बाहर

केप टाउन, 21 जून (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मुकाबला खेला गया था। इस मैच में साउथ अफ्रीका ने कप्तान टेम्बा बावुमा की अगुवाई में शानदार खेल दिखाया और 5 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। हालांकि अब साउथ अफ्रीका की निगाहें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के चक्र पर टिकी हुई हैं। टीम इस साइकल में सभी टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन कर फिर से फाइनल में जगह बनाना चाहेगी। हालांकि आगामी टेस्ट सीरीज से पहले कप्तान टेम्बा बावुमा टीम से बाहर हो गए हैं।

टेम्बा बावुमा हुए बाहर

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान टेम्बा बावुमा को चोट लग गई थी। वह हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे थे। दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी के दौरान बल्लेबाजी करते समय उन्हें चोट लगी थी। चोट की गंभीरता का आकलन करने के लिए, उन्हें आगे स्कैन कराना होगा। ऐसे में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बावुमा बाहर हो गए हैं। उनकी जगह पर टीम के अनुभवी फिरकी गेंदबाज केशव महाराज को कप्तान बनाया गया है। 2 मैच की टेस्ट सीरीज 28 जून से शुरू होगी, जिसका आखिरी मुकाबला 6 जुलाई से खेला जाएगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ साउथ अफ्रीका टीम में कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। आईपीएल 2025 में सीएसके की ओर से कमाल का प्रदर्शन करने वाले डेवाल्ड ब्रेविस को भी प्रोटियाज टीम में मौका मिला है। उन्होंने आईपीएल के अलावा साउथ अफ्रीका अंडर 19 टीम के लिए कमाल किया था।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम

केशव महाराज (कप्तान), डेविड बेडिंगहैम, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, कॉर्बिन बॉश, टोनी डी जोरजी, जुबैर हम्जा, केशव महाराज, क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायन, काइल वेरिन, कोडी यूसुफ।

टी20 क्रिकेट में नहीं देखा होगा ऐसा मोमेंट, पिच पर गिरे दोनों बल्लेबाज फिर कोई नहीं हुआ रनआउट

मुंबई, 21 जून (एजेंसियां)। इन दिनों भारत में महाराष्ट्र प्रीमियर लीग खेली जा रही है। जिसका एलिमिनेटर मुकाबला रायगढ़ रॉयल्स और कोल्हापुर टस्कर्स के बीच खेला गया। इस मैच के दौरान एक ऐसा मोमेंट देखने को मिला जो शायद ही आपने कभी टी20 क्रिकेट में देखा होगा। इस मोमेंट का वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको देखकर आपको पहले बल्लेबाजों के लिए थोड़ा दुख होगा और फिर फील्डिंग टीम पर हंसी भी आएगी।

मैच का वीडियो हो रहा वायरल

दरअसल मैच के दौरान जब रायगढ़ रॉयल्स के बल्लेबाज दूसरा रन के लिए, पिच पर भाग रहे थे, दोनों बल्लेबाज आपस में भिड़कर गिर गए थे। ऐसे में फील्डिंग वाली टीम के पास किसी एक बल्लेबाज को रन आउट करने का मौका था। टक्कर लगने के बाद एक बल्लेबाज तो गेंदबाज की साइड दौड़कर क्रीज में घुस गया था, दूसरा बल्लेबाज कुछ देर पड़ा रहा लेकिन जब उसको मौका मिला वो भी विकेटकीपर की साइड दौड़ गया उसके साथ फील्डर ने गेंद को हाथ में उठाने के बाद दौड़कर स्टंप पर मारने की कोशिश की लेकिन गेंद स्टंप पर न लगी और सीधे बाउंड्री पर चली गई। जिससे दोनों बल्लेबाज आउट होने से बच गए।

रायगढ़ रॉयल्स ने जीता मैच

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कोल्हापुर टस्कर्स ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 164 रन बनाए थे। कोल्हापुर की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए अंकित बावने ने सबसे ज्यादा57 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा सिद्धार्थ म्हात्रे ने 31, आनंद ने 26 और सचिन ने 23 रन बनाए थे। रायगढ़ रॉयल्स की तरफ से गेंदबाजी करते हुए नीखिल कदम ने 4 ओवर में 35 रन देकर सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए थे। इसके बाद 165 रन के लक्ष्य को रायगढ़ रॉयल्स ने 19.4 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। रायगढ़ रॉयल्स की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए विक्की ओस्तवाल ने 54 गेंदों पर सबसे ज्यादा 74 रनों की पारी खेली थी, अपनी पारी के दौरान विक्की ने 11 चौके और 1 छक्का लगाया था। इसके अलावा सिदेशवीर ने 34 गेंदों पर 39 और नीरज जोशी ने 27 गेंदों पर नाबाद 37 रन की पारी खेली थी। जिसमें 2 चौके और 2 छक्के शामिल थे। रायगढ़ रॉयल्स ने इस मैच को 6 विकेट से जीत लिया था।

तेलंगाना बिजली क्षेत्र में राष्ट्र के लिए मिसाल : डिप्टी सीएम

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना को पूरे देश के लिए बिजली क्षेत्र में एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में उभरना चाहिए और राज्य सरकार इसे प्राप्त करने के लिए एक सुव्यवस्थित रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। वह शनिवार को बिजली विभाग के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी की आधिकारिक घोषणा करने के बाद प्रजा भवन में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारी कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके तहत सरकार ने बिजली कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए डीए में 1.944 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार के इस उदार निर्णय से राज्य भर के 71,417 कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा। संशोधित डीए बिजली कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के साथ-साथ कारीगरों पर भी लागू होता है। महंगाई भत्ते को 14.074 प्रतिशत से बढ़ाकर 16.018 प्रतिशत कर दिया गया है और संशोधित दर इस साल जनवरी से पूर्वव्यापी रूप से लागू होगी।

बढ़े हुए महंगाई भत्ते के कारण बिजली कंपनियों पर हर महीने 11.193 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कर्मचारियों का कल्याण सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बना हुआ है। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में औद्योगिक उत्पादन के लिए बिजली उतनी ही जरूरी हो गई है, जितनी हवा जीवन के लिए। पिछली सरकार के कार्यकाल में मार्च 2023 में बिजली की अधिकतम मांग 15,000 मेगावाट थी। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद मार्च 2025 तक मांग बढ़कर 17,162 मेगावाट हो गई, यानी 2,000 मेगावाट की वृद्धि। मांग में इस तेज वृद्धि के बावजूद सरकार और बिजली कर्मचारियों ने निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक परिवार की तरह काम किया है, भट्टी विक्रमार्क ने याद दिलाया। उन्होंने कहा कि आगे देखते हुए, राज्य सरकार को मांग में भारी वृद्धि की उम्मीद है। केंद्र सरकार की एक एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना की अधिकतम बिजली मांग 2029-30 तक 26,299 मेगावाट और 2034-35 तक 33,773 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि इन भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पहले से ही बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना बना रही है। जनता की सरकार के गठन के बाद, नई हरित ऊर्जा नीति-2025 पेश की गई, जिसमें 2029-30 तक 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए और दोहराया कि सरकार और बिजली कर्मचारी मिलकर एक आदर्श परिवार बनाते हैं। कार्यक्रम में ट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर, पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन के नेता रत्नाकर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स एसोसिएशन के नेता शिवाजी 1535 यूनियन नेता वजीर; पेंशनर्स एसोसिएशन के नेता सत्यनारायण; तथा टीआरवीकेएस यूनियन के नेता उपस्थित रहे।

केटीआर ने की कौशिक रेड्डी की गिरफ्तारी की निंदा

कहा- किया जा रहा सत्ता का दुरूपयोग

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने शमशाबाद हवाई अड्डे पर हुजूराबाद के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी की गिरफ्तारी की निंदा की और इसे मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के आदेश के तहत किया गया एक स्पष्ट और अलोकतांत्रिक कृत्य। उन्होंने आरोप लगाया कि कौशिक रेड्डी लगातार कांग्रेस सरकार के 'भ्रष्टाचार, मंत्रिस्तरीय कदाचार और प्रशासनिक विफलताओं' पर सवाल उठा रहे हैं, जिसके कारण उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध का निशाना बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, यह कानून प्रवर्तन नहीं है- यह असहमति को दबाने की एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर बीआरएस नेताओं को डराने के लिए 'तुच्छ हथकंडे और निराधार मामले' का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा, ऐसी सस्ती हरकतें हमारे संकल्प या मनोबल को कभी नहीं हिला पाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि गिरफ्तारी सीएम की चुनावी वादों को पूरा करने में असमर्थता से जनता का ध्यान हटाने की हताशा को दर्शाती है। आपातकाल के दौर से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी की हरकतें तानाशाही शासन की याद दिलाती हैं। उन्होंने कहा, यह तथाकथित इंदिरम्मा राज्यम दिनदहाड़े असहमति की आवाजों को दबा रहा है। कौशिक रेड्डी की बिना शर्त रिहाई की मांग करते हुए उन्होंने न्यायपालिका पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, चाहे वे कितने भी झूठे मामले दर्ज करें, वे अदालत में टिक नहीं पाएंगे। बीआरएस लोगों के लिए लड़ाई जारी रखेगी।

आदिवासी महिलाओं पर हमला केटीआर ने की सीएम की आलोचना

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में वन अधिकारियों द्वारा आदिवासी महिलाओं पर हमले को लेकर कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार किया। रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को वन कर्मचारियों ने इरावेंडी गांव की आदिवासी महिलाओं को नंगा कर पीटा और परेड कराई। कथित तौर पर यह घटना तब हुई जब वन अधिकारियों ने आदिवासी परिवारों द्वारा खेती की जा रही पोडू भूमि पर खाई खोदने का प्रयास किया, जिसके कारण तीखी झड़प हुई।

घटना की निंदा करते हुए रामा राव ने इसे मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की विधानसभा में की गई विवादास्पद टिप्पणी से जोड़ा, जहां उन्होंने कथित तौर पर सत्ता पर सवाल उठाने वाली महिलाओं को नंगा करने की बात कही थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रामा राव ने कांग्रेस प्रशासन को 'आतंक का शासन' बताया और उस पर तेलंगाना में महिलाओं की गरिमा की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से महिला सुरक्षा और सम्मान को लेकर उनके रुख पर भी सवाल उठाया। क्षेत्र के आदिवासी परिवारों ने न्याय की मांग को लेकर पिनापाका के विधायक पायम वेंकटेश्वरलू से भी संपर्क किया।

मंथनी में माता-पिता ने बेहोश बेटे के साथ किया प्रदर्शन

पुलिस पर उत्पीड़न का लगाया आरोप

पेद्दापल्ली, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कथित तौर पर पुलिस उत्पीड़न के कारण आत्महत्या का प्रयास करने के बाद कोमा में चले गए एक युवक के माता-पिता ने शनिवार को मंथनी शहर के अंबेडकर चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। न्याय की मांग करते हुए माता-पिता अपने बेहोश बेटे को एम्बुलेंस में लेकर आए और प्रदर्शन के दौरान उनके रिश्तेदार भी उनके साथ शामिल हुए। पिछले खरीफ सीजन के दौरान धान खरीद केंद्र पर हुई झड़प के सिलसिले में पुलिस ने जिस युवक पर मामला दर्ज किया था, उसने कथित तौर पर पुलिस की पिटाई के बाद आत्महत्या का प्रयास किया।

उनके पिता देवेंद्र के अनुसार, झूठी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि न केवल मामला दर्ज किया गया, बल्कि मेरे बेटे को पुलिस ने पीटा भी। मामले से परेशान होकर उसने आत्महत्या करने की कोशिश की और तब से वह कोमा में है। देवेंद्र ने कहा कि उनके बेटे के बिस्तर पर पड़े होने के बावजूद कथित शिकायतकर्ताओं के खिलाफ न तो कोई कार्रवाई की गई और न ही चिकित्सा खर्च के लिए मुआवजा दिया गया। उन्होंने कहा कि आरोपी हमें धमका रहे हैं और पुलिस स्टेशन के बार-बार चक्कर लगाने पर भी कोई नतीजा नहीं निकला। कार्रवाई न होने से निराश होकर परिवार ने विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया। पुलिस मौके पर पहुंची, परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया और उन्हें थाने ले गई। विरोध प्रदर्शन के कारण करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा।

तेलंगाना के निर्माण क्षेत्र में 11.9 प्रतिशत की हुई वृद्धि

लगभग 80,000 करोड़ रुपये का हुआ योगदान : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि रियल एस्टेट और पेशेवर सेवा क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में 15.4 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की है। उन्होंने शनिवार को यहां एक प्रॉपर्टी शो का उद्घाटन करने के बाद कहा कि अकेले निर्माण क्षेत्र में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसने तेलंगाना की अर्थव्यवस्था में लगभग 80,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व जानबूझकर झूठा प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे अपनी आंखें खोलें और वास्तविक आंकड़ों को देखें।

रियल एस्टेट वर्तमान में राज्य की सेवा अर्थव्यवस्था का 24.9 प्रतिशत हिस्सा है। अब तक, 9,744 परियोजनाएं रेरा के तहत पंजीकृत हैं। मंत्री ने जोर देकर कहा कि ये केवल संख्याएं नहीं हैं, बल्कि उन दावों का तथ्यात्मक खंडन हैं कि कांग्रेस सरकार के तहत इस क्षेत्र में मंदी आ रही है। नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अकेले फरवरी 2025 में हैदराबाद में 5,900 घरों का पंजीकरण किया गया। श्रीधर बाबू ने कहा कि 1 करोड़ रुपये और उससे अधिक मूल्य की संपत्तियों का पंजीकरण कुल पंजीकरण का 18 प्रतिशत है, जबकि इस प्रीमियम सेगमेंट में वार्षिक वृद्धि दर 58 प्रतिशत है।

किसानों ने बिजली कटौती के खिलाफ किया प्रदर्शन

मोर्ताड, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मोर्ताड और आस-पास के गांवों के किसानों ने शनिवार को कम्मारपल्ली मंडल में एक बिजली सब-स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया और बार-बार बिजली कटौती पर अपना गुस्सा जाहिर किया। यह तब हुआ जब सरकार तेलंगाना में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति का दावा करती है।

पीड़ित किसानों ने कहा कि बिजली आपूर्ति में अनियमितता के कारण उनकी फसलें सूख रही हैं, इस मौसम में कम बारिश के कारण स्थिति और खराब हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली अधिकारी कृषि कनेक्शनों को निर्बाध बिजली सुनिश्चित करने में लापरवाही बरत रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि घरेलू कनेक्शन भी बार-बार बाधित हो रहे हैं। किसानों ने मांग की कि उप अभियंता मौके पर आएं और उनकी शिकायतें सुनें। पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को चार दिन तक इंतजार करने के लिए राजी किया और वादा किया कि समस्या का समाधान हो जाएगा। पुलिस के आश्वासन के बाद किसानों ने अपना विरोध वापस ले लिया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय के भीतर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो वे नया आंदोलन शुरू करेंगे।

नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग (एच-न्यू) ने छात्रों को नारकोटिक्स पदार्थों के खतरों के बारे में शिक्षित करने और नशा मुक्त जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल, बौरामपेट, मियापुर, हैदराबाद शाखा में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान, एच-न्यू के पुलिस निरीक्षक जी.एस. डैनियल ने सभा को संबोधित किया और छात्रों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों और शैक्षणिक संस्थानों में इस तरह के प्रभावों से दूर रहने के तरीके के बारे में बताया। निरीक्षक ने बताया कि कैसे स्कूलों में बच्चों को आकर्षित करने के लिए चॉकलेट और कैंडी के रूप में नशीली दवाओं का दुरुपयोग हो रहा है, जो छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने बच्चों को इस बात पर भी प्रकाश डाला कि यह कैसे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बौद्धिक स्तर को भी कम करता है और आगे चलकर मृत्यु का कारण बनता है। इसके अतिरिक्त, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कानूनी परिणामों के बारे में बताते हुए, निरीक्षक ने छात्रों को नशीली दवाओं का शिकार न होने और मादक द्रव्यों के सेवन को बढ़ावा देने वाली दोस्ती से बचने की सलाह दी। दिल्ली पब्लिक स्कूल, बौरामपेट की उप प्रधानाचार्या रैना भट्ट और वरिष्ठ प्रधानाध्यापिका शर्मिला गणपति ने हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग (एच-न्यू) की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को सूचित निर्णय लेने, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के परिणामों को समझने और स्वस्थ जीवन शैली का निर्माण करने के लिए सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण हैं। इस कार्यक्रम में हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग (एच-न्यू) के उप-निरीक्षक सी. वेंकट रामुलु और कांस्टेबल मोहम्मद इमरान ने भी भाग लिया।

वायु सेना स्टेशन बीदर ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रोग प्रतिरोधक क्षमता और तंदुरुस्ती को फिर से बढ़ाने के लिए योग की अपार शक्ति और महत्व को पहचानते हुए वायु सेना स्टेशन बीदर में "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" थीम के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) मनाया गया। योग का आयोजन आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रख्यापित सामान्य प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया गया। वायु सेना स्टेशन बीदर के तीन हजार से अधिक भारतीय वायुसेना कर्मियों और परिवारों ने अपने शारीरिक और मानसिक कौशल को फिर से जीवंत करने के दिन के रूप में इस आयोजन को चिह्नित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रुप कैप्टन विवेक अग्रवाल, स्टेशन कमांडर, वायु सेना स्टेशन बीदर, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस सत्र में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में वैशाली लाल, अध्यक्ष एएफएफडब्ल्यूए (एल), संगिनियों और बच्चों के साथ शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में बुनियादी क्रियाओं को शामिल किया गया, उसके बाद कुछ आसन, प्राणायाम किए गए और संकल्प और प्रार्थना के साथ समापन हुआ। इस कार्यक्रम में वायु योद्धाओं और उनके परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो स्वास्थ्य, सद्भाव और समग्र कल्याण की सामूहिक खोज में एक साथ आए।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, 13 चोरी की गाड़ियाँ बरामद

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने हैदराबाद में कई वाहन चोरी की घटनाओं में शामिल दो बाइक अपराधियों और एक चोरी की संपत्ति प्राप्त करने वाले को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जानकारी के आधार पर, आरोपी निम्माथी श्रीकांत , निवासी कृष्णा नगर और ई. नवीन, निवासी उप्पल को गिरफ्तार किया गया और कुल 13 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। इन वाहनों को विभिन्न पुलिस थानों की सीमाओं के अंतर्गत चोरी की रिपोर्ट की गई थी। आगे की जांच में एक अन्य आरोपी शेख कलीम के रूप में हुई। उसने आरोपियों से चोरी की मोटरसाइकिलें प्राप्त की थीं। एसीपी, बंजारा हिल्स ने बताया कि निम्माथी श्रीकांत के खिलाफ पहले से ही विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कई अन्य मामले दर्ज हैं, जो वर्तमान में विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि बंजारा हिल्स पुलिस द्वारा किए गए त्वरित और समन्वित प्रयासों से कई चोरी के मामलों का पता लगाने और चोरी की गई कीमती संपत्ति की बरामदगी हुई है। आगे की जांच जारी है।

अंशकालिक व्याख्याता संदिग्ध परिस्थितियों में पाई गई मृत

कामारेड्डी, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले के दुर्की गांव में तेलंगाना जनजातीय कल्याण आवासीय विद्यालय एवं महाविद्यालय में शनिवार सुबह एक अंशकालिक रसायन शास्त्र व्याख्याता संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। लेक्चरर स्वप्ना पिछले तीन सालों से इस संस्थान में काम कर रही थीं। रिपोर्ट के अनुसार, वह शुक्रवार को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) देने के लिए कोडाद गई थीं और शाम तक कॉलेज लौट आईं।

चूंकि उन्हें रात की ड्यूटी दी गई थी, इसलिए वह दूसरी मंजिल पर एक कमरे में सोने से पहले छात्रों की पढ़ाई में मदद करती थीं। रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार की सुबह कॉलेज के कर्मचारियों ने उसका शव देखा और तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। मौत के कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

बीआरएस ने ओआरआर को अवरुद्ध करने की दी धमकी

रैतु भरोसा बकाया भुगतान न होने का मामला

संगारेड्डी, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने शनिवार को चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस सरकार रंगारेड्डी, मेडचल-मलकजगिरी और पाटनचेरु जिलों के 2 लाख से अधिक किसानों को रैतु भरोसा सहायता जारी करने में विफल रही तो बीआरएस आउटर रिंग रोड (ओआरआर) को अवरूद्ध कर देगी। पटनचेरू विधानसभा क्षेत्र के किसानों के समर्थन में जिन्नाराम मंडल मुख्यालय में किसानों की एक बैठक को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसानों की मांगों को नजरअंदाज किया है और अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो सीजन से किसानों को रैतु भरोसा योजना का लाभ नहीं दिया गया और राज्य के आधे से अधिक किसानों को वादा किए गए कर्ज माफी का लाभ नहीं मिला है।

पूर्व मंत्री ने सरकार पर भूमि अधिग्रहण योजनाओं का विरोध करने वाले लागाचेरला और गडवाल के किसानों को अपमानित करने का भी आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार द्वारा कृषक समुदाय को एक दशक तक दिए गए समर्थन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को अब रैतु बीमा लाभ से भी वंचित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के झूठ को उजागर करते हुए हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर सभी किसानों के लिए किए गए मुफ़्त फ़सल बीमा के वादे को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी को अंतरराज्यीय नदी जल विवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बुनियादी ज्ञान की कमी है।

राव ने कहा कि सार्वजनिक बैठकों और भाषणों के दौरान उनकी अज्ञानता उजागर हो गई है। वह राष्ट्रीय मंचों पर तेलंगाना का प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते।

मुख्यमंत्री द्वारा अपने भाषणों में चंद्रशेखर राव और बीआरएस का बार-बार उल्लेख करने की आलोचना करते हुए हरीश राव ने कहा कि यदि बीआरएस का कोई भविष्य नहीं है, तो रेवंत रेड्डी हर भाषण में हमारे बारे में क्यों बात करते रहते हैं?

इरिसेट परिसर में योग संगम का आयोजन

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी और दूरसंचार संस्थान (इरिसेट) में सिकंदराबाद स्थित परिसर में योग संगम का आयोजन कर 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शरद कुमार श्रीवास्तव, महानिदेशक, अपर महानिदेशक, डीन, वरिष्ठ अधिकारी, संकाय और लगभग 200 कर्मचारी तथा प्रशिक्षुओं ने योग अभ्यास में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी के लिए योग अभ्यास से पहले, प्रधानमंत्री के संबोधन की लाइव स्ट्रीमिंग की गयी। प्रशिक्षुओं, कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों को योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने और उन्हे प्रोत्साहित करने के लिए 2 जून 25 से योग अभ्यास सत्र आयोजित किए गए। संस्थान द्वारा योग दिवस के उपलब्ध में हिंदी वाक् प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में प्रशिक्षुओं नें सक्रिय रूप से भाग लिया। 21 जून को आयोजित योग संगम समारोह में विजेताओं और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। संस्थान के प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों ने 20.06.25 को लाल बहादुर स्टेडियम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 1 दिवसीय काउंटडाउन में भाग लिया। साथ ही कर्मचारियों को योग की भावना को अपनाने और इसके शाश्वत लाभों को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए आईगॉट कर्मयोगी मंच पर उपलब्ध योग-संबंधी पाठ्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

प्लास्टिक इकाई में लगी आग, कोई हताहत नहीं

संगारेड्डी, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार तड़के आईडीए बोल्लारम औद्योगिक क्षेत्र में वीर प्लास्टिक लिमिटेड में भीषण आग लग गई। सौभाग्य से, आग लगने के समय यूनिट के अंदर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। सुरक्षाकर्मियों से सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मी आग को आस-पास की औद्योगिक इकाइयों तक फैलने से रोकने के प्रयासों में लगे रहे। हालांकि, फैक्ट्री के अंदर रखा सामान पूरी तरह से नष्ट हो गया। प्रबंधन और अधिकारियों द्वारा क्षति की सीमा का आकलन किया जा रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.